



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी १७, १९७६ (पौष २७, १८९७)  
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1976 (PAUSA 27, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

**(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)**

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० ए० 12019/5/74-प्रशासन II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतदद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में वैद्वीय सचिवालय सेवा सर्वर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एम० एस० छाबड़ा को 1-12-1975 से 28-2-1976 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ विष्लेषक के पद पर तदर्थ रूप से स्थानापन आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाबड़ा कनिष्ठ विष्लेषक के सर्वर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त पर रहेंगे तथा उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मन्त्रालय के का० झा० स० ए०फ० (24) ई० III/60, दिनांक 4 मई, 1961 में निवड़ उपबन्धो के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

आर० एस० अहलुवालिया,  
प्रवर सचिव,  
कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड II श्री एम० पी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा 1-12-1975 से 15-1-1976 तक 46 दिन की अवधि के लिए उसी सर्वर्ग में पूर्णत अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

2. श्री प्रस० पी० मेहरा यह अवधि कर ले कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० मे० का ग्रेड I) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णत अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के० स० स्टे० से० के ग्रेड I में विलयन और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का उनका कोई हक नहीं होगा।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III(9)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो

भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापत्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अव० सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)

2. उनको 34वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में तैनात किया गया है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार 17-10-75 के अपराह्न सम्भाल लिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

मंत्रिमंडल सचिवालय  
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो  
नई दिल्ली-1, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० ई०-22013/1/75-प्रशा०-5—इस कार्यालय की राजपत्रित अधिसूचना सं० पी० एफ०/एस०-68/6-5-प्रशा०-5 दिनांक 3-10-75 के अधिकरण में, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, मध्यप्रदेश राज्य से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री एस० एस० दरवारी लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 25 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्त पर वरिष्ठ लोक अभियोजक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० ई०-29020/12/74-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, सर्वेश्वी एम० ए० सुन्दरराज तथा श्रार० बालासुन्नामनियम, को दिनांक 17 नवम्बर 1974 से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में कमांडेट के रूप में स्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक दिसम्बर 1975

सं० ई०-16013(1)/1/75-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, प्रतिनियुक्त पर श्री के० दाहाभाई आई० पी० एस० (गुजरात-1957) को, श्री जी० सी० सेनापति, आई० पी० एस०, के स्थान पर, दिनांक 26 नवम्बर 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इस्पात संयंत्र के उप-महानिरीक्षक पद पर नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय राउरकेला में होगा।

श्री जी० सी० सेनापति, आई० पी० एस०, ने अपने मूल काड़ पर प्रत्यावृत्ति होने पर उसी दिनांक अर्थात् 26 नवम्बर 75 के पूर्वाह्न से उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० ई०-38013(3)/6/75-प्रशा०-I—राउरकेला से स्थानान्तरित होने पर, श्री टी० के० बनर्जी ने श्री श्रार० एम० दाश के स्थान पर दिनांक 1 दिसम्बर 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, तलचर, के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/23/75-प्रशा०-I—हरिद्वार को स्थानान्तरित होने पर, श्री जी० एस० सन्धु ने दिनांक 3 दिसम्बर 75 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत भारी विद्युत लिमिटेड (एच०ई०ई०पी०), नई दिल्ली, के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० ई०-38013(3)/8/75-प्रशा०-I—बोकारो स्टील सिटी से स्थानान्तरित होने पर, श्री वी० औ० वडुखण्डी ने दिनांक 11-9-75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, हिन्दुस्तान कापर प्रोजेक्ट, खेतरी, के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

दिनांक दिसम्बर 1975

सं० श्र० VI-3/75-स्थापना—राष्ट्रपति श्री विजय कुमार को उप पुलिस अधिकारक (कम्पनी कमांडर/कवार्टर मास्टर) के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अस्थाई रूप से अगले आदेश जारी होने तक नियक्त करते हैं।

2. उन्होंने सपेश्यलिस्ट के पद का कार्यभार बैस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली में 4-11-75 पूर्वाह्न से सम्भाला।

दिनांक दिसम्बर 1975

सं० श्र० VI-3/75-स्थापना—राष्ट्रपति श्री विजय कुमार को उप पुलिस अधिकारक (कम्पनी कमांडर/कवार्टर मास्टर) के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अस्थाई रूप से अगले आदेश जारी होने तक नियक्त करते हैं।

## भारत के भावपंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनाक 15 दिसम्बर 1975

स० 25/15/73 आर० जी० (एडी) — निवर्तन के फलस्वरूप श्री टी० आर० राजगोपालन ने जनगणना कार्य उप-निदेशक तमिलनाडूके पद का कार्य-भार दिनाक 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) को सौप दिया।

राष्ट्रपति, श्री टी० आर० राजगोपालन को जनगणना कार्य उप-निदेशक तमिलनाडू के पद पर दिनाक 1 दिसम्बर 1975 से छं माह की अवधि के लिए सहर्ष पुन नियुक्त करते हैं।

श्री टी० आर० राजगोपालन का मुख्य कार्यालय मद्रास मे होगा।

ब्रह्मी नाथ,  
उप-भावपंजीकार एव  
पदेन उप-सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनाक 20 दिसम्बर 1975

स० 10/19/75-ग० डी० I — राष्ट्रपति, श्री आर० के० भाटिया को, जो भारत के भावपंजीकार के कार्यालय मे प्रब्लेम है, उसी कार्यालय मे दिनाक 20 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से छं महीने की अवधि के लिए या नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले ही अनुसंधान अधिकारी के पद पर बिल्कुल अस्थाई एव तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री आर० के० भाटिया का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली मे होगा।

रा० भ० चारी,  
महापंजीकार एव पदेन  
संयुक्त सचिव

## वित्त मन्त्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनाक 15 दिसम्बर 1975

फा० स० बी० एन० पी०/ई०/स्प०/30 — श्री एस० पी० कुल-श्रेष्ठ, लेखा अधिकारी महालेखाकार कार्यालय, मध्य प्रदेश की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास मे लेखा अधिकारी के पद पर प्रति-नियुक्ति पर की गई नियुक्ति दिनाक 3-12-1975 से 2-12-1976 (अपराह्न) तक नियमित आधार पर निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी  
महा प्रबन्धक

## भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-I

हैदराबाद-500004, दिनाक 12 दिसम्बर 1975

स० ई० बी० I/8-312/73-76/355-(1) — श्री एस०

बेकट्टरत्नम, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-I मे सेवा से निवृत्त हुए दिनाक 31-8-1975 अपराह्न।

(2) श्री एस० सुब्रमण्यम II, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-I मे सेवा से निवृत्त हुए दिनाक 31-8-1975 अपराह्न।

(3) श्री एस० आदिनारायण, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-I मे सेवा से निवृत्त हुए दिनाक 30-9-1975 अपराह्न।

(4) श्री एस० एच० एच० रजिय, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय आन्ध्र प्रदेश-I मे सेवा से निवृत्त हुए दिनाक 30-11-1975 अपराह्न।

वी० रामन,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार  
(प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, उत्तर प्रदेश-प्रथम  
इलाहाबाद, दिनाक 16 दिसम्बर 1975

स० प्रशासन-1/11-144(XI)/3831—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नाकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अकित तिथि से आगामी आदेश प्रवर्यन्त इस कार्यालय मे स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है —

संवंशी —

1	रमा शकर शर्मा	27-10-1975
2	श्री राम श्रीवास्तव	25-10-1975
3	नानक माधौ नरायन	5-12-1975
4	ईंवर सरन श्रीवास्तव	5-12-1975
5	चन्द्रिका प्रसाद मिश्र	5-12-1975

दिनाक 17 दिसम्बर 1975

सूचना

स० प्रशासन प्रथम/3853—केन्द्रीय सेवा (अस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार मैं श्री सुरेश कुमार मिह लिपिक को जिनकी निजी सच्चा 5383 (पाच हजार तीन सौ तिरासी) है, यह सूचना (नोटिस) देता हूँ कि, इस विज्ञप्ति के प्रकाशन तिथि से एक मास अवधि के उपरान्त उनकी सेवाये समाप्त हो जायेगी।

स्थान—इलाहाबाद

तिथि—17-12-75

यू० रामचन्द्र राव,

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

## रक्षा लेखा विभाग

## कार्यालय रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पैशन स्थापना को अन्तरिक कर दिया जाएगा।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पैशन स्थापना को अंतरण की तारीख	संगठन
1.	एम० गणेशन (पी०/29)	स्थायी लेखा अधिकारी	29-2-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पैशन) इलाहाबाद।
2.	ए० के० सेन गुप्ता (पी०/105)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
3.	टी० एस० सुब्रह्मण्यम (ओ०/211)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।
4.	ए० बीरेश्वर राव (ओ०/216)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	29-2-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पैशन) इलाहाबाद।
5.	एन० के० फांसे (ओ०/227)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

श्री टी० एस० सुब्रह्मण्यम स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 26-12-1975 से 31-3-1976 तक 97 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) निम्नलिखित को, इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए० तारीख 28-10-1975 के पैरा (4) के रूप में जोड़ा जाता है।

(i) श्री जी० पी० रेना, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 10-11-1975 से 31-12-1975 तक 52 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(ii) श्री एम० एल० शर्मा, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-12-1975 से 31-12-1975 तक 31 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(iii) श्री डी० एन० धावन, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-12-1975 से 31-12-1975 तक 31 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

एस० के० सुन्दरम्,  
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

## रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेस फैक्ट्रियाँ

भारतीय आर्डनेस फैक्ट्रियाँ सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० 50/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री सी० पी० शर्मा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 अक्टूबर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 51/75/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित अधिकारीयों प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए:

1. श्री पी० फांसि, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन)---31 अगस्त, 1975 (अपराह्न)।

2. श्री बी० जी० शिवनेकर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी स्टाफ अस्सिस्टेंट)---30 मितम्बर, 1975 (अपराह्न)।

सं० 52/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री टी० पी० बागची, स्थानापन्न अफसर सुपर-वाइजर (मौलिक एवं स्थायी अधीक्षक) दिनांक 30 मितम्बर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 53/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० एम० चटर्जी, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० (मौलिक एवं स्थायी टी० एस० ओ० ए० एम०) दिनांक 31 मई, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 46/जी०/75—वाधेक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारियों ने, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री एल० एम० मुकर्जी, स्थायी प्रबन्धक—31 जुलाई, 1975 (अपराह्न)।

2. श्री पी० के० गे०, स्थानापन्न प्रबन्धक—31 जुलाई, 1975 (अपराह्न)।

3. श्री के० पी० सेन शर्मा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन)—31 अगस्त, 1975 (अपराह्न)।

सं० 47/जी०/75—एक वर्ष की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर, श्री टी० के० चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30 सितम्बर, 1975 से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय,  
सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियां

#### श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० पी० 8(8) 67—कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमांश्ली 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (बी०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष सलाहकार समिति एवं द्वारा अधिसूचना सं०पी० 8(8) 67 दिनांक 28-2-1974 में जिसके द्वारा हजारीबाग कोयला थेन्ड्र उप-समिति का गठन हुआ था, निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में दर्ज क्रम संख्या 4, 5 और 6 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, यथा :—

4. थेन्ड्र महाप्रबन्धक, केन्द्रीय कोयला थेन्ड्र लिमिटेड, हजारीबाग।	} नियोक्ता प्रतिनिधि
5. थेन्ड्र महा प्रबन्धक, केन्द्रीय कोयला थेन्ड्र लिमिटेड, अरणडा, हजारीबाग।	
6. मुख्य कार्मिक अधिकारी, केन्द्रीय कोयला थेन्ड्र लिमिटेड, रांची।	

आर० पी० सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त,  
धनबाद

#### वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० सी० ई० आर० /6/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खड़ 34 मे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/

58 दिनांक 7 मार्च, 1958 मे निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के संभ 2 मे क्रम संख्या 11 के सामने मद (20) के बाद निम्न प्रविष्टी जोड़ दी जाएगी, अर्थात् :—

2

“(21) वस्त्र निदेशक तथा-अपर पंजीयक सहकारी समितियां, उड़ीसा”

गौरी शंकर भागवत,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग  
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली-1 दिनांक दिसम्बर 1975

सं० प्र०-1/1(61)—स्थायी उप महानिदेशक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली मे स्थानापन्न अपर महानिदेशक श्री पी० नाथ दिनांक 30 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से निर्वतन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हस्ते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० ए०-1/1(838)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली मे महायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड-I) भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II के संबंधी गिरधारी लाल और आर० इन्ड्रप्रसाद सूर्यवंशी को दिनांक 20-11-1975 के अपराह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी महानिदेशालय नई दिल्ली मे उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन-शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-6/247(390)—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा के अधिकारी श्री एस० सी० कपूर को दिनांक 25 नवम्बर, 1975 के पूर्वात्मा से सेवा के ग्रेड-I मे स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कपूर ने 13 नवम्बर, 1975 के अपराह्न की उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 25 नवम्बर, 1975 के पूर्वात्मा से कलकत्ता निरीक्षण मंडल, कलकत्ता मे निरीक्षण निदेशक का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हस्ते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

स० प्र०-6/247(163)/58/11—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-II की इजोनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री के० एन० श्रीवास्तव को दिनांक 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से सेवा के ग्रेड-II की इजोनियरी शाखा में उप निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीवास्तव ने 14 नवम्बर, 1975 के अपराह्नि से उत्तरी निरीक्षण मडल के अधीन कानपुर में निरीक्षण अधिकारी का पदभार छोड़ दिया तथा 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से कलकत्ता निरीक्षण मडल, कलकत्ता में उप निदेशक निरीक्षण (इजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मतालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

स० 7649/बी०/2222 (के० पी०)/19ए०—श्री के० प्रभाकर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में महायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जाता है।

स० 7659/बी०/2222 (जी० सी० बी०)/19ए०—श्री ज्ञान चन्द भास्त्री को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 28 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जाता है।

स० 7689/बी०/2222 (डी० के० एम०)/19ए०—श्री दीपक कुमार मुखोपाध्याय को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 14 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जाता है।

स० 7697/बी०/2222 (एस० बी० एन०)/19ए०—श्री एस० बालचंद्रन नैयर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 5 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जाता है।

स० 7704/बी०/2222 (एस० पी० बी० डी०)/19ए०—श्री एस० पी० बेकट दामू को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 27 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जाता है।

स० 7712/बी०/2222 (बी० आर० बी०)/19ए०—श्री बी० आर० बेकेटेश को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० प्रतिमाह के वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 29 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन,  
महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

स० ए० 19011(87)/70-सिव्वटी ए०—राष्ट्रपति श्री एस० एस० दास, सहायक खान नियन्त्रक, भारतीय खान व्यूरो को दिनांक 28 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में उप खान नियन्त्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० के० राघवाचारी  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी  
भारतीय खान व्यूरो

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-700019, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

स० 35-2/75-स्था०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एस० पी० सिन्हा स्थायी क्षेत्र अधिकारी की राष्ट्रीय एटलस संस्था में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 से श्रगले आदेश होने तक रथानापन्न रूप से पदोन्नति की जाती है।

एस० पी० दासगुप्त,  
निदेशक

प्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

स० ए०-30014 (4) /75-एस०-ठ०—महानिदेशक, प्राकाशवाणी, एतद्वारा श्री महावीर सिंह, कृषि रेडियो अधिकारी को, 10-3-1975 से स्थायीकृत पदक्षमता में कृषि रेडियो अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एल० टडन,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० 10/37/61-एस०-दो०—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री वी० वी० गोपालकृष्ण, लेखाकार, आकाशवाणी, अलंपी को दिनांक 9-12-1975 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, लखनऊ, में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सैन पाँधी,  
अनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जे० एल० मल्होत्रा, विस्तार अधिकारी को, 30-3-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० के० विश्वास, विस्तार अधिकारी को 4-4-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री वी० एन० शर्मा, विस्तार अधिकारी, को 11-8-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जी० सी० जाटव, विस्तार अधिकारी को, 17-6-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री वी० डी० एन० श्रीवास्तव, विस्तार अधिकारी, को 2-8-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी जी० आर० वाला, विस्तार अधिकारी, को 21-7-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० एन० साधू, विस्तार अधिकारी को 8-6-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छ:—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा डा० एस० के० मधुर, विस्तार अधिकारी को 6-4-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 11-2/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य विभाग में तबादला हो जाने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सेलेक्शन ग्रेड के अधिकारी श्री एम० श्रीनिवासन ने जो उस विभाग में उपमन्त्रिय के रूप में कार्य कर रहे थे, 6 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

आगुस्तीन सुरीन  
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 7-1/73-एडमिन-1—केन्द्रीय कुष्ट शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चिंगलपट, में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के एक अधिकारी श्री ए० कानन ने 17 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय कुष्ट शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चिंगलपट, में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 33-7/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्रीमती सी० के० पुनिता को 10 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से 15 नवम्बर 1975 (अपराह्न) तक सफदरजंग ग्रस्पनाल में श्रीमती ए० रत्ना की श्रवकाश रिक्ति में परिचर्या अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

रवीद्र नाथ तिवारी,  
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० 9-39/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एच० सी० बंसल को 15 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर, में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 9-31/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० धर्मवीर को 15 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ, में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल  
उप निदेशक, प्रशासन

कुष्टि, और सिचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा मंस्था

कानपुर, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० प्रशा०-3(1)/67-4—श्री आर० सी० गुप्ता की नियुक्ति मूल रूप से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फिजीकल

केमेस्ट्री) राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर के स्थाई पद पर दिनांक 15-11-1969 पूर्वाल्प से की जाती है

एन० ए० गमध्या,  
निदेशक ।

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 3 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/७९(२०)/७३-आर०-४—इस अनुसंधान केन्द्र के ३ मई, १९७४ के समसंचयक अधिसूचना के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक विदेश व्यापार मंत्रालय (अब वाणिज्य मंत्रालय), नई दिल्ली में केन्द्रीय सचिवालय सेवा में एक स्थाई सहायक और भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर श्री भोद्धनलाल मूलचन्द गांधी को इसी अनुसंधान केन्द्र में १ जुलाई १९७४ के पूर्वाल्प से १२ जून, १९७५ (अपराह्न) तक के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/८१(१३६)/७५-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई ड्राफ्टमैन (बी०) और स्थानापन्न ड्राफ्टमैन (सी०) श्री कृष्ण लाल गोस्वामी को १ अगस्त, १९७५ के पूर्वाल्प से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/७३(२)/७५-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित लोगों को इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से उनके सामने दिखाये हुए दिनांकों से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

1. डा० (श्रीमति) शोभना मुंधीर  
लेले 15 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाल्प)
2. डा० (श्रीमति) पोरि-  
नथलकत नारायण प्रभा-  
वती 15 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाल्प)
3. डा० (श्रीमति) चिन्ना  
प्रताप बोंगीरवार 16 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाल्प)
4. डा० (श्रीमती) डोली रे 22 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाल्प)
5. डा० श्रीकांत बालकृष्णण  
बाबरे 8 नवम्बर, 1975 (पूर्वाल्प)

दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/८१(७४)/७५-आर०-४ :—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, यहां की परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान परियोजना के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री लोकेन्द्र नाथ पाटक को १ अगस्त, १९७५ (पूर्वाल्प) से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/७९(९)/७५-आर०-४—एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और अस्थाई सहायक श्री शमन गंगाधर तिलक ने जिन्हे २४ जुलाई, १९७५ के मम नं० अधिसूचना के द्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया गया था, १२ नवम्बर, १९७५ के पूर्वाल्प से केन्द्र के सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० पी० ए०/८१(१३४)/७५-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान परियोजना के निम्नलिखित वैज्ञानिक सहायकों (सी०) को उसी परियोजना में १ अगस्त, १९७५ के पूर्वाल्प से, आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम

1. श्री मनाइल शिवरामकृष्णन मशनमोहनन
2. श्री सुब्बा पोमु रेड्डी

दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/८१(१४३)/७५-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) श्री रमेश राधवेन्द्रराव तजागुड को १ अगस्त, १९७५ के पूर्वाल्प से, आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/८१(१३०)/७५-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई फोरमन श्री विनोद कुमार भाटिया को १ अगस्त, १९७५ के पूर्वाल्प से आगामी आदेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/८१(१३०)/७५-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई प्रबुकार (बी०) और स्थानापन्न फोरमन श्री एंटोनी फरनांडेज को १ अगस्त, १९७५ के पूर्वाल्प से आगामी आदेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/८१(१२७)/७५-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री जयंत अनन्त गोखले को १ अगस्त, १९७५ के पूर्वाल्प से आगामी आदेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

पी० उमीष्मुण्णन  
उप स्थापना अधिकारी (भ०)

## परमाणु कर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-400005, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० ए० पी० ई० डी०/३ (236)/75-प्रशासन-13221-1400—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, एतद्वारा इस प्रभाग के अस्थायी नक्शानवीस 'सी' श्री ए० एल० सारस्वते को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से विभाग-प्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेरुलेकर  
प्रशासन-प्रधिकारी  
कृते निदेशक

## भारी पानी परियोजनाएँ

बम्बई-400008, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० भा० पा० प०/स्था०/१/एस-60/8575—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, भाभा परमाणु प्रतुसंधान केन्द्र के, श्री गोविन्दभाई भणीलाल शाह, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'ए' तथा स्थानापन्थ वैज्ञानिक सहायक 'सी' जो अब भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं को, उसी परियोजना में, अगस्त 1, 1975 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्थ वैज्ञानिक प्रधिकारी/प्रभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकी ति  
वरिष्ठ प्रशासन प्रधिकारी

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० ए०-३२०१४/३/७५-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में श्री जी० एल० रेलवानी, तकनीकी सहायक को 1-12-1975 (पूर्वाह्न) से श्री के० झी० पंडित, सहायक तकनीकी प्रधिकारी, जिन्हें अंजित चूटी स्वीकृत की गई है, के स्थान पर वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई में तदर्थे आधार पर सहायक तकनीकी प्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० ए०-३८०१५/१८/७४-ई० 'सी०—महानिदेशक नागर विमानन अत्यन्त दुःख के साथ वैमानिक संचार संगठन के निम्न-लिखित कर्मचारियों के निधन की घोषणा करते हैं:—

1. श्री ग्रार० एस० राम, सहायक तकनीकी प्रधि-	
कारी, वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ	24-9-74
2. श्री सी० ए० पिल्लै, सहायक संचार प्रधि-	
कारी, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	8-10-74
3. श्री एम० झी० परमंदीवर, सहायक तकनीकी	
प्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन,	
बम्बई	17-9-74

विश्व विनोद जौहरी  
सहायक निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० ए०-३२०१३/७/७५-ई० ए०—राष्ट्रपति ने, श्री एस० ए० राम, सहायक विमानक्षेत्र प्रधिकारी को 9 दिसम्बर, 1975 से छह मास की अवधि के लिए या उनके द्वारा धारित पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थे आधार पर विमानक्षेत्र प्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। उन्हें कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम में तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जौहरी  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केंद्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय,

इलाहाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं० 152/1975—केंद्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में वर्तमान तैनात श्री वीरेन्द्रपाल सिन्हा, स्थानापन्थ निरीक्षक (प्रवर ग्रेड) केंद्रीय उत्पादन शुल्क को इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं० दो (३)-स्था०/२८०८८ दिनांक 31-७-७५ के अन्त-गंत जारी किये गये स्थापना आदेश सं० २१२/१९७५ दिनांक ३०-७-१९७५ के द्वारा, प्रगला आदेश होने तक के लिए रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में स्थानापन्थ प्रधीक्षक केंद्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिनांक ९-१०-१९७५ को दोपहर से पहले श्री एम० पी० चौधरी, प्रधीक्षक श्रेणी-दो को उनके प्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए, समेकित मण्डल कार्यालय, बरेली में प्रधीक्षक श्रेणी-दो (निवारक) के कार्यालय का कार्यभार प्रहण कर लिया।

सं० 153/1975—पहले केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में प्रधीक्षक (मुख्यांकन) के रूप में तैनात, श्री आर० डब्ल्य० शीतल, स्थानापन्थ प्रधीक्षक, केंद्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो ने दिनांक ३१-१०-१९७५ को (दोपहर बाद) केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में प्रधीक्षक (मुख्यांकन) के कार्यालय का कार्यभार श्री पी० एन० काव, प्रधीक्षक केंद्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो को सौंप दिया और उसी सारीब और समय से सरकारी सेवा से मुक्त हो गये।

सं० १५४/१९७५—पहले केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में प्रधीक्षक (लेखा परीक्षा) के रूप में तैनात श्री हरेन्द्र धर दुबे, स्थानापन्थ प्रधीक्षक, केंद्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो ने दिनांक ३१-१०-१९७५ को (दोपहर बाद) केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में प्रधीक्षक (लेखा परीक्षा) के कार्यालय का कार्यभार श्री एस० एस० टण्डन, लेखा परीक्षक, केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय, मुख्यालय, इलाहाबाद, को सौंप दिया और उसी तारीख और समय से सरकारी सेवा से मुक्त हो गये।

दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० १६०/१९७५—केंद्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, वाराणसी में तैनात श्री एस० एन० पी० खिरेथी, स्थायी निरीक्षक (घयन ग्रेड), केंद्रीय उत्पादन शुल्क ने, जिनको इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं० दो (३) २ स्था०/७५/२८०८८, दिनांक

31-7-1975 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश सं० 212/1975, दिनांक 30-7-1975 के अनुसार आगामी आदेश होने तक ₹० 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ०-रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, दिनांक 20-11-1975 को (शीपहर से पहले), श्री जी० बी० दरबारी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दी को उनके अंतिरिक्षत कार्यभार से मुक्त करते हुए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समेकित मंडल कार्यालय, गोरखपुर में अधीक्षक (वकीकी) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दी के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एच० बी० बास

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

मदुरै-2, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 4/75—श्री के० बी० सुब्रह्मण्यन, प्रशासनिक अधिकारी, सीमाशुल्क डिविजन, मदुरै को वित्त मंत्रालय सं० एफ० बी० 12014/19/74 अड० IV ता० 12-5-75 से बने नये पद सीमा शुल्क लेखा परीक्षक मुख्य कार्यालय, मदुरै, पर ता० 15-11-75 (प०) लेखा परीक्षक का पद संभाल लिया।

सं० 5/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाधारणीय, मदुरै के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/प्रशासनिक अधिकारी के पद पर ₹० 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किये गये हैं। स्थान और कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार हैः—

अफसर का नाम	नियुक्ति स्थान	कार्यभार
		तारीख
1. श्री एन०बी० गोपालन, सहायक मुख्य लेखा कार्यालय अधीक्षक, अधिकारी, मुख्य मुख्य कार्यालय, मदुरै	20-10-75	(प०)
2. श्री जी० के० तुलसी-रामन, का० अ०, मू० का०, मू० का०, मदुरै	प्रशासनिक अधिकारी	15-11-75
3. श्री एस० अनन्तरामन, प्रशासनिक अधिकारी, का० अ०, मू० का०, मदुरै	सीमा शुल्क डिविजन, लिङ्गुगल	14-11-75
		(अ०)

ह० अपठनीय  
समाहर्ता

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110012, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० 12/1975—स्थानांतरित होने पर श्री के० के० विश्वानाथन, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कोलकाता ने दिनांक 15 अक्टूबर, 1975 (प०) से सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कलकत्ता में उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 13/1975—स्थानांतरित होने पर श्री एम० बी० दीक्षित, सहायक रसायन परीक्षक, नवीन सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई ने दिनांक 24 अक्टूबर, 1975 (प०) से केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रीजनल प्रयोगशाला, बड़ीदा, में उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

वे० सा० रामेश्वरन  
मुख्य रसायनश, केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० 3-416-75-सी० एच० (ई०)—श्री जी० सी० भट्टाचार्य को सहायक जल भू विज्ञानी बर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर अस्थाई रूप से वेतनमान 650-30-740-35-810-इ० बी०-35-880-40-1000-इ० बी०-40-1200 के अन्तर्गत उनके मुख्यालय ओधपुर के साथ दिनांक 26-11-1975 (पूर्वान्तर) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० 3-408/75-सी० एच० (ई०)—श्री एम० बी० निकलजे को सहायक जल भू विज्ञानी बर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-इ० बी०-35-880-40-1000-इ० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय शोलापुर के साथ दिनांक 25-11-75 (पूर्वान्तर) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-408/75-सी० एच० (ई०)—श्री कृष्ण पाल सिंह को सहायक जल भू विज्ञानी बर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-इ० बी०-35-880-40-1000-इ० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय शंडीगढ़ के साथ दिनांक 25-11-75 (पूर्वान्तर) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख  
मुख्य जल भू विज्ञानी

फरीदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० 7-118/75/ईस्ट०-II—श्री के० बी० बोहरा जो केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हैं, को दिनांक 28 फरवरी, 1975 से स्थाई प्रशासन अधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-इ० बी०-40-1200 रूपये नियुक्त किया जाता है।

वेतना पाण्डे  
अधीक्षक अभियक्षा

## प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

## केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1975

सं० 5/1/75-ई० सी०-I—राष्ट्रपति, 1973 में दृष्टि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के अधार पर श्री गोपन प्रकाश पुरोहित को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यालय इंजीनियर (सिविल) के अस्थायी पद पर 10-11-75 (पूर्वानु) से परिवीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

पी० एस० परवानी  
प्रशासन उप-मिडेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

सं० 12/7/74-प्रशा०-4—राष्ट्रपति, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री टी० एस० गिल को वरिष्ठ वास्तुक के पद पर 17-3-73 से स्थायी घोषित करते हैं।

एस० एस० पी० राय  
प्रशासन उप-मिडेशक

## पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

## महा प्रबंधक का कार्यालय

(कार्मिक शाखा)

पाण्डु, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० ई०/55/III/91-पी III ( 0 )—श्री के० एम० रम्भा को दिनांक 1 फरवरी, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन अधीक्षक/सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं० ई०/55/III/94-पीIII ( 0 )—श्री एस० के० राय को दिनांक 1 जुलाई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

प्र० एल० वर्मा  
महाप्रबंधक

## मध्य रेल

बम्बई वी० टी०, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/एच०—निम्नलिखित सहायक विभिन्न अधिकारियों को उनके नाम के सामने की गयी तारीख

से ध्वनीय रेल विभिन्न सेवा की श्रेणी-II में स्थायी किया गया है :—

क्रमांक	नाम	स्थायीकरण-तारीख
1	2	3
1.	डा० एस० बी० दत्त	1-12-1962
2.	डा० ए० के० पाल	7-12-1962
3.	डा० बी० चटर्जी	1-2-1963
4.	डा० एम० एम० सरकार	2-2-1963
5.	डा० टी० एम० रामरस्मा	10-5-1963
6.	डा० एन० रवीन्द्रनाथ	9-5-1963
7.	डा० पी० एन० जठार	13-2-1963
8.	डा० एस० सी० पंगारकर	21-2-1963
9.	डा० ए० पी० घोष	9-5-1963
10.	डा० एफ० डी० परेरा	27-4-1963
11.	डा० बी० एस० चेट्टी	9-5-1963
12.	डा० मुहम्मद हसरतुल्लाह	9-5-1963
13.	डा० आर० एन० कांगो	10-5-1963
14.	डा० जे० आर० सेठी	17-5-1963
15.	डा० बी० एन० पी० गुप्ता	20-5-1963
16.	डा० एम० सी० दासगुप्ता	1-11-1964
17.	डा० (श्रीमती) उषा किंवं	1-1-1966
18.	डा० आर० के० जोशी	1-1-1966
19.	डा० जे० के० अग्रवाल	1-1-1966
20.	डा० आर० एस० राय	1-1-1966
21.	डा० ए० के० सरकार	1-1-1966
22.	डा० एस० एस० मीता	1-1-1966
23.	डा० एस० डी० गुप्ता	1-1-1966
24.	डा० एस० बसु	1-1-1966
25.	डा० पी० विश्वास	1-1-1966
26.	डा० एम० बी० साखरे	1-1-1966
27.	डा० एम० बी० तांबे	1-1-1966
28.	डा० एस० सी० कपूरिया	1-1-1966
29.	डा० डी० बी० टिल्लू	11-1-1966
30.	डा० एस० सी० सिन्हा	1-1-1966
31.	डा० एच० बी० निरुड्कर	1-1-1966
32.	डा० बी० सिंह	1-1-1966
33.	डा० बी० पी० चोबे	1-1-1966
34.	डा० बी० डी० श्रीवास्तव	1-1-1966
35.	डा० (श्रीमती) ए० वी० गदव	1-1-1966
36.	डा० एम० सिंह	1-1-1966
37.	डा० आर० एस० चक्रवर्ती	1-1-1966
38.	डा० एस० पी० विश्वास	1-1-1966

क्रमांक	नाम	स्थायीकरण- तारीख	कम्पनी कार्य विभाग
1	2	3	कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
39.	डा० आर० एन० ठक्कर	1-1-1966	कम्पनी अधिनियम, 1956 और उक्त कन्टेनर्स एण्ड ट्रैडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
40.	डा० जी० एल० जायसवाल	1-1-1966	कटक, दिनांक 11 दिसंबर, 1975
41.	डा० के० एल० बी० साहा	1-1-1966	
42.	डा० जी० एच० भाटिया	1-1-1966	सं० ए० 555/75-2589(2) — कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त कन्टेनर्स एण्ड ट्रैडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई।
43.	डा० एम० के० गुत्ता	1-1-1966	
44.	डा० (श्रीमती) आई० सेठी	1-1-1966	
45.	डा० एस० एम० चतुर्वेदी	1-1-1966	
46.	डा० डी० आर० बापट	1-1-1966	
47.	डा० बी० एन० खानापुरका	1-1-1966	
48.	डा० आर० डी० भडारी	1-1-1966	
49.	डा० (श्रीमती) एस० भडारी	1-1-1966	
50.	डा० डी० डी० अरोड़ा	1-1-1966	
51.	डा० जे० जे० केलकर	1-1-1966	
52.	डा० एस० डी० वीथित	1-1-1966	
53.	डा० जी० डी० हुका	1-1-1966	
54.	डा० के० दी० मिह	1-1-1966	
	ब० द० मेहरा		
	महाप्रबंधक		
			एस० एन० गुहा कम्पनियों के रजिस्ट्रार, उड़ीसा

प्र० आई० टी० एम० एस० —

(1) रुपी कनस्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) प्रकाश खन्ना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियों करता है।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निवेश सं० टि० आर-७/सि० ९/कल-I/75-७६—अतः मुझे,  
एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 75 सि० (यूनिट नं० 9ई) है तथा जो पार्क  
स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से अण्ठत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेंट  
प्लेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 9-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

75C, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित, यूनिट नं० 9ई,  
न तब्बा

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रेज-I, 54, रक्षी अहमद किंदवर्ड  
रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

तारीख : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्र० अर्द्ध आई० दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निवेश स० टि० आर.-10/सि-10/कल-I/75-76—यत्  
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी स० 75सी (यूनिट नं० 5 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट में  
स्थित है (और इससे उतावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेट ब्लेस नार्थ कल०  
मौ, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 9-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रुपी कनस्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

(2) मन्जु पुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तभील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमिसेज नं० 75सी, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित  
यूनिट नं० 5बी

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेज-I, 54, रफी अहमद किल्डर्वे रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 27 दिसम्बर, 1975

मोहर:

प्रह्लाद श्रीदूर्गा मंजुरी प्रमाण—

(1) स्त्री कर्मस्त्रियन का—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) सिध्धराज भंडारी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय संहाइयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ठि० आर० ११/सि-११/कल-१/७५-७६— अत्  
मुझे एस० के० चक्रबर्तीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 75सी (यूनिट नं० 5ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से दर्शायी गई है), रेजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ५, गवर्नरमे  
लेस नार्थ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक ९ भैंग 1975 कीपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकूर्ट विलेखी के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरेण से हुई किसी आय की बोबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए।प्रति : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक विवाद नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्या-  
परिवाष्ट हैं, वही अर्थ होता, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूम्बी

प्रिमिसेज न० 75सी पार्क स्ट्रीट में अवस्थित पांच तल्ला में  
यूनिट न० 5ए।एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

## प्रख्यात आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निवेश सं० टि० आर०-12/ सि०-12/कल०-I/ 74-75—अतः  
मुझ एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की स० 7 हृ तथा जो किरण सकर राय रोड स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेट प्लेस नगर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 8 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपबारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सीमा भिव

(अन्तरक)

(2) मनुराणी माहा

(प्रभाव)

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री सन्तोष कुमार दत्त (2) विश्वनाथ व संकर  
मुर्खी (3) वेवेटा (4) बलदेव सिंह गावाल, (5) बद्री  
सिंह (6) सीता राम कातगेवाणी (7) ओम प्रकाश  
गुप्त (8) डी० एम० सिंह (9) मुसाफिर सिंह  
(10) पि० के० दत्त (11) आई० एन० दास  
(12) के० जी० बनर्जी (13) गोता दे (14)  
मुखर्जी एण्ड को०, (15) कर सेन एण्ड को० (16)  
होप जानस्टोन व सन्स (17) सीता सिंह (18)  
भगवान दास (19) श्याम लाल (20) अर्जुन नायक  
(21) डी० एन० सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

7 न० किरण सकर रोड कल-1 में अवस्थित 2 कट्टा 15 छटाक  
3 बग फीट जमीन पर तिन तल्ला भकान

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीशहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक 27 दिसम्बर 1975  
मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि० आर०-18/सि-25/कल/75-76—अतः  
मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है और जिस की नं० 11/6 है तथा जो क्रीटोफार रोड कल० स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेट लेस नया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 मई 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

3—416GI/75

1. (1) श्री विजय कृष्ण प्रामानिक

(2) लोकेश रन्जन प्रामानिक

(अन्तरक)

2. दी इन्डो ब्रिटिश स्प्रिंग मैनुफैक्चरिंग कं.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11/6, क्रीटोफार रोड कलकत्ता 6 में अवस्थित लगभग 6 कट्टा 6 छटाक 9 बर्ग फिट जमीन पर ईंट का मकान और एसबस्टोस का धर।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता-16

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रूप श्राई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० राज० सहा० आयु० अर्जन/307/—यत मुझे  
सी० एम० जैन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है अधिक है और जिस की म० प्लाट न० 68 है तथा जो बीकानेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) निस्ट्री-कर्ता अधिकारी के धार्यालय बीकानेर में, रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धनश्यामदास पुत्र श्री मूलचन्द अग्रवाल, निवासी ढहो का मोहल्ला, बीकानेर

(अन्तरक)

(2) श्री छगनलाल पुत्र श्री मूलचन्द, निवासी नाहटो का मोहल्ला, बीकानेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वर्णीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 68 इन्डम्ट्रीयल एस्ट्रिया, गानी बाजार, बीकानेर पर स्थित मकान, जो ओर अधिक रूप से उप पञ्चिक, बीकानेर द्वारा 29-7-1975 को क्रम संख्या 1285 बुक न० 1 वाल्यूम न० 291 पृष्ठ 27 से 32 पर पंजीबद्ध दस्तावज में विवरणित है।

री० एम० जैन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/१/एस० मार०-III/मई०-1  
(33)/758/75-76—यतः, मुझे चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की स० एस०-475 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सुविधा के लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चन्द्रकान्ता भूषण, पत्नी श्री रामा कान्त भूषण तथा श्रीमती भागवतीदेवी भोगरा, सभी निवासी 41-5/4 निह मभा रोड, दिल्ली-7  
(अन्तरक)

(2) श्री अमरीत लाल कपूर, सुपुत्र श्री विहारी लाल कपूर, एक 5 ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-16  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट जिमका क्षेत्रफल 557 वर्ग गज है और नं० 475, ब्लाक नं० 'एस' है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, बाहपुर गाव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड  
पश्चिम—विस लेन  
उत्तर—प्लाट नं० एस-473  
दक्षिण—प्लाट नं० एस-477

चं० वि० गुप्त  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज—१, दिल्ली, नई दिल्ली-१

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।  
नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/747  
(19)/75-76—यतः, मूझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एल-18 है, जो कैलाश कालीनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विशंक 5-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शावु प्रेम चन्द भागवानी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री प्रेम चन्द भागवानी, इनके जनरल एटारनी निहात चन्द हंसरन भागवानी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हंसरन तेलारामा भागवानी के द्वारा 3, सीलवर सोसाईटी, प्लाट नं० 23, नार्थ साउथ रोड नं० 10, जुहू स्कॉम, वर्म्बई 5400058 (अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा जोहरी, पत्नी कैप्टन सी० एम० जोहरी, 1659, मोहन मैनसन, काशमीरी गेट, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

(3) श्री श्रीचन्द रायसिंगानी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल जिसमें तीन कमरे हैं और रसोई, स्नानघर, पक्काना है और आगे तथा पीछे बारान्दा जिम का कुल क्षेत्रफल 695.5 वर्ग फुट है जिसके साथ में सीढ़ियां हैं क्षेत्रफल 114.41 वर्ग फुट है तथा दूसरी मंजिल पर बरसाती है जिसमें एक कमरा, एक स्टोर, रसोई, स्नानघर तथा पक्काना है जोकि प्लाट पर जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा नं० एल-18, कैलाश कालीनी, नई दिल्ली में दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—अन्य भूमि

उत्तर—प्लाट नं० एल-17

दक्षिण—प्लाट नं० एल-19

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ शाही रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस आर-III/मार्च-1/  
738(1)/75-76—यत्, मूँझे, च० वि० गुप्ते,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है  
और जिसकी म० एन-5 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावड़ प्रतुमूली में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 मई  
1975

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जगदीश चन्द्र आनन्द, सुपुत्र श्री शिव दयाल आनन्द,  
मकान नं० बी-74, कालकाजी, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिह, सुपुत्र श्री अजीत सिह जोहर,  
सी-139, डिफेस कालानी, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
परिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट की भूमि का क्षेत्रफल 309 वर्ग गज है और न० 5,  
द्लाय न० 'एन' है तथा जोकि निवासी कालानी ग्रेटर कैलाश-1  
याकुतपुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम के  
क्षेत्र में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—प्लाट न० एन-7  
पश्चिम—प्लाट न० एन-3  
उत्तर—रोड  
दक्षिण—सर्विस रोड

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस आर-III/मई-11/  
770 (1)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० वी-79 है, जो डिफेन्स कलौनी, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्वप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 17-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० बास गुप्ता, सुपुत्र श्री पी० सी० गुप्ता, 45,  
टूफ ब्लू, कलकत्ता  
(अन्तरक)

(2) 1. डा० स्वर्णसिंह पाल, सुपुत्र श्रीएस०गुरदियालसिंह  
2. श्रीमती सावीत्री देवी, पत्नी डा० स्वर्ण पाल  
निवासी 66, जोर बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीजहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है  
और नं० वी-79 है तथा जोकि डिफेन्स कलौनी, नई दिल्ली-24 में  
वह सभी अधिकारों, मूनाफों, रास्तों सहित स्थित है।

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज—1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(ष) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1  
4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/700  
ए/75-76—यतः, मझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 2-प्लैट (1 तथा 4) जोकि निम्न तथा प्रथम मंजिल पर प्लाट नं० 11 तथा 12 पर, ब्लाक नं० 48, सरदार पटेल रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ह लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० मालचा प्रापरटीस लि०, 19, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1

(अन्तरक)

(2) मैं० नेशनल एण्ड ग्राइन्डलेस बैंक लि०, जोकि ग्राइन्डलेस बैंक के नाम से जाना जाता है, 19, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

(3) मैं० नेशनल एण्ड ग्राइन्डलेस बैंक लि०, जोकि ग्राइन्डलेस बैंक के नाम से जाना जाता है, 19, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो फ्लैट्स (1 तथा 4) जोकि पहली और चौथी मंजिल पर, प्लाट नं० 11 और 12 ब्लाक न० 48 हैं और जोकि सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली में है तथा जिसमें आधी नीचे की सीमा भी है, और जिसको दीवारें तथा गैरेज मध्ये सेल डील के अनुसार है तथा जोकि 30-12-74 को लिखी गई थी मैं० मालचा प्रापरटीस लि० कलकत्ता तथा मैं० नेशनल एण्ड ग्राइन्डलेस बैंक लि०, कलकत्ता के बीच है।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-12-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-III/706-ए/  
75-76—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक फ्लैट नं० 2 निचली मंजिल में जिसका प्लाट नं० 11, और 12, ब्लाक नं० 48 है, जो सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० भालचा प्राप्टर्जि लि०, 19, नेताजी सुभाष मार्ग, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) मै० गिलैन्डर्स आरबुटनाट कं० लि० गिलैन्डर हाउस, नेताजी सुभाष मार्ग, कलकत्ता

(अन्तरिती)

(3) मै० गिलैन्डर्स आरबुटनाट कं० लि०, गिलैन्डर हाउस, सुभाष मार्ग, कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 11 और 12, सरदार पटेल मार्ग (ब्लाक नं० 48) पर वनी हुई बिल्डिंग में निचली मंजिल पर का एक फ्लैट, जिसका संख्या 2 है, एक गैरज और चार आउटहाउस के साथ और जिसका पूरा व्यापार दिनांक 30 दिसम्बर 1974 में जो सैल-डीड, मालचा प्राप्टर्जि और गिलैन्डर्स आरबुटनाट कं० लि० के बीच में हुआ था उसकी दूसरी अनुसूची में दिया गया है।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस आर 3/692ए  
(1953)/75-76—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 जो कि पहली मंजिल प्लाट नं० 11,  
12, ब्लाक नं० 48 है, जो सरदार पटेल रोड, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 मई  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपचारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

4—416GI/75

(1) मै० मात्रला प्रोपर्टीज लि० 19 मेताजी समाव मार्ग  
कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) मै० आई० सी० आई० (हंडिया) प्रा० लि० 34  
चौरंगी रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

(3) मै० आई० सी० आई० हंडिया प्रा० लि० 34, चौराई  
रोड, कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 3 जो कि पहली मंजिल प्लाट नं० 11 और 12,  
ब्लाक नं० 48 सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली में है जिसमें आधी  
नीचे की सीमा भी है और जिसकी बीवारे तथा गैरेज सभी सेल  
डील के अनुसार है जो कि 30 दिसम्बर 1974 को लिखी गई थी  
मै० मात्रला प्रोपर्टीज लि० तथा मै० आई० सी० आई० लि० के  
बीच ।

चं० वि० गुप्ते  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-12-75

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 216/75-76—यतः, मुझे, के० ए० स०  
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-7-553 बेगमबाजार है, जो हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 30 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दोषित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अत. अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपष्ठारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जमीलुनीसा बेगम पती मेजर महमद असीम  
मीर्जा 8-2-401/1 रोड मं० ५ बसजाराहील, हैदराबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री नारायनलाल यादव पिता मूनालाल यादव  
15-7-553 बेगम बाजार हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति-मालगी नं० 15-7-553 नीचे का तला बेगम बाजार,  
हैदराबाद

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निवेश सं० 271/ए० सी० क्य० 23-612/7-4/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मितल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 623/2 कुल माप 9801 वर्ग फुट है, तथा जो स्टेशन रोड, गिरिराज थियेटर के पास, नवसारी में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात् :—

(1) श्री छोटु भाई नारनजी पटेल सुधा ठाकोर भाई ललुभाई पटेल दोना गिरिराज एक्स्ट्रीहीबीटर्स प्रा० लि० नवसारी के डायरेक्टर  
(अन्तरक)

(2) मे० गिरिराज एपार्टमेंट्स को० आप० हाउसिंग सोसायटी की ओर से उसके प्रमुख: जगूभाई डाह्या भाई पटेल सेकेटरी डाह्या भाई राम भाई पटेल गिरिराज थीयेटर के पीछे नवसारी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 623/2 कुल माप एकड़ 0.09 गुथा अर्थात् 9801 वर्ग फुट है तथा जो गिरिराज थीयेटर के पीछे नवसारी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के मई 1975 के रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 421 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मितल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर प्रौद्योगिक (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निवेश सं० 272/ए० सी० क्य० 23-613/6-1/75-76—  
अतः, मुझे पी० एन० मित्तल,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रें० सं० नं० 432/62 कुल माप 5500 वर्ग फुट  
है तथा जो बड़ौदा कसबा, सयाजी गंज, जेतलपुर रोड, विश्वास  
कालोनी के पीछे, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपानद अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 16 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को  
जिन्ह भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या बनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, किसामें सुविधा के लिए;

अतः ग्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुभन बैन बृंजलाल मेहता, बम्बई श्रीमती प्रभाषती  
दलपतलाल मेहता, बम्बई पावर आफ एटार्नी डा०  
आनंद लाल बापालाल कोठारी 2, सम्पत्तराव कालोनी,  
बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) डा० विजय चन्द्रकान्त वयास डा० दशर्णी विजय  
व्यास मार्फत श्री भास्करभाई पी० विन, 7 विजय  
सोसागढी, बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

खुली जमीन जो बड़ौदा कसबा, सयाजी गंज एरिया, जेतलपुर  
रोड विश्वास कालोनी बड़ौदा के पीछे है जिसका रें० सर्वे नं०  
532/62 और कुल माप 5500 वर्ग फुट हैं जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, बड़ौदा के मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3103  
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० ८न० एस०

(1) (1) अनिमा दास गुप्त

(2) माधुरी दास गुप्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निकेश सं० टि-अम०-२३/सि-२०/कल०-१/७५-७६—अतः मुझे,  
एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० 38 (साउदार्न पार्ट) है तथा जो श्रीक टो० कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप  
से अण्डित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 28 मई 1975 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपस्थारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री दिलीप दास गुप्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

38 श्रीक रो० (बर्तमान 37ए, महेन्द्र सरकल स्ट्रीट कल०)  
में अवस्थित आंशिक दो और तीन तल्ला मकान जो 3 कट्टा 5  
छंटाक 20 वर्ग फीट जमीन पर अवस्थित उसका 1/3 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, कलकत्ता-16

दिनांक : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) (i) अनिमा दास गुप्त  
(ii) माधुरी दास गुप्त

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) मायाराणी सेन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि० आर-22/सि-19/कल-I/75-76—अतः  
मूझे, एस० के० चक्रबर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38 (साउदर्न पार्ट) है तथा जो श्रीक रो, कल०  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्लेस  
नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 28 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त माल्डो और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

38 श्रीक रो, कलकत्ता में श्रवस्थित (वर्तमान 37ए महे-  
सरकार स्ट्रीट) 3 कट्टा 5 छटाक 28 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक  
दो और तीन तला मकान का 1/3 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-1,  
54, रफीशहमद किवाराई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रामप्यारी तेजापाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री निर्मल कुमार मुनमुनवाला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० फि-आर-19/सि-26/कल०-ज/75-76—अतः  
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो लिटल रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(3) मैसर्स एन० के० इनवेस्टमेंट

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित अन्तरिती के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5, नं० लिटल रासेल स्ट्रीट पर अवस्थित 15 कट्टा 3 छटाक 20 वर्ग फीट जमीन पर एक निवास का भकान

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एस०-----

(1) (i) अनिमा दासगुप्ता  
(ii) मधु दास गुप्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि-आर-21/सि-18/फल०I-/75-76—ग्रतः मुझे,  
एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38 (साउदाने पार्ट) है तथा जो श्रीक रो, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट ब्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) अन्मन दास गुप्त

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के प्रधाया 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

38 श्रीक रो (साउदाने पार्ट) वर्तमान 37 ए, महेन्द्र सरकार स्ट्रीट पर अवस्थित है 3 कट्टा 5 छटाक 28 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक दो और तीन तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ज्योति बिलिंगम,

गोपल प्रभु रोड, एरणाकुलम, कोच्चिन-II

कोच्चिन-II, तारीख 24 दिसंबर 1975

निदश स० 52/75/76—यतः मुझे ए० ए०, कृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो पालघाट पिला में पोर्टउट पंचायत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), निजस्टीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय ओट्टपालम् में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1 (i) श्री लोनप्पन, पाऊलोस के पुत्र, कोण्टाक्टर, तलिपत्त हाउस, डिरपालकुडा, मुकुन्दपुरम तालुका  
(ii) पोली, लोनप्पन के पुत्र, तलियत हाउस, शिरजाल कुडा, मुकुन्दपुरम तालुका, (iii) देवस्मी, पाऊलोस के पुत्र, कोण्टाक्टर, अलुबकल हाउस, इरजाल कुडा, मुकुन्दपुरम तालुका (iv) जोसफ देवस्मी के पुत्र, कोण्टाक्टर, अलुकल हाउस, शिरजाल

कुडा, मुकुन्दपुरम तालुका (v) जोसफ, औसेफ के पुत्र, कोण्टाक्टर, उरवत्त हाऊस, डिरपालकुडा मुकुन्दपुरम (vi) तोमस. वरियत के पुत्र, अन्तराउत हाऊस, कर्स्कटी, कोतकुलगरा, नोर्गत विलेज, आलवाय तालुका (vii) शेष्कुटी, श्री तोमस की पत्नी, पथनोउत हाऊस, कर्स्कटी, कोतकुलगरा नोर्गत विलेज, आलवाय तालुका (viii) ग्रोगिला, श्री पोल की पत्नी, कमामी हाऊस, डिरपालकुडा, मनवालहरोरी, मुकुन्दपुरम तालुका (ix) पाल, (x) आनरणी के पुत्र, पोरतूकारन हाउस, मनवाल-इबोरी विलेज, मुकुन्दपुरम तालुका (x) देवस्मीकुटी, आनरणी (x), के पुत्र, पोरतूकारन हाउस, मनवालदोरी विलेज, मुकुन्दपुरम तालुका (अन्तरको)

2 (i) श्री पी० के० राजन, प्रोप्रेटर, विड लक्ष्मी पिंकर पालम, ओट्टपालम।

(ii) श्रीमती शानत कुमारी श्रल्का पार्टनर, वि घोरनकर टैल बर्म, बोगूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में बोई भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोक्तरण** ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापक विवरित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पालघाट जिला, ओट्टपालम् तालुका के पोरक्ट पचायत में सर्वेक्षण स० 27अ/7, 27अ/8, 27अ/9, 29/12, 29/13, 27अ/11, 27अ/12, 27अ/6, 27अ/2, 27अ/3, 27अ/5, 28/3, 27अ/10, 27अ/4, 28/1, 28/2, 27बी/2, 34/2, 27बी/1, 27बी/3, 27/3, 27/7, 27बी/7, 27बी/5, 27/5, 27बी/9, 27/9 27बी/4, 27/4, 48बी/16, 48/16, 48बी/17, 48/17, 48बी/18 48/18, के अन्तर्गत मकानों में आयुक्त 11 एकड भूमि।

ग० ग० कुरुप

मन्त्रम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज एरणाकुलम

तारीख 24-12-1975

मोहर :]

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 दिसंबर 1975

सं० आर० ए० सी० 217/75-76—यतः मूँझे के० एम० वक्तव्य रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हरदे से अधिक है और जिसकी सं० 15-7-554

बेगम बाजार है, जो हैदराबाद मेस्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-५-७५ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जर्मीलूनीसा बेगम पती मेजर महमद असाम मीरजा एच० नं० ८-२-४०१/१ अनजाराहीलस रोडनं०-५ हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री शनकरलाल यादव पिला गुनालाल यादव, १५-७-५५४ बेगम बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

दिनांक : 27-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर  
60/61 एरंडवना, कर्बे रोड, पूना 411004  
दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

निदश सं० सी० ए०/मे० 75/हवेली-II (पूना) 259/75-76-  
यत० मुझे, एच० एस० श्रीलख  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० सर्वे क्र० 260/4, नया 1154-ए०, सदाशिव पेठ, पूना-30.  
है जो सदाशिव पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हवेली II (पूना) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 12-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 (1) श्री जगन्नाथ गोपाल रानडे  
(2) श्रीमति निर्मला जगन्नाथ रानडे  
(3) श्री प्रकाश जगन्नाथ रानडे  
(4) श्री प्रदीप जगन्नाथ रानडे  
नया 1154 सदाशिव पेठ, पेस्टेक के नजदीक, पूना  
30 (अन्तरक)
- 2 रानडे वाडा सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादित, वेम्बरमेन  
श्रीमति प्रतिभा राज सोमण नया 1154-ए० सदाशिव पेठ,  
पूना-30 (अन्तरिती)।

बिल्डिंग क्र० 1

- (1) श्री राजाराम महादेव शृष्टि  
(2) श्री नारायण सुब्रह्मण्य कानेटकर  
(3) सौ०, कौमुदी चंद्रकांत करंदीकर,  
(4) श्रीमति सुलभा रा० का०

- (5) श्री कृष्णाजी केरव पुराणिक  
(6) श्री कमलावाई महादेव गोगट,  
(7) श्री नारेश सदाशिव लिमये,  
(8) श्री नारायण गणपत बस्तीमने  
(9) सौ० प्रतिभा नारायण सोमण  
(10) सौ० नीतामदन उद्धाणुकर  
(11) श्री गजानन सुब्रह्मण्य कुमठेकर  
(12) सौ० हंदिराबाई रामचंद्र कट्टी

बिल्डिंग क्र० 2

- (13) श्री नारायण गोपाल पटवर्धन  
(14) श्री पदमाकर गंगाधर काले  
(15) श्री जगन्नाथ गोपाल रानडे  
(16) सौ० निर्मला शिवराम साने  
(17) सौ० वसुंधरा अनंत कुलकर्णी  
(18) डा० यशवंत भास्कर परांजये  
(19) श्री अमृतराव त्रिवेक जोशी  
(20) श्री माधव अनंत पेंडसे  
(21) श्री यशवंत महादेव डोले

सभी रहने वाले 1154-ए० सदाशिव पेठ, पूना-  
30, (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फी होल्ड जमीनका टुकड़ा—भेदभाव 602.94 वर्ग  
मीटर्स सिटी सर्वे० क्र० 260/4 नया 1154-ए० सदाशिव  
पेठ, पूना-30 और इसके ऊपर बांध हुआ दो, चार इमेलेकी  
इमारत [एम० श्री० एस० (बॉर्ज) हाईस्कूल, के सामने पूना],  
बांधी हुआ 1971 1972 और 1973 में

बिल्डिंग क्र० 1—बांधा हुआ प्लीथ एरीया प्रत्येक इमेले की  
2530 वर्ग फीट

बिल्डिंग क्र० 2—बांधी हुई प्लीथ एरीया प्रत्येक इमेले की  
1705 वर्ग फीट।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 973 में 1975 में सबरजि-  
स्ट्रूर, हवेली-II (पूना) के दफतर में लिखा है)।

एव० एस० श्रीलख

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना

दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० एच० टी०/४०/७५-७६—यतः मुझे विवेक  
प्रकाश भिनोचा,  
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० रिहाईशी प्लाट क्षेत्रफल 2 कनाल न० 5 के नया  
न० 2170 है तथा जो सैकटर 15-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (आँग  
दस से उपावद्ध अनुसूची में आँग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकृत प्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1975।  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, ग्रामकर  
प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपाय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदर्शन सिंह, पुत्र श्री जसवन्त सिंह, गाव वारिना  
खेड़ा, जिला फरीदकोट। (अन्तरक)
2. श्री जोगिंदर सिंह, पुत्र श्री नारायण सिंह, मकान  
न० 622, सैकटर 11-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहाईशी प्लाट क्षेत्रफल 2 कनाल न० ५-के नया न० 2170  
सैकटर '15-सी० चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेश न० 271 जून, 1975 का  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश भिनोचा  
महायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदण स० सं० ०१० एच० डी०/२२४/७५-७६—यतः मुझे,  
विवेक प्रकाश भिनोच्चा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी म० १/३ भाग मकान नं० 1125 है तथा जो सैक्टर  
२१-बी, चण्डीगढ़, मे स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक जुलाई, 1975 जो

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य रे  
उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
. और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुभरण  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः:—

1. श्री कृष्ण देव सिंह, पुत्र श्री रघुनाथ सिंह, मकान नं०  
1908, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
2. (i) श्री सत पाल सिंह, पुत्र श्री ज्ञान मिह, निवासी  
1220 सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़।  
(ii) श्री रनधीर सिंह, पुत्र श्री रघुनाथ सिंह, 1908  
सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख मे  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

1/3 भाग मकान नं० 1125, सैक्टर 21-बी चण्डीगढ़

विवेक प्रकाश भिनोच्चा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

दिनांक : 29 दिसम्बर, 1975  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायोक्ता अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदश स० सी० एच० टी०/331/75-76—यतः, मुझे,  
विवेक प्रकाश मिनोचा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी म० श्रृंस० सी० श्रृंफ० न० 3 है तथा जो सैकटर 27-डी  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूरी रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और प्रतिक्र (अन्तरिक) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय को बाबत, 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः श्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपाधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथित —

1. (i) श्री सरबजीत सिंह पुत्र श्री पर्णन सिंह
- (ii) श्री दर्शन सिंह, पुत्र श्री करतार सिंह
- (iii) श्री जसबीर सिंह, पुत्र श्री जगत् सिंह  
उनके मुख्तयार श्री बलराज सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह निवासी  
116 सैकटर 9-बी, चण्डीगढ़ द्वारा (अन्तरक)
2. श्री श्याम सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह निवासी मकान न० 6  
सैकटर 16-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कायेवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुभूति

ग्राम कम प्लाट न० 3, सैकटर 26-डी चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक 1 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टो० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ज० जी० आर०/१/७५-७६—प्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका भूमि क्षेत्रफल 100 कनाल 6 मरले (6/7 भाग 117 कनाल) है तथा जो गांव कीरी, तहसील जगरी में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह, पुत्र श्री हरनाम सिंह उरक घोना सिंह, गांव कीरी तहसील जगरी (अन्तरक)
2. (i) श्री इकबाल सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह, गांव तबतु पुरा, तहसील मोगा।
- (ii) श्रीमति करतार कौर पुत्री श्री अनोख सिंह, गांव सिधावां कलां
- (iii) श्री तरलोचन सिंह, पुत्र श्री इद्र सिंह, गांव सिधावां कलां, तहसील जगरी। (अन्तरिती)।

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 100 कनाल 6 मरले (6/7 भाग 117 कनाल)  
खाता नं. 54/73, तिकोन 4, किला, 9, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 22 तिकोन 3, किला 6, 15, 16, 25—  
तिकोन 5, किला 1, 2—तिकोन 6, किला 5, जमावन्दी 1970-71, गांव कीरी तहसील जगरी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 448 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरी के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी, 1976

मोहर :

## प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० जे० जी० आर०/6/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 38 कनाल 14-1/2 मरले भूमि तथा जो गालिव कला, तहसील जगरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपर्याप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्के भारीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री जोगिंदर सिंह, पुत्र श्री राम सिंह गांव गालिव कला, तहसील जगरी (अन्तरक)  
 2 (i) श्री सर्वन सिंह (ii) श्री दर्शन सिंह (iii) श्री चरन जीत सिंह } पुत्र श्री मुख्तयार सिंह निवासी गांव गालिव कला, तहसील जगरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविल में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसच्ची

भूमि क्षेत्रफल 38 बनाल 14-1/2 मरले जो कि गांव गालिव कला तहसील जगरी में स्थित है।

जमावंदी 1956-57  
 विकोन 18 किला 13, 18, 19, 22, 2 मिन=विकोन 109 किला 22/1, मिन और 23/2 मिन=खाता 48/61-46/58-471/610

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 711 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरी के कार्यालय में भिजा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं पी०टी०ए/627/75-76--अतः मुझे, विवेक प्रकाश  
मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स०कृष्ण भूमि ज्ञेयफल 56 कनाल 12 मरले हैं तथा जो गांव  
चरसन, तहसील पटिआला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पटिआला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया आना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थतः—

6-416 GI/75

1 (i) श्री धर्म मिह पुत्र श्री निहाल मिह  
(ii) श्रीमति प्रीतम कौर पत्नी श्री धर्म मिह निवासी  
गांव जहांगीर, तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2 (i) श्री अजीत सिंह } पुत्र श्री हजारा सिंह,  
(ii) श्री गुरदीप सिंह }  
(iii) श्री पर्वन मिह, पुत्र श्री धर्म मिह भगता बाला गंड  
अमृतसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बस्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 56 कनाल 12 मरले जो कि गांव चरसन तहसील  
पटिआला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं 1587 जून, 1975 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटिआला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० जे०जी०आर०/५७७/७५-७६—अतः मुझे विवेक  
प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले (1/2 भाग 124 कनाल 7 मरले) है तथा जो गांव चक्कर, तहसील जगरौ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरौ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्वर्तः:—

1. श्री दलबारा मिह पुत्र श्री खीवा सिह निवासी गांव चक्कर तहसील जगरौ (अन्तरक)
2. श्रीमति बचन कीर पत्नी श्री दलबारा सिह निवासी गांव चक्कर, तहसील जगरौ (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों कागता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले (1/2 भाग 124 कनाल 7 मरले) जो कि गांव चक्कर तहसील जगरौ में स्थित है।  
खातानं० ५३४/६००, ५३५/६०१, ५३६/६०२, १०९७/१२२९ १०९८/१२३०,

तिकोन नं० ४९, किला नं० १६/२, १७/२, २४/१, २४/२, २५,

तिकोन नं०, ४८ किला नं० २१-२२/१

तिकोन नं० ६७, किला नं० ४/१, ४/२, ४/५, ४/३, ४/४  
तिकोन नं० ६८, किला नं० १-२-९/१-१०/१, खसरा नं० ३६२-८५५,

तिकोन नं० १९९, किला नं० ४/२, ७, १४/२, १५, ५/२, ६,

तिकोन नं० २००, किला नं० १/२, १०, ११०, भूमि १/२, एम०, १/४ भाग भूमि २ एम०

खता नं० ५३७/६०३, खसरा नं० ९५५/१, (गैरमुमकिन मराह, जमाबन्दी साल 1973-74)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० १७९७ जून, 1975 को रजिस्ट्रीकूत अधिकारी जगरौ के कार्यालय में लखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी 1976

मोहर :

## प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निर्देश स० जे॒जीआर०/75-76—अत मुझे, विवेश प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले हैं तथा । गाव चक्कर, तहसील जगरौ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण हप से बर्णित है), रजिस्ट्रीरता प्राधिकारी के कार्यालय, जगरौ ने, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण में, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री दलबारा सिंह, पुत्र श्रीखोबा सिंह निवासी गाव चक्कर, तहसील जगरौ (अन्तरक)।

2 श्रीमति जसवन्त कौर पत्नी श्रीगुरदेव सिंह निवासी चक्कर, तहसील जगरौ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’ के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले (1/2 भाग 124 कनाल 7 मरले)

खाता न० 534/600, 535/602, 536/602, 1097/1229, 1098/1230

त्रिकोन न० 49, किला न० 16/2 17/2, 24/1, 24/2, 25।

त्रिकोन न० 48, किला न० 21, 22/1, त्रिकोन न० 67, किला न० 4/1, 4/2, 4/5, 4/3, 4/4, त्रिकोन न० 68, किला न० 1-2-9/1-10/1 खसरा न० 322-855, त्रिकोन न० 199, किला न० 4/2-7-14/2-15-5-6, त्रिकोन न० 200 किला न० 1/2-10-110,

भूमि 1/2 एम, 1/4 भाग भूमि 2 एम, खता न० 537/603 खसरा न० 955/1, जमाबन्दी साल 1973-74 गाव चक्कर, तहसील जगरौ

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1799, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, जगरौ के कार्यालय में लिखा है।)

**विवेक प्रकाश मिनोचा**  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 1 जनवरी, 1976  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० आर० के० टी०/205/75-76—अत. मुझे  
विवेक प्रकाश मिनोचा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें हसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका कृषि भूमि क्षेत्रफल 42 कनाल है तथा जो राय-  
कोट, जिला लुधियाना गे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रायकोट गे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16)  
के अधीन, तारीख जून, 1975 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शिवदेव सिंह, पुत्र श्री मरवारा सिंह निवासी  
रायकोट, तहसील जगरौ  
(अन्तरक)

(2) (i) श्री बलबन्त सिंह, (ii) श्री शमशेर सिंह, पुत्र  
श्री अर्जुन सिंह, निवासी बुरज हकीम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त  
अधिनियम’, के अध्याय 20-क म यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 42 कनाल 17 मर्गे जोवि रायकोट जिला लुधि-  
याना में स्थित है।

जमाबन्दी 1973-74

खाता नं० 2199/2360, 2197/1, 2360/1

खसरा नं० 239/7/2, 14, 16, 17, 25/2, 242/5/2,  
240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1, 241/1/1, 2/1,  
239/26

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 706 जून 1975 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रायकोट के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डोगढ़

चण्डोगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० आर० के० टी०/206/75-76—यत् मुझे विवेक  
प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० कृषि भूमि क्षेत्रफल 42 कनाल, 16 मरले हैं तथा  
जो रायकोट, जिला लृधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 ए 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवदेव सिंह, पुत्र श्री मरदारा सिंह, निवासी  
गायकोट, तहसील जगरी  
(अन्तरक)

(2) (i) श्री बलबन्त सिंह, (ii) श्री शमशेर सिंह,  
पुत्र श्री अर्जन सिंह, निवासी बुरज हकीम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रपूत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 42 कनाल 16 मरले, 1/2 भाग भूमि  
क्षेत्रफल 85 कनाल 12 मरले जोकि रायकोट जिला लृधियाना में  
स्थित है।

जमावन्दी 1973-74

खाता नं० 2197/2310, 2197/1 2360/1

खसरा नं० 239/7/2, 14, 15, 16, 17, 25/2

242, 5/2 240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1 241/1, 1,

2/1, 239/26

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 673 जून 1975 का  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रायकोट के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डोगढ़

दिनांक : 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निर्देश सं० एल० डो० एच/सी०/108/75-76-  
अत॑ मूले, विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी भूमि का खाली प्लाट नं० 47, तरफ हृसन रोड,  
टैगोर नगर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राम प्रशाद, पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी फगवाड़ा,  
द्वारा श्री जगन नाथ, पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी  
फगवाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्रीमति महिन्द्र कोर, पत्नी श्री मोहन सिंह, निवासी  
टैगोर नगर, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का खाली प्लाट नं० 47, तरफ हृसन रोड, टैगोर नगर,  
लुधियाना

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2305 जून, 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 1 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निवेश सं० एल० डी० एच०/सी०/109/75-76—अतः मुझे, विवेश प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), फी धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिलिंग नं० 366 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची गैं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्याप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं० रजीब इंडिया इण्डस्ट्रीज, 366, इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए', लुधियाना द्वारा श्री विनोद कुमार  
(अन्तरक)(2) मैं० संजीव बूलन मिल्ज, लुधियाना द्वारा श्री हीरा लाल गोयल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाया० 20-क में यथा॒ परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाया॒ में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिलिंग नं० 366, इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना  
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2338 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।विवेश प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपायारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

(1) श्री किंगपाल मिह, पुत्र श्री प्रीतम सिंह, जी० टी० रोड  
मिलर मंज, लुधियाना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/11८/75-76—अतः मृद्ग,  
विदेश प्रशासन मिनोचा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 12 विस्वा 2 विस्वासी  
अर्थात् 1815 वर्ग गज ठीलेवाल रेलवे लाईन के साथ साथ, लुधियाना  
में स्थित है 'और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जून, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित  
की गई है और मृद्ग यह विवास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अत ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) मै० इन्द्रा मोटरज, जी० टी० रोड, लुधियाना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, को उम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 विस्वा 2 विस्वासी अर्थात् 1815 वर्ग गज  
जोकि ठीलेवाल रेलवे लाईन के साथ साथ लगभग 100 फुट जी०  
टी० रोड से परे, लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख सं० 2738 जून 1975 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक : 1 जनवरी, 1976

मोहर

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० एच० डी०/223/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० फैक्टरी नं० 331 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारितः—  
7—416 GT/75

(1) श्री सुन्दर सिंह, पुत्र श्री प्रभ दयाल सिंह, 1158, सैकटर 18-सी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) (i) श्री नगिन्द्र सिंह सेहमी, (ii) श्री मोहिन्द्र सिंह सेहमी पुत्र श्री हरी सेहमी, निवासी गांव और डाकघर ताजपुर, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्याप्राहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी नं० 331, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 475 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/111/एम० आर० 111/  
मई/285/(17)/75-76—अतः, मुझे, एम० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 22, ब्लाक नं० 60 है, जो डब्ल्य० ई० ए०, करोल  
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राम इससे उपांचढ़ अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 16 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती संतोष राती, पत्नी हुकम चन्द तलबार, 59/20,  
पर्वत रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री के० रविन्द्रन, सुपुत्र श्री० सी० काशवन नायर,  
जे-570, कीर्ति नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र श्री० के० गोविंदा मैनन,  
मकान नं० 22, ब्लाक नं० 60, डब्ल्य० ई० ए०,  
करोल बाग, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्थापित किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के भे  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुम्जिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,  
ब्लाक नं० 60 और क्षेत्रफल 568.91 वर्ग गज है तथा जोकि  
डब्ल्य० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में लीजहोल्ड प्लाट पर  
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लाट नं० 21

पश्चिम—प्लाट नं० 23

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस लेन

एन० सी० पारीजा,  
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 26 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-III/  
मई०/284/(16)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 22, ब्लाक नं० 60 है, जो डब्लू० ई० ए०, करोल  
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 16 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन मिन्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती संतोष रानी, पत्नी हुक्म चन्द तरावार,  
मैनपुर, पवेत रोड, करोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० जी० जानकी नायर, पत्नी श्री सी०  
काशन नायर, जे-570, कीर्ति नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

(3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र थी के० गोविंदा मैनन,  
मकान नं० 22, ब्लाक नं० 60, डब्लू० ई० ए०,  
करोल बाग, नई दिल्ली ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,  
ब्लाक नं० 60 और क्षेत्रफल 568.91 वर्ग गज है तथा जोकि  
डब्लू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में लौजहॉल्ड प्लाट पर  
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—प्लाट नं० 21

पश्चिम—प्लाट नं० 23

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस लेन

एस० सी० पारीजा

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 26 दिसम्बर 1975  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/III/एस० आर०-III/  
मई/298/(14)/75-76—यतः, मृद्दे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से अधिक है  
और जिसकी सं० 22, ब्लाक नं० 60 है, जो डब्लू० ई० ए०, करोल  
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची भ पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, दिनांक 28 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यदि 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा:-

- (1) श्रीमती संतोष रानी, पत्नी श्री दुकम चन्द तसवार,  
59/20, पर्वत रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सी० जानकी मैनन, पत्नी श्री के० सी० मैनन,  
जे-70, कीर्ति नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)
- (3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र श्री के० गोविन्द मैनन,  
निवासी मकान नं० 22, ब्लाक नं० 60, डब्लू० ई०  
ए०, करोल बाग, नई दिल्ली  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:-—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त  
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही प्रथम होंगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,  
ब्लाक नं० 60, और क्षेत्रफल 568.91 वर्ग गज है तथा जोकि  
डब्लू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में सीज हॉल प्लाट पर  
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लाट नं० 21

पश्चिम—प्लाट नं० 23

उत्तर—रोड़

दक्षिण—सर्विस रोड़

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 26 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एम० एस०—

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ भली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/III/एस० आर०-III/  
मई०/297/(13)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 22, ब्लाक नं० 60, है, जो डब्लू० ई० ए०,  
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 28 मई, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उससे अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती संतोष रानी, पत्नी श्री हुकम चन्द तलबार,  
निवासी 59/20, पर्वत रोड, करोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० श्री० देवी; पत्नी श्री० के० जी० एस०  
मनन, 62109, गली नं० 1, ब्लाक नं० 1, देव नगर,  
करोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

(3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र श्री के० गोविन्दा मैनन,  
निवासी मकान नं० 22, ब्लाक नं० 60, डब्लू० ई०  
ए०, करोल बाग, नई दिल्ली  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

दुमंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,  
ब्लाक नं० 60, और क्षेत्रफल 568 91 वर्ग गज है तथा जोकि  
डब्लू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में लीजहोल्ड प्लाट पर  
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लाट नं० 21

पश्चिम—प्लाट नं० 23

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस लेन

एस० सी० पारीजा,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 26 दिसम्बर, 1975

मोहर:

प्रकाशित दी ० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोर्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज 2, दिल्ली-1,  
4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1000/1938/  
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० 1711 का भाग है, जो क्वीनस रोड, नाहर सादत खान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध घनसूची में पूर्वी दृष्टि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्सोन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रव्रेस 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभेंके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्वितीय प्रतिपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाजत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य अस्तित्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम-या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महावेष प्रसाद बागला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री० राय बहादुर सेठ कन्हयां लाल, निवासी 5-एच, न्यू रोड, अलीपुर, कलकत्ता (2) श्री श्री० कुला बागला (3) श्री श्री राम बागला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हनुमान प्रसाद, निवासी 2-शी, रोलेन्डसे रोड, कलकत्ता तथा 5-के, न्यू रोड, अलीपुर, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश .(2) श्री मुभाप चन्द्रा, (3) श्री० सत्यानन्दरायण गुप्ता, सुपुत्र श्री सुरज मल, सभी निवासी 1711, नाहर सादत खान, क्वीनस रोड, दिल्ली-5  
(अन्तरिती)

(3) पं० भोला नाथ (2) श्री भगवान (3) पं० वृज मोहन (4) रघुनाथ दास  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एकलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 1711, क्वीनस रोड, नाहर सादत खान, विल्सोन 10 कमरे तक्खाने में, नीचे और पहली मंजिल पर है, जिसका शेत्रफल 2380.50 एर्ग फुट है और जमीन का 7/72 अविभाजित हिस्सा दिल्ली में स्थित है।

पं० एन० एस० एस० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
कोर्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1  
दिनांक 27 दिसम्बर, 1975  
मोहर:

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/11/999/1941/75-

76—यत्, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद नं० 1711 का भाग है, जो क्वीनस रोड, नाहर सादत खान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में फस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाक्त उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; औद्योग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वारा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:-

(1) श्री महादेव प्रसाद बागला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राय बहादुर सेठ कन्हया खाल, निवासी 5-एच, न्यू रोड, अलीपुर, कलकत्ता (2) श्री श्री० कृष्ण बागला (3) श्री श्रीराम बागला सुपुत्र स्वर्गीय श्री हनुमान प्रसाद, निवासी 2-घरी, रोडेडडसे रोड, कलकत्ता तथा 5-के, न्यू रोड, अलीपुर, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्री० कृष्ण (2) श्री सातीश कुमार (3) श्री सरदार नारायण गुप्ता, सुपुत्र श्री सुरज मल, सभी निवासी 1711, नाहर सादत खान, क्वीनस रोड, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

(3) श्री अमीर बहादुर (2) कश्य पन्द (3) श्री बूल घन्द (4) श्री तरलेश चन्द

(वह व्यक्ति किसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों, वर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस लूकला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिस्सद विवाद अवधि व्यक्ति द्वारा, अखोहस्तात्त्वी के पात्र लिखित में लिख जा सकते ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, वे उल्लंघन अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्याप्तरिभवित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची :

मकान नं० 1711, क्वीनस रोड, महर जाहज खान, दिल्ली के 11 कस्टरें तहसील में, नीले और फहली घंटिल पार है, जिसका क्षेत्रफल 2300. 50 वर्ग फुट है और जमीन का 7/72 अविभाजित हिस्सा किलोमीटर में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1  
दिनांक 27 दिसम्बर, 1975  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यु/11/1891/(998)/  
75-76—यत., मुझे, एस० एन० एस० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-5 है, जो टंडन रोड, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, स्थान :—

- (1) श्री चिरंजीलाल, सुपुत्र श्री मूल चन्द, निवासी विलारेध गाँव, तहसील जाम्हर, जिला रोहतक (हरयाना) इनके जरनल एटारनी श्रीमती भूपीन्द्र कीर पत्नी श्री मनजीत सिंह, निवासी डी-5, टंडन रोड आदर्श नगर, दिल्ली-33 के द्वारा है।
- (2) श्री मनजीत सिंह तथा सतपाल सिंह, सुपुत्र श्री तरलोक सिंह, डी-5, टंडन रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-33। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड मकान का क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है और जोकि डी-5 टंडन रोड, आदर्श नगर, दिल्ली में बना है तथा जोकि निम्न प्रकार से स्थित है.—

पूर्व—प्लाट न० डी-7 पर मकान  
पश्चिम—प्लाट न० डी-3 पर मकान  
उत्तर—रास्ता 10 फुट  
दक्षिण—टंडन रोड

एस० एन० एस० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अप्रैल रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 27 दिसम्बर, 1975

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज III, दिल्ली-1,  
4/14-ए, आसफ शर्फी रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसंबर, 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-II/  
जुलाई०/973 (31)/75-76-यत, मुझे, एम० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० 19 बिसवा भूमि के प्लाट का न० 238, खसरा  
न० 238, है, जो नगली सरावती गाव, दिल्ली में स्थित है (ओर  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16  
जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—416GI/75

(1) श्री जगननाथ, सुपुत्र श्री साधुराम, निवासी डब्लू  
जैड-423, शिव नगर, नई दिल्ली तथा श्रीमती उत्तम  
देवी, पत्नी श्री राम चन्द्र, निवासी डब्लू जैड-434,  
शिव नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह, सुपुत्र डा० मेहताब सिंह, निवासी  
एफ-135, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली तथा श्री रवी  
शर्मा, सुपुत्र स्त्री एस० आर० शर्मा, निवासी 3, कोटला  
रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्लाटोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

19 बिसवा भूमि के प्लाट का न० 238 तथा खसरा न०  
238 है तथा जोकि 'लाल डोरा' नगली सरावती गाव को अबादी  
देह, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है - -

पूर्व - -अन्य जायदाद  
पश्चिम - -गली  
उत्तर - -अन्य प्लाट  
दक्षिण - -अन्य प्लाट

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज -III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 31 दिसंबर, 1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1,

4/14-ए, आमफ भली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

निदेश सं० आई० प० सी०/एस्य०/III/एस० आर०-II/  
जुलाई०/963(20)/75-76—यतः मुझे एस० सी० पारीज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
को धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि 8 बीगा तथा 15 बिसवा है, जो नंगली  
सकरावती गांव दिल्ली मे स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची  
मे पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 29 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थे प्रत्यक्ष नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लखमी चन्द्र सुपुत्र श्री सुभ राम, स्वयं तथा जरतल  
पावर आफ अटरनी श्री दया चन्द्र बलबीर रघुवीर,  
सुपुत्र श्री सुभ राम, तथा श्रीमती बारफू, पत्नी श्री  
अतर सिंह, सुपुत्री श्री सुभ राम, निवासी नंगली स्व-  
रावती गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यश रानी, पत्नी श्री जगन्न नाथ, तथा श्री  
जगन्न नाथ, सुपुत्र श्री साधु राम, सभी निवासी डलू  
जैड-423, शिव नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताधीरी के पास  
लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीगा तथा 15 बिसवा है और  
मुस्तातील नं 23, किला नं 2/1, (3-0), किला नं 9/2,  
(3-0), किला नं 12/1 (2-15) हे तथा जो कि नंगली सकरावती,  
दिल्ली राज्य, दिल्ली मे स्थित है ।

एस० सी० पारीजा  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ भली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-II/  
जन/904/(8)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
और जिसकी स० कृषि भूमि 13 बीगा 3 बिसवा है, जो नेगली  
सकरावती गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 20 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वायित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व  
में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, इषपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यवस्थों अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल सिंह कोहली, सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी  
20-बी/78, तिलक नगर, नई दिल्ली श्री शीश राम के  
जनरल एटारनी, सुपुत्र श्री रामजी लाल, नंगली  
सकरावती गांव दिल्ली (2) श्रीमती सरन कौर,  
पत्नी श्री गोपाल सिंह कोहली, निवासी 20-बी/78,  
तिलक नगर नई दिल्ली रामपत के जनरल एटारनी  
श्री रामजीलाल, नंगली सकरावती गांव, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रनजीत सिंह, सुपुत्र श्री गोपाल सिंह कोहली  
20-बी/78, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तासब्दी व्यवितयों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले  
में भवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
है, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

**अनुसूची**

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 बीगा तथा 7 बिसवा है रेक्ट  
न० 15, किला न० 13/1, 14/1, 8, 7/2, 17/2, तथा 27 है तथा  
जोकि खसरा न० 74 (-0-3 बिसवा) नंगली सकरावती गांव,  
दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है ।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय' सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 31 दिसम्बर, 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु/III/एस आर०-11/  
जुलाई० 964(21)/75-76—यत्, मुझे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० भूमि का 9 बीगा तथा 12 बिसवा है, जो नगली  
सकरावती गाव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
म पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनाक 29 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

यत्: यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लखमी चन्द, सुपुत्र श्री सुभ राम, स्थय तथा  
श्रीमती भारपुर के लिए जनरल पावर ग्राफ अटारनी,  
पत्नी श्री अतर सिंह, सुपुत्री श्री सुभ राम, सभी निवासी  
नगली सकरावती गाव, दिल्ली राज्य, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) यश रानी, पत्नी श्री जगननाथ तथा श्री जगन नाथ,  
सुपुत्र श्री साधु राम, सभी निवासी डब्लू जैड-423,  
शिव नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अर्बाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्खाकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
विद्या गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बीगा तथा 12 बिसवा है और  
मुस्तातिल न० 23, किलान० 1, (4-16), किलान० 10 (4-16)  
है तथा जोकि नगली सकरावती गाव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न  
प्रकार से स्थित है।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1  
दिनाक 31 दिसम्बर, 1975  
मोहर :

प्रस्तुप भाई० दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, 4/14-ए, आसफगढ़ी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर०-III/मई० 1(26)/75-76—यत्, मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बंगला नं० 13 है, जो ईस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० वी० पाई० पुत्र स्व० श्री गुना पाई०, निवासी 13 निजामुद्दीन पूर्व, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) पक्षम-एक्सल एंड स्प्रिंग (प्रा०) लि०, 8 डी एल० एफ० इन्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताद्वारा किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं० 13 (पूर्वी) निजामुद्दीन क्षेत्रफल 1120 वर्ग गज जो कि निजामुद्दीन में 2 मंजिली जायदाद तथा सर्वेन्ट्स क्वार्टर्स है जो कि सभी प्रकार से साजो सामान से सुसज्जित है।

उत्तर—प्लाट नं० 14

पूर्व—मड़र

दक्षिण—लैन

पश्चिम—लैन

सी० वी० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2 जनवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसंबर 1975

निदेश स० ए०सी०क्य०-23-I-624(247)/1-1/75-76—

यत मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० स्टिटी सर्वे न० 4524-ए०-3, सब प्लाट न० 2 तथा 9, सर्वे न० 4524, स० न० 2839-ए०, 2839-ए० 1, 2839-ए०-2, 2839-ए०-3 2839-ए०-4 है, जो शाहपुर वार्ड न० 2, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपांडठ अनुसूची में और पृष्ठ रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(३) अन्तरण में तुझे किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर के अन्तरक के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरे उचित में सुविधा के लिये, और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

असः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती जकरनीसा सुपुत्री श्री जलालुद्दीन संयद छत्ता धादरी, बताई सेटर के सामने, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) डा० नयन कुमार हरमनन्द शाह पाटीदार सो-साइटी, पचवटी, अहमदाबाद। (अन्तरिती)
- (3) (1) श्री लक्ष्मण दास ग्रंजनदास, (ii) डा० गंग० एन० एन० शाह, (iii) रफीकुर्रहा० शकरभाई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सप्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना फी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा यकें।

**स्पष्टीकरण** .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका सर्वे न० 4524/ए०/3, तथा सर्वे न० 4524 का सब प्लाट न० 2 तथा 9 है, म्य० सैन्स स न० 2839-ए०, 2839-ए०-1, 2839-ए०-2, 2839-ए०-3, 2839-ए०-4 है तथा जो 624.2 वर्ग गज भूमि पर, शाहपुर वार्ड न० 2, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन मई 1975 वाले दस्तावेज न० 5708 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-ज, अहमदाबाद।

तारीख 30-12-75  
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निवेश स० प०सी०क्य०-23-I-626 (248)/1-1/75-76—  
यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है और जिसकी स० सर्वे न० 283, है, जो घोडामर, अहमदाबाद मे० स्थित है (और इससे उवाच्छ अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1975 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पाद्य का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

ग्रतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारि :—

(1) (i) हरिबेन विधवा नारायणजी लल्लूजी, महाकाली मंदिर के पास, द्व्येश्वर, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(ii) श्री अमृत लाल नारायण जी, स्वयं तथा एच० य० एफ० के करता की हैसियत से :—पेशनपुरा, दरयाखान, घुम्मट के पास, अहमदाबाद।

(iii) प्रजीबेन विधवा अम्बालाल नारायणजी, पेशनपुरा दरयाखान घुम्मट के पास, अहमदाबाद।

(iv) श्री बाबू लाल अम्बालाल, अपने लिए तथा बालक दशरथ लाल अम्बालाल के अभिभावक के रूप से, पेशनपुरा दरयाखान घुम्मट के पास अहमदाबाद।

(v) श्री भिडाजी मधाजी, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) नवरचना को० आप० हाऊमिह सोसाएटी लि० डेमाई-निवास, जेठाभाई जी पोल, खाड़ीया, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे० परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल अधिकाल 2 एकड़, 21 गुन्डा है तथा जिसका सर्वे न० 283 है और जो घोडासर गांव, तालुका अहमदाबाद मे० स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन सर्व-रजिस्ट्रार अहमदाबाद के मई 1975 वाले दस्तावेज न० 5892 मे० दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 30-12-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसंबर 1975

निदेश सं० ए०सी०क्य०-२३-१-६३६(२४९)/१-१/७५-७६—  
यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० सर्वे न० 66, सब प्लाट न० 31 का आधा भाग, टी०पी०एस० न० 26, है, जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चंद्रमणि प्रभुदास, शारदा नगर के पास, वृन्दावन मोमायटी, बंगला न० 31, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला बेन सुरेश कुमार शाह, मारफत चिमन लाल जसराजभाई शाह, घाची नी पोल, माणेक चौक, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 460.93 वर्ग गज भूमि पर स्थित है उस का आधा भाग और जिसका सर्वे न० 66, सब प्लाट न० 31, बंगला न० 31, टी०पी०एस० न० 26, है और जो वासणा अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख . 30-12-75

मोहर :

प्र० र० प्र० आर्ह० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ए०सी०क्य०-23-I-637(250)/1-1/75-76—  
यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 66, सब प्लाट नं० 31, का आधा भाग, टी०पी०एस० नं० 26, है, जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 268-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
9—416GI/75

(1) श्रीमती चद्रभणि प्रभुदास, शारदा नगर के पास, वृन्दावन सोसायटी, बगला नं० 31, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार चिमनलाल शाह, मारफत:—  
चिमनलाल जसराजभाई शाह, धांची नी-पोल, माणेक छाँक,  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 460.9358 वर्ग गज भूमि पर स्थित है उसका आधा भाग, और जिसका सर्वे नं० 66, सब प्लाट नं० 31, बंगला नं० 31, टी०पी०एस० नं० 26 है और जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 30-12-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० ए०सी०श००-२३-ज-६२०(२५१)/१६-७/७५-  
७६—पतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ८ है, जो जबाहर को० आॅप० हाऊसिंग सोसायटी, उपलेटा मे॒ स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से बमिल है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा मे॒ भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-५-१९७५ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अक्षेत्र कर देने के अन्तरक के द्वारा किसी करने या उसमे॒ बचने मे॒ सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रान या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्षकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनाये अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे॒ सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे॒ मे॒, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपक्रमा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति:—

(1) श्री श्रीमती राजभाई भोजिवा, उपलेटा (अन्तरक)

(2) (i) श्रीमती चम्पाबेन मोहनलाल, (ii) श्री मगनलाल नाथाभाई पटेल, (iii) श्री रतीलाल नाथाभाई पटेल, (iv) श्री बलभाई नाथाभाई पटेल, बम्बई (अन्तरिती)

(3) श्री प्रताप मनसुखलाल शाह, (ii) श्री विपिण धीरजलाल मकवाणा, (iii) श्री एसमुखलाल एन० माणेक, (iv) श्री भारवत मनमुखलाल शाह, (v) श्री केशलाल धनजीभाई सोनी, (vi) श्री नुरसी रामा बासण, (vii) श्री बृजलाल जगाभाई पावाणी, (viii) श्री बटुकभाई राऊजी सोजिवा, जबाहर को० आॅप० हाऊसिंग सोसायटी लि०, उपलेटा। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे॒ सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध मे॒ कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन भी तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षांबंधी व्यक्तियों पुर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्राद मे॒ समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन भी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हित-बदू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे॒ परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 719.7 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका लाट नं० ८ है तथा जो जबाहर को० आॅप० हाऊसिंग सोसायटी, उपलेटा, डिस्ट्रीक्ट राजकोट मे॒ स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 1-1-76

मोहर:

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० ए०सी०र्क्यू 23-I-623 (252)/1-1/75-76—

यतः मुझे, जे० कथूरिया,,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 1166/1 तथा 1169, हैं जो नरोड़ा, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हे सहायी आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम,' या घमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की' उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शशीकांत सोमनाथ व्यास, पावर आफ अटारनी होल्डर श्रीमती जादवबेन विधवा सोमनाथ करुणाशंकर नरोड़ा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) दिव्य किरण को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लि० महण सा मिल, मुन्शी कम्पाउण्ड, नरोड़ा रोड, नरोड़ा, अहमदाबाद की ओर में :—

(i) चेयरमैन—श्री अब्दजीभाई रामजीभाई पटेल, मोहन नगर सोसायटी, नरोड़ा, अहमदाबाद।

(ii) सेक्रेटरी—श्री विठ्ठलभाई रामजी भाई पटेल, मोहन नगर सोसायटी, नरोड़ा, अहमदाबाद।

(iii) मैन्यर—श्री धनजीभाई रामजीभाई पटेल, नरोड़ा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका सर्वे न० 1166/1 तथा 1169 है तथा जो नरोड़ा, अहमदाबाद में स्थित है, तथा निम्नलिखित विक्री दस्तावेज के अनुसार विक्री किया गया है :—

न०	विक्री दस्ता- वेज न०	रजिस्ट्रीकरण की तारीख	विक्री कीमत	कुल क्षत्रफल
1.	6644	27-5-75	48,800	4664 वर्ग गज
2.	6645	27-5-75	48,800	4663 वर्ग गज

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 1-1-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निवेश सं० ए०सी०ए०२३-१-७२२(२५३)/१-१/७५-७६—

पतः मुझे, ज० कथूरिया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ०पी० नं० 578, सब प्लाट न 2, टी०पी०  
एस०-३, है, जो मादलपुर उर्फ छद्वावाड़, एलिसब्रिज, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तराधिकारी की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (i) श्री कान्तीलाल कन्हैयालाल, स्वयं तथा  
कान्तीलाल कन्हैयालाल एच०य०एफ० के कर्ता की है सियत से:—

"कान्तम" सी०जी० रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(ii) लवकुमार कान्तीलाल, के अभिभावक के रूप में  
श्री कान्तीलाल कन्हैयालाल, "कान्तम" सी० जी०  
रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(iii) श्री पद्माकान्त कन्हैयालाल, स्वयं तथा पद्माकान्त  
कन्हैयालाल, एच०य०एफ० के कर्ता की है सियत  
से:—

सिल्वर आर्क, घोथी मंजिल, डा० जगमोहनदास,  
रोड, बांबई।

(iv) श्री महेन्द्र लाल कन्हैयालाल, स्वयं तथा महेन्द्र-  
लाल एच०य०एफ० के कर्ता की है सियत से:—  
"मैनक" सी० जी० रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(v) राजीव महेन्द्रलाल, "मैनक" सी० जी० रोड,  
एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(vi) संजीव महेन्द्रलाल, के अभिभावक के रूप में:—  
श्री महेन्द्र लाल कन्हैयालाल, "मैनक" सी० जी०  
रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(vii) श्री विहारीलाल कन्हैयालाल, स्वयं तथा विहारी-  
लाल कन्हैयालाल एच०य०एफ० के कर्ता की  
है सियत से:—  
"मैनक" पौली-टैकनीक के पास, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

(2) ओरिएंट कलब, कल्याण सोसायटी, एलिसब्रिज  
अहमदाबाद की ओर से:—

(i) प्रधान:—श्री हरिप्रसाद वाडीलाल वसा, 18,  
वसुन्धरा सोसायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(ii) उप-प्रधान:—श्री गिरिराज नवीनचन्द्र डेसाई,  
स्वास्तिक सोसायटी, मवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(iii) सैक्रेटरी:—श्री भक्तिप्रसाद, ताराचन्द नागोरी,  
2, विजय पार्क, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(iv) मैम्बर:—श्री नरेन्द्र भाई लालभाई शेठ, कल्याण  
सोसायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया मुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "कन्हैयालाल मोतीलाल बंगला"  
के नाम से प्रसिद्ध है तथा जो 4498 वर्ग गज भूमि पर  
स्थित है तथा जिसका एफ०पी० नं० 578, सब प्लाट नं०  
2 है तथा जो मादलपुर उर्फ छद्वावाड़, एलिसब्रिज, अहमदाबाद  
में स्थित है।

ज० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 1-1-1976

मोहर:

## प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश स० ए०सी०क्य०-23-I-723(254)/1-1/75-76  
—यत्, मुझे जै० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सर्वे स० 96-2, टी०पी०एस० 20, एफ०  
पी० न० 234, नया सब प्लाट न० 5, हैं, जो एच० एल०  
कामर्स कालेज के पीछे, नवरगपुरा, अहमदाबाद में स्थित  
हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 27-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री चिमनलाल हंसजीभाई पटेल, (ii)  
श्रीमती सविताबेन चिमनलाल पटेल, (iii) श्री महेन्द्र भाई  
चिमनलाल पटेल, (iv) श्री जयेन्द्र चिमनलाल पटेल, के  
अधिभावक के रूप में:—श्री चिमनलाल हंसजीभाई पटेल,  
एच०एल० कामर्स कालेज के पीछे, बैंक आफ बड़ीदा के पास,  
नवरगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) (1) डा० रमेश चन्द्रलाल शाह, (ii) श्रीमती  
पूर्णिम रमेश शाह "ग्रोजस" लिबर्टी होटल के पीछे, एच०एल०  
कामर्स कालेज के पास, नवरगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल  
455 वर्ग गज है तथा जिसका कोचरख सर्वे न० 96-2, टी०  
पी०एस० 20, एफ०पी० नठ० 234 तथा नया सब प्लाट  
5 है तथा जो एच० एल० कामर्स कालेज के पीछे अहमदाबाद  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बिक्री वस्तावेज में  
दिया गया है।

ओ० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख . 1-1-1976

मादूर

## प्र० रूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसंबर 1975

निदेश सं० 273/ए०सी०क्य०-23-434/19-8/74-75—  
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० स० नं० 468/3 पैकी खली जमीन है, तथा जो अद्वाजन गंव, त० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलबन्तराय मण्डलाल स्वयं तथा सुषमा बलबन्तराय तथा बाबिंक बलबन्तराय (दोनों संगीर) के बाली की हैसियत में (2) श्रीमती मणिक्रेन बलबन्तराय अदाजन त० चौरासी, जि० सूरत। (अन्तरक)

(2) गोतानगर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से : (1) नरसिंहभाई मंदुभाई पटेल, (2) बनमाली भाई हरिभाई पटेल, (3) इश्वरभाई जैरामभाई पटेल, मास्टर कालोनी, रान्डेर रोड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रपुष्ट शब्दों और वर्णों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 468/3 कुल माप 30 गुंथा अर्थात् 3630 वर्ग गज है तथा जो अद्वाजन तह० चौरासी जिला : सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 983 और 984 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-1975

मोद्रर :

प्रस्तुत आईटी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 274/ए०सी०क्य०-23-434/19-8/74-75—  
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269ब के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसको स० नं० 468/2 पैकी खुली जमीन है, तथा  
जो अदाजन गांव, ता० चौरासी, जिला० सूरत में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-6-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कषित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी बारने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /ग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, किसी भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आविहए था छिपामे में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपचारा (1) के  
अन्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मवीताबेन, जैकिमनदाम इच्छाराम की सुपुत्री  
अदाजन, ता० चौरासी, जि० सूरत। (अन्तरक)

(2) गीता नगर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लि० की ओर से :—  
नरसिंहभाई मंठुभाई पटेल,  
वनमालीभाई हरीभाई पटेल,  
इश्वरभाई जैरामभाई पटेल, मास्टर कालोनी, रान्देर  
रोड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिविध बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में  
परिभ्राषित हैं, अद्य अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका स० नं० 468/2 पैकी 0-13  
गुथा अर्थात् 1573 वर्ग गज है तथा जो अदाजन गांव,  
ता० चौरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सूरत के जून, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
982 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 30-12-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निवेदण सं० 275/ए०सी०क्ष०-23-614/19-7/75-76—  
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बार्ड सं० 7 नोंध नं० 279 प्लाट नं० 20/5 है, तथा जो उनापानी रोड, लाल दरवाजा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाह्याभाई बेचरभाई पटेल तथा अन्य, वाव, त० कामरोज, जिला : सूरत (अन्तरक)

(2) (1) श्री वसन्तराय डाह्याभाई पटेल, (2) चंपकलाल डाह्याभाई पटेल, (3) हसुमनिवेन वसन्तराय स्वयं तथा सगीर भरत कुमार वसन्तराय के बाली की हैसियत में (4) कम्बेन चम्पकलाल, वाव, त० कामरोज, जि० सूरत। (अन्तरिती)

(3) अमृतसर ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्रा०लि० की ओर से उसके चेयरमैन : कुण मोहन बिजला, उनापानी रोड, सूरत। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

उक्त सम्पत्ति जो कि 115.39 वर्ग मीटर जमीन, उस पर बने हुए गोडाउन सहित है और जिसका नोंध नं० 279 प्लाट नं० 20/5 बार्ड नं० 7 है तथा जो उनापानी रोड, लाल दरवाजा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1174 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद-१

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० 276/ए०सी०ब्य० 23-615/13-1/75-76—  
यतः मैत्री पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 395 मव प्लाट नं० एच है, तथा जो साझे कम्पाउण्ड, करमसद रेलवे क्रांसिंग के पाम न० आनंद, जि० खेडा में स्थित है (और उससे उपावड अनुसूची में और पृष्ठ रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की आवत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुख्या के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भ्रत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या भ्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रहण: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—416 GI/75

(1) प्रिसीपल आफिसर, साझे प्रा० लि०, वल्लभविद्यानगर, त० आनंद, जिला खेडा। (अन्तरक)

(2) छीमबेन सी० अमीन, भागीदार: फ्लॉट इंजीनियरिंग कंपनी वल्लभविद्यानगर, त० आनंद, जि० मूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे तितब्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति का वह समस्त भाग जो विठ्ठल उद्योग नगर, सबडिस्ट्रिक्ट आनंद, जिला खेडा में स्थित है तथा जिसका सब प्लाट नं० एच, कुल माप 18349 65 वर्ग मीटर है और जो करमसद सीम मे सर्वे नं० 395 पर स्थित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद-1

तारीख: 2-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

1. श्री व्रज नारायण पाण्डे (अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री चन्द्र भूषण शर्मा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 20-सी०/अर्जन—यतः मुझे, विशम्भर नाथ, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम-ममरौला जि० नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्डानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्राप्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिये) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्तान्त्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

कृषि भूमि जिसका खेतफल चौबीस बीघा दो बिस्ता है। जो ग्राम ममरौला तहसील हल्डानी जिला नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 27-12-1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बृंज नारायण पाण्डे (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० 22-डी०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम ममरौला जिला नैनीताल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हल्दानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री दलीप सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 वीघा 13 विस्वा है। जो ग्राम ममरौला तहसील हल्दानी में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-12-1975  
मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री राम देव व अन्य (अन्तरक)

2. श्री विश्व नाथ प्रसाद व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 24-वी०/अर्जन—अतः मृझे, बिश्वम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो मो० दुर्गा देवी जिला मिरजापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मीरजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमत्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो मुहल्ला दुर्गा देवी जिला मिरजापुर में स्थित है।

बिश्वम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

तारीख: 30-12-1975

मोहर:

प्रलूप आई० डी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निवेश स० 27-जी०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी स० डी० 59/142 है तथा जो शिवपुरवा वाराणसी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
14-6-1975  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि पथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय अयि-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्याति :—

1. श्री अरविन्द वासुदेव नाग व अन्य (अन्तरक)

2. श्री गिरजा देवी मारधा (अन्तरिती)  
की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता शुरू है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाफ्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताभरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० डी०-59/142 जो शिव पुरवा जिला  
वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर ना  
मक्षम अधिकार  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-12-1975  
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निकेश सं० 27-जी०/अर्जन—अतः मुझे, विश्वम्भर नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपौ से अधिक है।

और जिसकी सं० सी०-13/9 है तथा जो श्रीरंगाबाद, जिला  
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 7-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
षट्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा  
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भवानी प्रसाद चटर्जी व अन्य (अन्तरक)
2. श्री गौरी शंकर प्रसाद चौरसिया व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी गुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रपुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान मध्य भूमि के जिसका नं० सी-  
13/9 है जो कि श्रीरंगाबाद जिला वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 27-12-1975  
मोहर:

प्रस्तुप० आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 31-जे०/अर्जन—अतः मुझे, विश्वास नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सिविल लाइन जिला मुरादाबाद  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री सुरेण चन्द्र सब्बरवाल व श्रन्व (अन्तरक)

2. श्री जमुना प्रसाद कौणिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता शुरू हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो सिविल लाइन जिला मुरादाबाद में  
स्थित है।

विश्वास नाथ  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 28-12-1975

मोहर:

प्रलेप ग्राइंडी० एन० पम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 46-के०/अर्जन—अनः मुझे, विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो सिविल लाइन जिला मुरादाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
18-6-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्व्व किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेश चन्द्र संब्रवाल व अन्य (अन्तरक)  
2. श्रीमती किशोरी देवी (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान जो सिविल लाइन जिला मुरादाबाद में स्थित  
है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 28-12-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निदेश नं० 56-बी/अर्जन यतः मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो बाजार गोपीगंज, बाराणसी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज्ञानगुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के  
अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

11—416 GI/75

1. श्री हनीफ अस्तर (अन्तरक)

2. श्री बलदेव प्रसाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधिकारी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो बाजार गोपीगंज जिला बाराणसी  
में स्थित है।

बिशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 27-12-1975  
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 80/अर्जन/देहरादून/75-76-2319—अतः मर्मे,  
विजय भार्गवा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख  
19-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथति :—

1. श्री मदन मोहन कुकरेती पुत्र श्री रोदन लाल कुकरेती,  
निवासी 5 रमेश्वर, देहरादून (अन्तरक)

2. श्रीमती धनपती धपर्मली कशमीरी लाल निवासी 23  
मालियान मोहल्ला, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क  
में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर सम्पत्ति नम्बर 5 पुराना व सं० 7 जो रामेश्वर मोहल्ला,  
देहरादून में स्थित है 40,000/- रु० मूल्य में हस्तांतरित की गई  
है।

विजय भार्गवा  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-12-1975  
मोहर :

प्र० श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री जीवा नन्द गुरुजा साकिन  
यापर नगर, मेरठ शहर। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री जीवा नन्द गुरुजा साकिन  
यापर नगर, मेरठ शहर। (अन्तरक)
2. श्री रमेश चन्द्र जैन पिसर श्री जगजीत सिंह जैन साकिन  
पुलिस स्ट्रीट, मेरठ कैंट। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश स० 264/अर्जन/मेरठ/75-76/2319—अत. मुझे,  
बिजय भार्गवा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमे हसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है  
और जिसकी स० अनुसूची के प्रनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-  
सार स्थित है (श्रीर इससे उत्तरावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-  
1975 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित  
में किए जा सकें।

**एवलीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बिस्की हिस्मा उपज एक मकान पुखता दुमजिल  
न० 207 स्ट्रीट न० 5 जो शापर नगर शहर मेरठ में स्थित है  
50,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

बिजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 29-12-1975

मोहर:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रूप आई०टी०एन०एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निवेश सं० 263/अर्जन/मेरठ/75-76/2319—ग्रतः मुझे,  
बिजय भारंवा  
आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है  
और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-  
सार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
19-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री जीवा नन्द गुप्ता साक्षिन  
थापर नगर, मेरठ शहर। (अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र जैन पिसर श्री जगजीत सिंह जैन साक्षिन  
पुलिस स्ट्रीट, मेरठ कैन्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रन्थाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति निस्फी हिस्सा उपज एक मकान पुखता दुमंजिला  
नं० 207 स्ट्रीट नं० 5 जो थापर नगर शहर मेरठ में स्थित है 20,000/-  
रु मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

बिजय भारंवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 29-12-1975

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

1 श्री रामा नरसिंह मल्ला उगल सादा देव (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सुबीव सरकार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निवेश स० टी०-आर०-171/सी०-172/कल०-2/75-76—  
अत मुझ, एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० 39 है तथा जो टेश रोड, कलकत्ता में स्थित है  
(और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी श्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39 टेश रोड, कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा जमीन।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख . 1-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—————

1. श्री राजा नरसिंह मल्ला उगल सान्दा देव (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री मिहिर सरकार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० टि० आर०-172/सि०-171/कल०-2/75-76  
—अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 39 है तथा जो टेश रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

39 इंश रोड कलकत्ता में अवस्थित 7 कट्टा 4 छटाक जमीन।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातुः—

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० टी० आर०-173/सी०-170/कल०-2/75-76  
भ्रतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

श्रावकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहुँचित विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 39 है है तथा जो देश रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः :—

1. श्री रामा नरसिंह मल्ला उगल सन्दा देव (अन्तरक)
2. श्री सुनील कुमार सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किये अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39, टेश रोड, कलकत्ता में अवस्थित 6 कट्टा 11 छटाक जमीन।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० प्र०—

1. श्री राजा नरसिंह मल्ला उगाल सान्दा देब (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

श्रजन रोड-J, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० टि० आर०-174/सि०-169/कल०-2/75-  
76—अल: मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है तथा जो देश रोड, कलकत्ता मे स्थित है  
(और इससे उपावढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मियालदह मे, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके  
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने म सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-  
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
मे, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री सुसान्त सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का,  
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

39 देंश रोड, कलकत्ता मे अवस्थित 12 कट्टा 12 छठाक  
जमीन।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रोड-I, कलकत्ता-16

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री राजा नरसिंह मल्ला उगल सान्दा देव (अन्तरक)
2. श्री गिहासन प्रसाद (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निदेश सं० टी० आर०-175/सी०-168/कल०-2/75-76—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है तथा जो देश रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प(1) के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

12—416GT/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के अध्यारिक्षमित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृश्वरी

39 देश रोड़, कलकत्ता में अवस्थित 8 कट्टा 9 छटाक जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्रश्नप्राप्त आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० टी० आर० 177/सि०-166/कल०-2/75-  
76—प्रतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० 39 है तथा जो टेंश रोड़ में स्थित है (और इससे  
उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजा नरसिंह मल्ला उगल सान्दा देव (अन्तरक)
2. श्री शंकर चन्द्र दाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

39 टेंश रोड़, कलकत्ता में प्रवस्थित 7 कट्टा 12 छटांक  
जमीन।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 1 जनवरी, 1976  
मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 305/अर्जन रेज-III/75-76/कल०---अरु: मुझे  
एल० के० बालसुब्रमनीयम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो अनिल मैन रोड़, कल०में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कायीलय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) दिलीप कुमार सिंहा  
(2) सन्दीप कुमार सिंहा  
(3) प्रदीप कुमार सिंहा  
(4) मिसेज निहारिका सेन  
(5) मिसेज मधुलिका सेन। 5, प्रनिल मैन रोड़। (अन्तरक)

2. (1) श्री सची नन्दन-मित्र (2) देवकी नन्दन मित्र  
(3) यशोदा नन्दन मित्र-रायचरन देव रोड़ कोलपुर बीर भूम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

Land of 18 cottahs 9 chittacks 4 sq. ft. at premises No. 5,  
Anil Maitra Road, Calcutta with a two storied main building,  
porch, verandah, garages, stair case, compound wall with  
gates, two storied kitchen blocks and servant's quarters, sheds  
and also with all other structures and fittings as per deed No.  
I-3160 of 1975 registered before Registrar of Assurances,  
Calcutta.

एस० के० बालसुब्रमनियण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किदवाई रोड  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० ठी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 306/अ० रे० III/75-76/कल०—अतः  
मुझे, एम० के० बालसुब्रमण्यम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 80 ए है तथा जो यादवपुर सेन्ट्रल रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
29-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रतिमा मिला, 40 ए, यादवपुर सेन्ट्रल रोड,  
कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्रीमती रीना घोष, 124/2, प्रिस गुलाम हुसैन रोड,  
कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

गैरेज सहित एक तल्ला हमारत, 5 क० जमीन पर स्थित है  
मकान नं० 40 ए० यादवपुर सेन्ट्रल रोड, कलकत्ता बलील सं०  
3137 ।

एम० के० बालसुब्रमण्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 30-12-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० 96/75-76/एक्य०—यतः मुझे, पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सबे सं० 591 है, जो कोलगल्लु ग्राम, बल्लारी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राम पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लारी डाक्युमेट सं० 786 के अन्तर्गत 14-5-1975 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती कुमुदमा पत्नी के० राणाचार पावर आफ एटान० होल्डर थी के० गोशावार, सभापति रोड, ब्रुस पेट, बल्लारी (अन्तरक)

2 (1) श्री जी० तीम्पा पुत्र वेद नरसप्ता

(2) श्री शकरपा पुत्र पी० भीमपा, कोलगल्लु ग्राम, बल्लारी जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन जो बल्लारी जिले के कोलगल्लु ग्राम में स्थित हैं। सं० 591 थेन्ड्र ए-21, सी-91।

पी० सत्य नारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 2-1-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० ९७/७५-७६/एक्य०—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राँव

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० एक्सटेंशन सि० सं० सं० 3226/13, 3226/22 और स० 60 है, जो हुबली धारवाड़ मुनीसिपल हड्डी मे उणकल ग्राम मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली मे डॉक्युमेंट स० 587 के अन्तर्गत), मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-5-1975 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसो किसी वाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात :—

1. श्री देवसी रामजी पटेल, बिल्डिंग कान्ट्रक्टर, होम्सूर, हुबली, । (अन्तरक)

2. (1) श्री हजरतसाब आदमसाब पन्तोजी,

(2) श्री राजेसाब आदमसाब पन्तोजी

(3) श्री इसमैल आदमसाब पन्तोजी

(4) श्री अब्दुल रेहमान मेहबूबसाब पन्तोजी एम/जी, श्री इसमैल साब पन्तोजी, पार्टनर्स हन हुबली सौ मिल्लस, धारवाड़ रोड, हुबली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीर्व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 12 और 21 विश्व शेन्की जमीन जिसकी सर्वे सं० 60 और एक्सटेंशन सि० स० स० 3226/13, 3226/22 है। यह संपत्ति हुबली धारवाड़ मुनीसिपल हड्डी मे उणकल ग्राम मे स्थित है।

पी० सत्यनारायण राँव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 2-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०-----

(1) श्री कमल नाथ भन्ना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री जगराज मिह और अत्य

(अन्तर्गती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

निरीक्षण रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निवेश सं० 32-जे०/अर्जन—अतः मुझे बिशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम गढ़ी इन्दरजीत जिला नैनीताल में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के प्रत्यक्षर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निम्नलिखित का 1/2 भाग

एक किता प्लाट नं० 112 जिसका क्षेत्रफल 30 एकड़ तथा उसमें एक बना हुआ मकान 40 फुट × 50 फुट जो कि ग्राम गढ़ी इन्दरजीत जिला नैनीताल में स्थित है।

बिशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत ग्राहिती०एन०एस०

(1) श्री कैलाश नाथ भला। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० 32-जे०/ए०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम गढ़ी इन्द्रजीत सिंह जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उक्त-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री जगराज सिंह व अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निम्नलिखित का 1/2 भाग

एक किता प्लाट नं० 112 जिसका क्षेत्रफल 30 एकड़ तथा उसमें एक बना हुआ मकान 40'×50' जो कि ग्राम गढ़ी इन्द्रजीत सिंह जिला नैनीताल में स्थित है।

विश्वास नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

(1) डा० कृष्ण चन्द्र मजूमदार। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजमुल निसा। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निवेद सं० 58-ए०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास्मार नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 281/2 है तथा जो सिविल लाइन छोहनी  
जिला सुल्तानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सुल्तानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 18-8-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत ‘उक्त अधिनियम,’ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम,’ या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13 416GJ/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम,’ के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

एक किता दो मंजिला मकान नं० 281/2 जो कि सिविल लाइन छोहनी जिला सुल्तानपुर में स्थित है।

विश्वास्मार नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 1-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप श्राई०टी०एन०एस०

(1) डा० कृष्ण चन्द्रा मजूमदार। (अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल लतीफ खान। (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश मं० 59-ए०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 281/1 है तथा जो सिविल लाइन छोहनी जिला सुल्तानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुल्तानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मजिला मकान न० 281/1 जो कि सिविल लाइन छोहनी जिला सुल्तानपुर में स्थित है।

विश्वास नाथ  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 1-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश स० 310/एक्युजीशन रेज-III/75-76/कल०—अतः  
मुझे, एल० के० वालसुब्रमण्यम्

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो यादवपुर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हड्डि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मिसेज अमिय भौमिक, विवेकानन्द रोड यादवपुर  
24 परगना। (अन्तरक)

(2) श्री शशाक भौमिक, विवेकानन्द रोड यादवपुर  
(अन्तरिती) 24-परगना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रजिस्ट्रीकर्ता आलिपुर में (डीड न० 4553, 1975 सालका) रजिस्ट्रीकरण विवेकानन्द रोड यादवपुर, 24 परगना में अवस्थित खईतिथान न० 4 दाग न० 417 में 7 कट्ठा जमीन पर अविभक्त जमीन का 1/3 हिस्सा।

एल० के० वालसुब्रमण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III 54, रफी-  
अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 2-1-1976

मोहर :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० 322/एक्य० रेज-III/75-76/कल०—प्रतः  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमण्यम  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा-जादवपुर है तथा जो जादवपुर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24-5-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण  
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ को उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रद्धात् —

(1) श्रीमति अमिय भौमिक, विवेकानन्द रोड़, 24,  
परगना, जादवपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री शशांक भौमिक, विवेकानन्द रोड़ जादवपुर,  
24 परगना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

22 काटा जमीन और 2/3 अविभक्त हिस्सा शादाम  
और सकचार, दाग नं० 427 मौजा जादवपुर, 24 परगना,  
झोड़ नं० 2724 आफ 2975 रजिस्टर्ड इन सब-रजिस्ट्रार  
आलिपुर शहर।

एल० के० बालसुब्रमण्यम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-III, 54, रफीग्रहमद किदवर्ड  
रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 2-1-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई०टो०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१ (एस० आर०-III/  
मई०-1/760 (35)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० एस०-370 है, जो ग्रेटर कैलाश-III, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबग्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 12-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हेम राज पुरी, सुपुत्र श्री दिवान चन्द्र पुरी, एस०-  
80, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी मलोक, पत्नी श्री एच० एन०  
मलोक, के०-४७, नवीन शाहदरा, दिल्ली-३२।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धार  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 303 बर्ग गज है और  
नं० 370, ब्लाक नं० 'एस' है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर  
कैलाश-II, नई दिल्ली-१९, बाहपुर गांव, दिल्ली राज्य को यूनियन  
टेरीटरी, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत, दक्षिण क्षेत्र, ग्रीन  
पार्क, नई दिल्ली-१६ में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन।

पश्चिम : रोड।

उत्तर : प्लाट नं० एस०-३६८

दक्षिण : रोड।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1976

निर्देश सं० 277/ए० सी० क्य०-23-616/19-7/75-76---  
अतः, मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 97 पैकी प्लाट नं० 22, फाइनल प्लाट नं० 49 है, तथा जो उमरवाडा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती धनगौरीबेन चिमनलाल स्वयं तथा सगीरों किरी कुमार चिमनलाल तथा हरिशचन्द्र चिमनलाल के बाली की हैसियत में  
(2) हरशमतिबेन चिमनलाल,  
(3) यशवंतीबेन चिमनलाल,  
सोनी फालिया. मेन रोड, सूरत। (अन्तरक)

2. श्री भरतकुमार पूनमचन्द्र, नरेशकुमार पूनमचन्द्र, राजेन्द्र कुमार पूनमचन्द्र, सलावडनपुरा, मोमनावा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 97 पैकी, फाइनल प्लाट नं० 49, कुल माप 1060 वर्ग गज अर्थात् 890.40 वर्ग मीटर है तथा जो उमरवाडा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मई, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2367 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सधम प्राधिकारी

सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

निर्देश मं० 278/ए० सी० क्य०-23-455/4-5/75-76—  
अत मुझे पी० एन० मित्तल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी स० सिटी सर्वे शीट नं० 29, सिटी सर्वे नं० 3 (सर्वे  
नं० 29/3) वार्ड नं० 8, हां० नं० 399 है, तथा जो राजपीपला,  
तहसील नान्दोल, जिला भरोच में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नान्दोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 27-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती मिनीबेन आदी कान्ट्रीक्टर स्वयं तथा दो सही  
वच्छे रसना आदी कान्ट्रीक्टर और जारिर आदी कान्ट्रीक्टर के बाली  
की हैसियत में, लिलवा धोल आदी नसरबानाजी मार्ग, राज-  
(अन्तरक)

1. मै० चित्रा भारती थीयेटर्स की ओर मे उसके भागीदार :  
(1) धीर भाई आर० देसाई, (2) हरीशभाई एम० पटेल, (3)  
बाबूभाई मगनभाई देसाई, (4) नागशकुमार बाबूभाई देसाई,  
(5) उद्कुमार हरीशभाई पटेल, (6) अद्वाबेन बालकृष्ण पटेल,  
(7) पश्चाबेन रमेशचन्द्र पटेल, (8) नवीनचन्द्र मोहनलाल पटेल,  
(9) बाबूभाई जमनादास मिस्ट्री, (10) नरेत्तमभाई कालीदास  
शाह, (11) जयलक्ष्मी मनेकलाल मेहता, (12) मुक्तालक्ष्मी  
प्रतापराय सेठ, (13) शान्तीबेन जगदीशभाई देसाई, (14) नीरब  
कुमार जगदीशभाई देसाई, 4-डी०, नाज विल्डग, लेमिगटन रोड,  
बम्बई-४।  
(अन्तरिती)

3 श्री पठया महेन्द्रभाई हरिवदनभाई, नवापुरा, राजपिला  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति का वह समस्त भाग (राज राक्षसी नामक सिनेमा  
गृह, जमीन बाध काम होटल इत्यादि सहित) जो स्टेशन रोड, राज-  
पिला, तहसील नान्दोल, जिला भरोच में स्थित है और जिसका  
सिटी सर्वे शीट नं० 29, सिटी सर्वे नं० 3 (सर्वे नं० 29/3) म्य०  
वार्ड नं० 8, घर नं० 399 है जिसका कुल माप 46551 वर्ग फुट  
अर्थात् 5172-30 वर्ग गज है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
नान्दोल के मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4 मे प्रदर्शित  
है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II अहमदाबाद।

तारीख : 6-1-1976

मोहर :

प्रूलप आई०टी०एन०एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4222/76-76—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 7 नया नं० 1 है, जो रेज लेन, रिचमन्ड टौन, बंगलूर-25 मे स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-नगर, बंगलूर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-5-1975 को (दस्तावेज नं० 556/75-76)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने भे सुविधा के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती बीबी जहान सुलताना पत्नी लेट मिर्जा मोहम्मद हुमेन, 48, वेलिनगटन स्ट्रीट, रिचमन्ड टौन, बंगलूर-25।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मीनी माने पत्नी पन० बी० माने, रिचमन्ड टौन, बंगलूर-25।  
(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति मे हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

[दस्तावेज सं० 556/75-76, दिनांक 8-5-1975 /]  
मकान नं० 7, नया नं० 1, रोज लेन, रिचमन्ड टौन, बंगलूर-25।

क्षेत्रफल : उ० द० 107 फुट

पू० प० 62 फुट = 6634 वर्ग फीट।

इमारत . 17.92 वर्ग

सीमा : पू० श्रीमती जी० आर० डा कास्ता

प० रोज लेन।

उ० अनीगोसर

द० रोन्जो।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4227/75-76—पत्र मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 70/3 है, तथा जो श्री गन्धद कावल दाखले सुन-दक्षते, यशवन्तपुर होबली, बैंगलूर नार्थ नालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बैंगलूर नार्थ नालुक में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

14—416G/75

1. सर्वेशी (1) बी० रामकृष्णप्पा, पुत्र लेट वैरप्पा,  
(2) श्रीराम पुत्र बी० रामकृष्णप्पा, नं० 3, 1 ऋस, होस-  
हल्ली, बैंगलूर-40। (अन्तरक)

2. मस्ती गौडा उर्फ चिकन्हा

59. अग्रहारा दासरहल्ली मागजी रोड, बैंगलूर सिटी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के साबध्न में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 729/75-76 तहसील 15-5-75)।

जमीन सर्वे नं० 70/3, 4 एड०, श्रीगन्धद कावल, दाखले सुनरदा कट्टे, यशवन्तपुर होबली, बैंगलूर नार्थ नालुक।

सीमा :—

पू० पी० डब्ल्य० डी० स्थानक बन्दी की जमीन।

प० इरफिनगन्न की जमीन।

उ० करियम को बेची गई जमीन।

द० : रामकृष्णप्पा की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 24-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन मूच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निक्षण सं० सी० आर० 62/5228/75-76—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बैंगलूर

आयकर अधिनियम 1961<sup>१</sup> (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० न० 70/3 है तथा जो श्रीगन्धदकावल दाखले मुनकदकद्वे, यशवन्तपुर होबली, बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इससे उपावड अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बैंगलूर, नार्थ तालुक में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-1975 (दस्तावेज न० 731/75-76)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यारिती (अन्तरितियों) के द्वारा उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वेश्वी (1) बी० रामकृष्णप्पा

(2) श्रीराम।

न० 3, 1 क्राम, होसहल्ली, बैंगलूर-40। (अन्तरक)

2. श्री रामकृष्णप्पा, 59, अग्रहारा दासरहल्ली मागडी रोड, बैंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूच्चना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी शक्ति द्वारा;

(ख) इस मूच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

[दस्तावेज सं० 731/75-76, तारीख 15-5-1975/]

जमीन सर्वे० न० 70/3, श्रीगन्धद कावल दाखले सुनकदे कट्टे, यशवन्तपुरा होबली, बैंगलूर नार्थ तालुक।

5 एकड़ जमीन।

सीमा :

प० : पी० डब्ल्य० डी० स्थान्क बन्द की जमीन और बेगगर कालीनी।

प० : इरलिनगप्पा आर० चन्नसूरमा की जमीन।

उ० : मास्ती गौडा उर्फ चिक्कना की जमीन।

द० : बेगगर कालीनी।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 24-12-1975

मोहर :

प्रूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनाक 5 दिसम्बर 1975

Acq File No 270/J. Nos 8 & 10/75-76

यतः मुझे, B V SUBBA RAO

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी स० 29 19 33 Dornakal Mission Road, Suryaraopeta, Vijayawada है जो - मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए ; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने मे सुविधा के लिए ,

प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .—

- (1) 1 Smt Rayapiolu Dhanalaxmi, W/o Late Siva Subramanyam
- 2 R Chandra Sekar
- 3 R S Subramanyam being minor represented by legal heir father Sri R Chandrasekai
- 4 R Siva Subramanyam being minor represented by legal heir mother Smt R Dhanalaxmi
- 5 Smt B R Visala, W/o Sri Satyanarayana Rao, Bangalore
- 6 Y Vijayalaxmi, W/o Y K Sastri, Rourkela
- 7 Y Padmaja W/o Y Malleswara Rao

(अन्तरक)

- (2) Shri Kolamasu Harigopal  
S/o Satyanarayana,  
Vijayawada

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब दे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** —इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

### अनुसूची

The schedule property as per document Nos 1094/75 and 1099/75 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 15-4-1975

B V SUBBA RAO,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 5-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

Acq. File No. 271/K.R. No. 17/VZL/75-76.  
यतः, मुझे, B. V. SUBBA RAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

26-1-28 Sambamurthy Road, Behind Eswara Mahal, Rama-  
nagar, Vijayawada  
है जो में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्षीया प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपावदा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Yellamraju Kalyana Sundaram,  
Rajagopalachari St.  
Governorpetta, Vijayawada.

(अन्तरक)

(2) Shri Mandava Rattaiyah,  
Managing Partner Sri Padmanabha Printing works,  
Vijayawada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1396/75  
registered before the S.R.O., Vijayawada during the fortnight  
ended 30-4-1975.

B. V. SUBBA RAO,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 5 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

A. File No 272/VSP No 3/75-76—

यत्, मुझे B. V Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स०

15-6-5 Salewaiasena Road, Mahatampeta Visakhapatnam-2  
है जो मे  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam  
मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उसके बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णता :—

(1) Kuldeep Singh, S/o Savan Singh  
Gokkela Road, Mahatampeta,  
Visakhapatnam

(अन्तरक)

(2) Raja Sagi Venkata Narasimhaiaju,  
S/o Raja Sagi See haramaiaju,  
Tangedu Village,  
Visakhapatnam Dist

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वास्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No 1598/75 registered before the S.R.O Visakhapatnam during the fortnight ended on 15-4-1975

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 5-12-1975

मोहर :

प्रस्तु आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, 9 दिसंबर 1975

Acq File No. 273/J. No. VSP. 13/75-76—

यतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिस की सं०

14-1-38 Gokhale Road, Mahalampeta, Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसा आय की वाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करना गा। उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा या किया जाना नाहिए था, निपाने ने दुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) Mecheila Siceelamamurthy,  
41-111, Main Road Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

(2) Datla Satyanarayana  
and D. V. Suleyanarayana, Tangedu, Vizag Dt.  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा नार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन वी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन वी अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाज होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per the document No. 1782/75 of the S.R.O. Visakhapatnam registered during the fortnight ended 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 9-12-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, 10 दिसम्बर 1975

Acq File No 274/J No 12/WG/75 76 -  
अत मुझे, B V Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स०

Door No 19/29, 30 & 31, 7th ward, Kondutivari Street,  
Tanuku  
मेरे स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसन्धि मेरे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Tanuku मेरे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुग्रह लिखित मेरास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने मेरे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेरे सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) Yerrapragada Suryanarayana  
2 Y Brahmanandam,  
3 Kommagiri Venkatalamana  
4 Chilukuru Surya Prakasa Sastry

(अन्तरक)

(2) Manthena Venkatalamraju  
Partner Sri Ramanjaneya Fruit Co.,  
Main Road, Tanuku

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मेरोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेरे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मेरे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेरे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेरे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मेरे किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मेरे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मेरे दिया गया है।

अनुसृता

The schedule property as per document No 1095/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight 31-5-1975.

B V SUBBARAO,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 10 दिसम्बर 1975  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, 12 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 277/J. No.I(VSP)12/75-76.—

अतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी No. 47-14-2 Dwarakanagar, Viskhapatnam-2, में स्थित है (और इससे उपाबूष्ठ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Chekuri Venkatakrishnumraju and Satyanarayana-ranaraju S/o Late Ramalingaraju Katrinikona, Kmalapuram Taluk.

(अन्तरक)

(2) Mrs., Gogineni Kamalamba, W/o Reddeyya Mopparu Kotal Tataiah, Gudavalli.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1805/75 registered before the S.R.O., Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

Date : 12-12-1975.

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st December 1975

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's Office for the period from 1-12-1975 to 28-2-1976, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance's O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

R. S. AHLUWALIA,  
Under Secy.  
for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th December 1975

No. A 32014/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade II of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of 46 days with effect from 1-12-1975 to 15-1-1976.

2. Shri S. P. Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade I of Central Secretariat Stenographers' Service or for seniority in that Grade.

No. A.32014/1/75-Admn.III(9)—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-1975 to 29-12-1975 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS)  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th December 1975

No. A-22013/1/75-AD-V.—In supersession of this office Gazette Notification No. PF/S-68/65-AD-V, dated 3-10-1975, Director, CBI and Inspector General of Police, SPF hereby appoints Shri S. S. Darbari, PP, CBI, on deputation to CBI from Madhya Pradesh State, as Sr. PP on deputation in the C.B.I. with effect from the forenoon of 25th September, 1975 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Admn. Officer(F)  
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(DTE, GENERAL CRPF FORCE)

New Delhi-110001, the 15th December 1975

No. F.3/22/74-Estt.(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis, Shri S. P. Singh, Assistant Commandant as Commandant in the Central Reserve Police Force with effect from the afternoon of 16th June, 1975 until further orders.

The 19th December 1975

No. O.II-1037/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Dr. C. M. Bhan, an officer of Central Health Service, in the CRPF until further orders.

2. On his appointment on deputation, Shri Bhan took over charge of the post of a Specialist, Base Hospital, CRPF, Jharoda Kalan, New Delhi-110043 on the forenoon of 4th November, 1975.

No. A.VI-3/75-Estt.—The President is pleased to appoint Shri Vijay Kumar as Dy. Sp. (Coy. Comdr./OM) in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

15—416GI/75

2. He is posted to 34th Bn CRPF and has taken over charge of his post on the afternoon of 17th October, 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Asstt. Dir. (Admn.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th December 1975

No. E-29020/12/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint S/Shri M. A. Sunder Raj and R. Balasubramanyam, substantively as Commandant in the Central Industrial Security Force with effect from 17th November 1974.

The 17th December 1975

No. E-16013(1)/1/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. Dadaboy, IPS (Gujarat-1957) on deputation to the post of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force Unit Rourkela Steel Plant with Headquarters at Rourkela with effect from the forenoon of 26th November 1975 *viz.* Shri G. C. Senapati, IPS.

Shri G. C. Senapati, IPS, on repatriation to his parent cadre, relinquished the charge of the above mentioned post with effect from the forenoon of the same date *viz.* 26th November 1975.

No. F-38013(3)/6/75-Ad.I.—On transfer from Rourkela, Shri T. K. Banerjee, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India, Talchar with effect from the forenoon of 1st December 1975, *viz.* Shri R. M. Dash.

No. E-38013(3)/23/75-Ad.I.—On transfer to Hardwar, Shri G. S. Sandhu relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Heavy Electricals Limited (HEEP), New Delhi with effect from the afternoon of 3rd December, 1975.

The 20th December 1975

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer from Bokaro Steel City, Shri B. D. Bahukhandi, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Hindustan Copper Project, Khetri with effect from the forenoon of 11-9-1975

L. S. BISHT,  
Inspector General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 15th December 1975

No. 25/15/73-RG(Ad.I).—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri T. R. Rajagopalan relinquished charge of the post of Deputy Director of Census Operations, Tamil Nadu with effect from the afternoon of the 30th November, 1975.

The President is pleased to re-employ Shri T. R. Rajagopalan as Deputy Director of Census Operations, Tamil Nadu for a period of six months with effect from the 1st December, 1975.

The headquarters of Shri T. R. Rajagopalan will be at Madras

BADRI NATH,  
Dy. Registrar General, India &  
*ex-officio* Dy. Secy.

New Delhi-110011, the 20th December 1975

No. 10/19/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, Investigator in the office of the Registrar General, India as Research Officer in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of the 20th December, 1975 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

The headquarters of Shri R. K. Bhatia will be at New Delhi.

R. B. CHARI,  
Registrar General, India &  
*ex-officio* Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE  
 (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
 BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 13th December 1975

F. No. BNP/E/Spl./30.—The appointment on deputation of Shri S. P. Kulshrestha, Accounts Officer in the office of the Accountant General, Madhya Pradesh as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on a regular basis w.e.f. 3-12-1975 to 2-12-1976 (AN).

D. C. MUKHERJEA,  
 General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
 OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
 ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 12th December 1975

No. EB.I/8-312/73-76/355.—(1) Sri S. Venkataratnam, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 31-8-75 (AN).

(2) Sri S. Subramaniam II Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 31-8-75 (AN).

(3) Sri S. Adinarayana, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 30-9-75 (AN).

(4) Sri S. H. H. Razvi, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 30-11-75 (AN).

V. RAMAN.  
 Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
 UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 16th December 1975

No. Admn.I/11-144(XI)/256.—The Accountant General, U.P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date\* noted against each till further orders :—

S/Shri  
 1. Rama Shankar Sharma—27-10-1975.  
 2. Shree Rama Srivastava—25-10-1975.  
 3. Nanak Madho Narain—5-12-1975.  
 4. Ishwar Saran Srivastava—5-12-1975.  
 5. Chandrika Prasad Mishra—5-12-1975.

The 17th December 1975

NOTICE

No. Admn.I/3853.—In pursuance of Sub Rule (1) of rule 5 of the Central Service (Temporary Service) Rules, 1965 I hereby give notice to Sri Suresh Kumar Singh, clerk bearing personal No. 5383 (Five thousand three hundred eighty three) that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published.

U. RAMACHANDRA RAO,  
 Sr. Dy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
 OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
 DEFENCE ACCOUNTS  
 New Delhi-110022, the 20th December 1975

No. 40011(2)/75/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	M. Ganesan (P/29)	Permanent Accounts Officer	29-2-1976	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad
2.	A. K. Sen Gupta (P/105)	Permanent Accounts Officer	31-1-1976	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta
3.	T. S. Subramaniam (O/211)	Officiating Accounts Officer	31-3-1976	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras
4.	A. Veereshwara Rao (O/216)	Officiating Accounts Officer	29-2-1976	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad
5.	N. K. Phanse (O/227)	Officiating Accounts Officer	31-1-1976	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta

Shri T. S. Subramaniam, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 97 days from 26-12-1975 to 31-3-1976 pending his retirement.

(2) The following is added as para (4) to this department notification bearing No. 40011(2)/75/AN-A dated 28-10-1975:

- (i) Shri G. P. Raina, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 52 days from 10-11-1975 to 31-12-1975 pending retirement.
- (ii) Shri M. L. Sharma, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 31 days from 1-12-1975 to 31-12-1975 pending retirement.
- (iii) Shri D. N. Dhawan, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 31 days from 1-12-1975 to 31-12-1975.

S. K. SUNDARAM  
 Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

**MINISTRY OF DEFENCE**  
**DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES**  
**INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta-700016, the 5th December 1975

No. 50/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri C. P. Sharma, Offg. Asstt. Manager, (Subst. & Permit. Foreman), retired from service with effect from 31st October 1974 (A.N.).

No. 51/75/G.—On attaining the age of 58 years the undermentioned officers retired from service with effect from the date shown against each :—

1. Shri P. Francis, Offg. Dy. Manager (Permit. Foreman)—31st August, 1975 (AN).
2. Shri V. G. Shivnekar, Offg. Asstt. Manager (Permit. Staff Asstt.)—30th Sept., 1975 (AN).

No. 52/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. N. Chatterjee, Offg. D.A.D.G.O.F. (Subst. & Permit. Superintendent), retired from service with effect from 30th September, 1975 (A.N.).

No. 53/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. M. Chatterjee, Offg. D.A.D.G.O.F. (Subst. & Permit. TSC/AM) retired from service with effect from 31st May, 1975 (A/N).

The 6th December 1975

No. 46/G/75.—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from the dates as shown against each :—

1. Shri L. M. Mookerjee, Permit. Manager—31st July, 1975 (AN).
2. Shri P. K. Gu, Offg. Manager (Permit. Dy. Manager)—31st July, 1975 (AN).
3. Shri K. P. Sen Sarma, Offg. Asstt. Manager (Permit. Foreman)—31st August, 1975 (AN).

No. 47/G/75.—On expiry of the extension of service of one year Shri T. K. Chakraborty, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permit. Foreman), retired from service with effect from 30th September, 1975.

M. P. R. PILLAI,  
Assistant Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF LABOUR**  
**COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION**

Dhanbad, the 18th December 1975

No. P. 8(8)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby makes the following amendment in the notification No. P.8(8)67, dated 20-2-1974 constituting the Hazaribagh Coalfield Sub-Committee, namely :—

In the said Notification, for Serial Numbers 4, 5 & 6 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

- "4. The Area General Manager, Central Coalfields Ltd., Hazaribagh—Employers' Representative.
- "5. The Area General Manager, Central Coalfields Ltd., Arguda, Hazaribagh—Employers' Representative.
- "6. The Chief Personnel Officer, Central Coalfields Ltd., Ranchi—Employers' Representative.

R. P. SINHA  
Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad

**MINISTRY OF COMMERCE**  
**OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-400020, the 18th December 1975

No. CER/6/75.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948

and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (4)/58, dated the 7th March, 1958, namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 2 against S. No. 11, after item (XX), the following entry shall be added, namely :—

2

"(XXI) Director of Textiles-Cum-  
Addl. Registrar, Co-op. Societies, Orissa"

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner

**DEPARTMENT OF SUPPLY**  
**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
**(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the December 1975

No. A-1/1(61).—Shri P. Nath permanent Deputy Director General and officiating as Additional Director General in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 17th December 1975

No. A-1/1(838).—The President is pleased to appoint S/Shri Girdhari Lal and R. W. Suryawanshi, Assistant Directors of Supplies (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 20th November, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration)

(ADMN. BR. A-6)

New Delhi, the 18th December 1975

No. A-6/247(390)/62/IV.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Kapoor, an officer of the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class I to officiate in Grade I of the Service with effect from the forenoon of the 25th November 1975.

Shri Kapoor relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the afternoon of the 13th November, 1975 and assumed charge of the post of Director of Inspection Calcutta Inspection Circle, Calcutta in the forenoon of the 25th November, 1975.

No. A-6/247(163)/58/II.—The President has been pleased to appoint Shri K. N. Srivastava, Inspecting Officer in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the forenoon of the 24th November, 1975.

Shri Srivastava handed over the charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) at Kanpur under the Northern Inspection Circle from the afternoon of the 14th November, 1975 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle, Calcutta in the forenoon of the 24th November, 1975.

SURYA PRAKASH  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 12th December 1975

No. 7649/B/2222(KP)/19A.—Shri K. Prabhakara is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1975, until further orders.

No. 7659/B/2222(GCB)/19A.—Shri Gian Chand Bhambrey is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th October, 1975, until further orders.

No. 7689/B/2222(DKM)/19A.—Shri Dipak Kumar Mukhopadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th November, 1975, until further orders.

No. 7697/B/2222(SBN)/19A.—Shri S. Balachandran Nair is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th October, 1975, until further orders.

No. 7704/B/2222(SPVD)/19A.—Shri S. P. Venkata Dasu is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th November, 1975, until further orders.

No. 7712/B/2222(BRV)/19A.—Shri B. R. Venkatesh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th October, 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN  
Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th December 1975

No. A19011(87)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Das, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 28th November, 1975, until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY  
Sr. Administrative Officer  
for Controller

## DEPARTMENT OF SCIENCE &amp; TECHNOLOGY

## NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-700019, the 15th December 1975

No. 32-5/75-Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. P. Sinha, permanent Field Officer, is promoted to officiate in the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation, with effect from 12-12-1975, until further orders.

S. P. DAS GUPTA.  
Director

## DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th December 1975

No. A-30014(4)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mahabir Singh, Farm Radio

Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Farm Radio Officer with effect from 10-3-1975.

M. L. TANDON  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi-1, the 17th December 1975

No. 10/37/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri V. V. Gopalakrishnan, Accountant, All India Radio, Alleppey to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Lucknow on ad-hoc basis with effect from 9-12-1975 (F.N.).

I. S. PANDHI  
Section Officer  
for Director General

New Delhi, the 18th December 1975

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. L. Malhotra, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 30-3-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri A. K. Biswas, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 4-4-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. N. Sarma, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 11-8-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. C. Jatav, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 17-6-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. D. J. Srivastava, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 2-8-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kumari G. R. Bala, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 21-7-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. N. Sadhu, Assistant Station Director in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 8-6-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Dr. S. K. Madhur, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 6-4-1975.

HARJIT SINGH  
Deputy Director of Administration  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th December 1975

No. 11-2/75-Admn.I.—On transfer from the Department of Health, Shri S. Srinivasan an officer of the Selection Grade of the C.S.S. working as Deputy Secretary in that Department assumed charge of the post of Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services, with effect from the afternoon of 6th December, 1975.

A. SURIN  
Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 15th December 1975

No. 7-1/73-Admn.I.—Consequent on his appointment to the post of Administrative Officer in the Central Leprosy Teaching & Research Institute, Chingleput, Shri S. Kannan, an officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S., assumed charge of the said post of Administrative Officer in the Central Leprosy Teaching & Research Institute, Chingleput with effect from the afternoon of 17th November, 1975.

The 11th December 1975

No. 33-7/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. C. K. Punita to the post of Nursing Superintendent in the Safdarjung Hospital with effect from the forenoon of the 10th October, 1975 to the 15th November, 1975 (afternoon) in the leave vacancy of Smt. A. Ratra.

R. N. TEWARI,  
Dy. Director of Administration (CHS)

New Delhi, the 19th December 1975

No. F.9-39/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Dharam Vir to the post of Homeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Meerut under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 15th October, 1975 and until further orders.

No. F.9-31/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Dharam Vir to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Meerut under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 15th October, 1975 until further orders.

K. K. VENUGOPAI  
Deputy Director of Administration (CGHS)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF FOOD)**  
**NATIONAL SUGAR INSTITUTE**

Kanpur, the 15th December 1975

No. Estt.3/(1)/67-JV.—Shri R. C. Gupta is appointed substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer (Physical Chemistry) at the National Sugar Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 15th November 1969.

N. A. RAMAIAH,  
Director

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE**

**PERSONNEL DIVISION**

Bombay-400085, the 3rd November 1975

No. PA/79/(20)/73-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification of even number dated May 3, 1974 the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mohanlal Mulchand Gandhi, a permanent Assistant in the Central Secretariat Service in the Ministry of Foreign Trade (Now Ministry of Commerce) New Delhi and on deputation to Bhabha Atomic Research Centre as Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of July 1, 1974 to June 12, 1975 (AN).

The 16th November 1975

No. PA/81(136)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Krishan Lal Goswami, a permanent Draughtsman (B) and officiating Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

The 17th November 1975

No. PA/73(2)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the following persons to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same

Research Centre with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

1. Dr. (Smt.) Shobhana Sudhir Lele—October 15, 1975 (FN).
2. Dr. (Smt.) Perinthalakat Narayanan Prabhavathy—October 15, 1975 (FN).
3. Dr. (Smt.) Chitra Pratap Bongirwar—October 16, 1975 (FN).
4. Dr. (Smt.) Dolly Ray—October 22, 1975 (FN).
5. Dr. Srikant Balkrishna Bavare—November 8, 1975 (FN).

The 20th November 1975

No. PA/81(74)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Lokendra Nath Pathak a temporary Scientific Assistant (C) in the Variable Energy Cyclotron Project of Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Project in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

The 30th November 1975

No. PA/79(9)/75-R-IV.—Shri Waman Gangadhar Tilak, a permanent Upper Division Clerk and temporary Assistant, appointed to officiate as Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre vide Notification of even number dated July 24, 1975 relinquished charge of the office of Assistant Personnel Officer in the Centre with effect from the forenoon of November 12, 1975.

No. PA/81(134)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Variable Energy Cyclotron Project of Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Project, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

**Sr. No. & Name**

1. Shri Manayil Sivaramakrishnan Madanamohanan
2. Shri Subba Pommu Reddi

The 1st December 1975

No. PA/81(143)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Ramesh Raghavendrarao Nanjundu a temporary Scientific Assistant (B) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(130)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vinod Kumar Bhatia a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(130)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Antony Fernandez, a permanent Draughtsman (B) and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(127)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Jayant Anant Gokhale, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,  
Dy. Establishment Officer(R)

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-400005, the 5th December 1975

No. PPED/3(236)/75-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. L. Saraswate, a temporary Draughtsman 'C' of this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

N. G. PARULEKAR,  
Administrative Officer,  
for Director

**HEAVY WATER PROJECTS**

Bombay-400008, the 20th December 1975

No. HWPs/Etl/1/S-60/8575.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Govindbhai Manilal Shah, a permanent Scientific Assistant 'A' and officiating Scientific Assistant 'C' of Bhabha Atomic Research Centre, now on deputation to Heavy Water Project (Baroda) in the same grade, to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, w.e.f the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY,  
Senior Administrative Officer

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 18th December 1975

No. A.32014/3/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. I. Relwani, Technical Assistant in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to officiate as Assistant Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay with effect from the 1st December 1975 (FN) on purely on ad-hoc basis vice Shri K. D. Pandit, Assistant Technical Officer granted earned leave.

The 20th December 1975

No. A.38015/18/74-EC.—The Director General of Civil Aviation deeply regrets to announce the death of the following officials of Aeronautical Communication Organisation:—

- 1. Shri R. S. Ram, A.T.O., A.C.S., Lucknow—24th September 1974.
- 2. Shri C. A. Pillai, A.C.O. ACS, Calcutta—8th October 1974.
- 3. Shri M. D. Paranandiwar, AIO, ACS, Bombay—17th September 1974.

V. V. JOHRI,  
Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 20th December 1975

No. A32013/7/75EA.—The President is pleased to appoint Shri S. A. Ram, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the 9th December, 1975 or till the post held by him is filled on regular basis, whichever is earlier. He is posted at Calcutta Airport, Dum Dum.

V. V. JOHRI,  
Assistant Director of Administration

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS**

Allahabad, the 2nd December 1975

No. 152/1975.—Shri Virendra Pal Sinha, officiating Inspector (S. G.) of Central Excise, posted in the Central

Excise Integrated Divisional Office, Rampur, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975—issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, took over charge of the office of the Superintendent, Class II (Preventive and Intelligence) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Bareilly on 9-10-1975 (forenoon), relieving Shri M. P. Chaudhary, Superintendent, Class II of the additional charge.

No. 153/1975.—Shri R. W. Sheetal, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (Valuation) in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, handed over charge of the office of the Superintendent (Valuation) Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 31-10-1975 (afternoon) to Shri P. N. Kao, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hour.

No. 154/1975.—Shri H. D. Dubey, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (Audit) in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, handed over the charge of the office of the Superintendent (Audit) Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 31-10-1975 (afternoon) to Shri S. S. Tandon, Examiner of Accounts of Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 10th December 1975

No. 160/1975.—Shri S. N. P. Trivedi, confirmed Inspector (S. G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Varanasi and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975—issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, took over charge as Superintendent, Central Excise, Class II (Tech.) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Gorakhpur on 20-11-1975 (forenoon), relieving Shri G. P. Da-bari, Superintendent, Central Excise, Class II of the additional charge.

H. B. DASS  
Collector  
Central Excise, Allahabad

Madurai-2, the 6th December 1975

No. 4/75.—Sri K. V. Subramanyam, Administrative Officer, Customs Division, Madurai has been posted as Examiner of C.E.A. Hdqrs. Office, Madurai in the new post of Examiner sanctioned for Hdqrs. Office Madurai vide Ministry of Finance letter F. No. B. 12014/19/74 Ad. IV dated 12-5-75. He has assumed charge as Examiner on 15-11-1975 (forenoon).

No. 5/75.—The following Office Superintendents are appointed to officiate, until further orders as Assistant Chief Accounts Officers/Administrative Officers in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. They have assumed charge as Assistant Chief Accounts Officers/Administrative Officers on the dates noted against each:—

S. No., Name of the Officer, Place of posting & Date of assumption.

1. Sri N. V. Gopalan, Office Supdt. Hdqrs. Office, Madurai—Asst. Chief Accounts Officer, Hdqrs. Office, Madurai—20-10-75.
2. Sri G. K. Thulasiraman, Office Supdt., Hdqrs. Office, Madurai—Administrative Officer, Dindigul Central Excise Division—15-11-75.
3. Sri S. Anantharaman, Office Supdt., Hdqrs. Office, Madurai—Administrative Officer, Customs Division, Madurai—14-11-75 (afternoon).

M. S. SUBRAMANYAM  
Collector

## CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 4th December 1975

## CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 12/1975.—On transfer Shri K. K. Viswanathan, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Cochin assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Calcutta with effect from forenoon of 15th October, 1975.

No. 13/1975.—On transfer Shri M. P. Dixit, Assistant Chemical Examiner, New Custom House Laboratory, Bombay assumed charge in the same capacity in the Central Excise Regional Laboratory, Baroda with effect from the forenoon of 24th October, 1975.

V. S. RAMANATHAN,  
Chief Chemist  
Central Revenues Control Laboratory

## CENTRAL GROUND WATER BOARD

Fazidabad, the 17th December 1975

No. 3-416/75-CH (Estt.).—Shri G. C. Bhatnagar is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Jodhpur w.e.f. 27-11-75 (FN) till further orders.

The 18th December 1975

No. 3-409/75-CH (Estt.).—Shri M. V. Nikalje is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist GCS Class II (Gazetted) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Sholapur w.e.f. 25-11-75 (FN) till further orders.

No. 3-406/75-CH(Estt.).—Shri Krishan Paul Singh is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist G.C.S. Class II (Gazetted) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Chandigarh w.e.f. 25-11-75 (FN) till further orders.

D. S. DESHMUKH  
Chief Hydrogeologist & Member

Fazidabad-121001, the 19th December 1975

No. 7-110/75-Estt.II.—Shri K. B. Vohra, officiating Administrative Officer in Central Ground Water Board is appointed in a substantive capacity against a permanent post of Administrative Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28-2-1975

D. PANDEY  
Superintending Engineer

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 25th November 1975

No 5/1/75-ECI.—The President is pleased to appoint Shri Om Prakash Purohit on the results of the Engineering Services Examination, 1973 on probation in CES Class I in the C.P.W.D. against a temporary post of Asstt. Ex. Engineer (Civil) with effect from 10-11-75 (F.N.).

P. S. PARWANI,  
Dy. Director of Administration  
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 26th November 1975

No. 12/7/74-Admn.IV.—The President is pleased to confirm Shri T. S. Gill in the post of Senior Architect in the Central P.W.D. with effect from 17-3-73.

S. S. P. RAU  
Dy. Director of Administration

N. F. RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
(PERSONNEL BRANCH)

Panju, the 16th December 1975

No. E/55/III/91 PIII(O).—Shri K. M. Rumba is confirmed in Class II service as Assistant Operating Supdt./Assistant Commercial Supdt. with effect from 1-2-75.

No. E/55/III/94 PIII(O).—Shri S. K. Roy is confirmed in Class II service as Assistant Engineer with effect from 1-7-75.

H. L. VERMA  
General Manager

CENTRAL RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
Bombay, the 18th December 1975

No. HPB/220/G/H.—The following Assistant Medical Officers are confirmed in Class II of the Indian Railway Medical Service from the date shown against each :—

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1	2	3
1.	Dr. S. B. Dutta	1-12-1962
2.	Dr. A. K. Pal	7-12-1962
3.	Dr. B. Chatterjee	1-2-1963
4.	Dr. M. M. Sarkar	2-2-1963
5.	Dr. T. S. Ramaratnam	10-5-1963
6.	Dr. N. Ravindranath	9-5-1963
7.	Dr. P. N. Jathar	13-2-1963
8.	Dr. S. C. Pangarkar	21-2-1963
9.	Dr. A. P. Ghosh	9-5-1963
10.	Dr. F. D. Parcira	27-4-1963
11.	Dr. V. S. Chetty	9-5-1963
12.	Dr. Mohd. Hasratullah	9-5-1963
13.	Dr. R. N. Kango	10-5-1963
14.	Dr. J. R. Sethi	17-5-1963
15.	Dr. B. N. P. Gupta	20-5-1963
16.	Dr. M. C. Dasgupta	1-11-1964
17.	Dr. (Mrs.) Usha Kibe	1-1-1966
18.	Dr. R. K. Joshi	1-1-1966
19.	Dr. J. K. Agarwal	1-1-1966
20.	Dr. R. S. Rai	1-1-1966
21.	Dr. A. K. Sarkar	1-1-1966
22.	Dr. S. S. Maitra	1-1-1966
23.	Dr. S. D. Gupta	1-1-1966
24.	Dr. S. Basu	1-1-1966
25.	Dr. P. Biswas	1-1-1966
26.	Dr. M. B. Sakhare	1-1-1966
27.	Dr. M. P. Tambe	1-1-1966
28.	Dr. S. C. Kapuria	1-1-1966
29.	Dr. D. V. Tillu	1-1-1966
30.	Dr. S. C. Sinha	1-1-1966
31.	Dr. H. V. Nirgudkar	1-1-1966
32.	Dr. B. Singh	1-1-1966
33.	Dr. B. P. Chaube	1-1-1966
34.	Dr. B. D. Srivastava	1-1-1966

1	2	3
35.	Dr. (Mrs) A. B. Yadav	1-1-1966
36.	Dr. M. Singh	1-1-1966
37.	Dr. I. S. Chakravarty	1-1-1966
38.	Dr. S. P. Biswas	1-1-1966
39.	Dr. R. N. Thakkar	1-1-1966
40.	Dr. G. L. Jaiswal	1-1-1966
41.	Dr. K. L. B. Saha	1-1-1966
42.	Dr. G. H. Bhatia	1-1-1966
43.	Dr. S. K. Gupta	1-1-1966
44.	Dr (Mrs.) I. Sethi	1-1-1966
45.	Dr. S. M. Chaturvedi	1-1-1966
46.	Dr. D. R. Bapat	1-1-1966
47.	Dr. B. N. Khanapurkar	1-1-1966
48.	Dr. R. D. Bhandari	1-1-1966
49.	Dr. (Mrs.) S. Bhandari	1-1-1966
50.	Dr. D. D. Arora	1-1-1966
51.	Dr. J. J. Kelkar	1-1-1966
52.	Dr. S. D. Dixit	1-1-1966
53.	Dr. G. D. Hsonka	1-1-1966
54.	Dr. K. P. Singh	1-1-1966

B. D. MEHRA  
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Utkal Containers & Traders Private Ltd.*

Cuttack, the 11th December 1975

No. A.555/75-2589(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Utkal Containers & Traders Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Associated Distributors Private Ltd.*

Cuttack, the 11th December 1975

No. A.486/75-2588(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Associated Distributors Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. N. GUHA  
Registrar of Companies, Orissa

## FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prokash Khanna.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-9/C-9/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 9E), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

16—416GI/75

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Manju Puri.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1975

Ref. No. TR-10/C-10/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (United 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Unit No. 5B on premises No. 75C, Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely :—

Date : 27-12-1975.

Seal .

## FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sidhraj Bhandari

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1975

Ref No. TR-11/C-11/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 5A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Union No. 5A on 5th floor on premises No. 75C, Park Street, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Sita Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1975

Ref No TR-12/C-12/Cal-1/74 75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 9, situated at Kiran Sankar Roy Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt Place North, Calcutta on 8-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sita Mitra  
(2) Shrimati Manu Rani Saha

(Transferee)

(3) (1) Santosh K. Dutta, (2) Biswanath & Sankar Mukherjee, (3) Kshetra Bera, (4) Baldeo Singh Grawal, (5) Omprakash Gupta, (6) Badhu Singh, (7) Sitaram Kasherbani, (8) Duddh N. Singh, (9) Musafir Singh, (10) P. K. Dutta, (11) I. N. Das, (12) K. G. Banerjee, (13) Gita De, (14) Mukherjee & Co., (15) Kai Sen & Co., (16) Hope Johnstone & Son, (17) Sita Singh, (18) Bhagwan Das, (19) Shyamal Esq., (20) Arjun Nayak, (21) Dina N. Singh  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Three storied building with land measuring 2 K-15 Ch-3 sq ft more or less being premises No 9, Kiran Sankar Roy Road, Calcutta-1

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 27-12-1975.

Seal

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Bejoy Kristo Pramanick, and  
(2) Shri Lokesh Ranjan Pramanick,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1975

Ref. No. TR-18/C-25/Cal-1/75-76—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 11/6 situated at Christopher Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Government Place West Calcutta on 23-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 Cottahs 6 Chittacks 9 sq. ft. more or less together with brick-built buildings and Asbestos structure lying at 11/6 Christopher Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ghanshyamdas S/o Shri Mool Chand Agarwal,  
R/o Mohalla Dhadho, Bikaner.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1975

Ref No Raj/IAC(Acq)/307.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 68 situated at Bikaner,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Bikaner on 29-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Chhaganlal S/o Shri Mool Chand, R/o Mohalla Nahto, Bikaner  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property on plot No 68, Industrial Area, Ram Bazar, Bikaner more fully described in conveyance deed registered on 29-7-1975 at S.No. 1285 Book No. 1 volume 291 pages 27 to 32 by Sub Registrar, Bikaner.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date 23-12-1975.  
Seal .

## FORM ITNS

(1) Smt Chandra Kanta Bhushan w/o Shri Rama Kant Bhushan & Smt. Bhagwati Devi Jhingran both r/o 41-5/4 Singh Sabha Road Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Amrit Lal Kapur s/o Shri Behari Lal Kapur r/o F-5, Green Park Extn. New Delhi-16.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref No IAC/Acq-I/SRIII/ May-1 (33)/758/75-76—  
Whereas, C. V. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S 475, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9/5/1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land bearing No 475 in Block S in the residential colony known as Greater Kailash-II measuring 557 sq. yds situated in village Bahapur in the Union Territory of Delhi bounded as under —

East : Road  
West : Service Lane  
North : Plot No. S/473  
South Plot No. S/477.

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi

Date 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shaboo Prem Chand Bhagwanani s/o Late Shri Prem Chand Bhagwanani through General attorney of Shri Nihal Chand Hassaran Bhagwanani s/o Late Shri Hassaran Telarama Bhagwanani r/o 3, Silver Beach Society, Plot No. 23, North South Road No. 10, Juhu Scheme, Bombay-400058. (Transferor)

(2) Smt. Asha Johri w/o Capt. C. M. Johri, r/o 1659, Mohan Mansion, Kashmere Gate, Delhi-6. (Transferee)

(3) Shri Shrichand Raisinghani  
(Person(s) in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/747(19)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. L-18, situated at Kailash Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 5/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Accommodation consisting of the first floor consisting of the drawing cum dining room, two bed rooms, kitchen, bath room, water closet, front and back verandhas having the total area of 695.5 sq. ft. together with a stair-case area of 114.41 sft. and Barasti at Second floor consisting of one room, one store cum kitchen bath and W.C. in the building constructed on plot measuring 200 sq. yds. bearing No. L-18, and is situated in Kailash Colony, New Delhi within the limits of Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Road  
North : Plot No. L-17  
West : Other's land  
South Plot No. L-19.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Chander Anand, s/o Shri Shiv Dayal Anand, r/o House No. B-74, Kalkaji, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Ajit Singh Joher r/o C-139, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-1/SRIII/Mar-I/738(1).—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

N-5, situated as Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

17-416GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 5 Block No. 'N' measuring 309sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-I, situated at village Yakutpur in the Union Territory of Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Plot No. N/7

West : Plot No. N/3

South : Service Road

North : Road.

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri T. Dass Gupta, s/o Shri P. C. Gupta 45, Turf View, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/May-II/770(1).—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-79, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) to Section 269 of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Dr. Swaran Singh Paul, s/o Shri S. Gurdial Singh, 2, Smt. Savitri Devi w/o Dr. Swaran Singh Paul, r/o 66, Jorbagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A lease-hold plot of land measuring 325 sq. yds. known as B-79, Defence Colony, New Delhi-24 along with the building, super-structure fittings and fixtures etc. together with all the ways, paths, rights latent and patent, privileges, easements benefits, advantages of the property whatsoever enjoyed by the Vendor.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Malcha Properties Ltd., 19, Netaji Subhas Road, Calcutta.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/700A/75-76.—Whereas, I,

C. V. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two flats (1& 4) on G.F. & F.F. of buildings on Plot No. 11 and 12 in Block 48, situated at Sardar Patel Road, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at New Delhi on 22/5/1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. National & Grindlays Bank Ltd., Now known as Grindlays Bank Ltd., 19, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.  
(Transferee)

(3) M/s. National & Grindlays Bank Ltd.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two flats numbered one on the ground floor and numbered four on the first floor of the building on the land situate at Plots Nos. 11 and 12 in Block No. 48, Sardar Patel Marg, within the distt. of New Delhi including one half part in depth of the joists between the floors of the said flats & the ceiling of the flats above and below the same, the Internal & External walls appurtenant to the said flats together with the two garages & eight out-houses (seven out-houses on the first floor and one out-house on the ground floor) also with easements rights, privileges set out in the second schedule to the Sale-deed dated 30/12/74 between M/s. Malcha Properties Ltd., Calcutta and M/s. National and Grindley's Bank Ltd., Calcutta.

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Malcha Properties Ltd., 19, Netaji Subhas Road, Calcutta.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gillanders Arbuthnot & Co. Ltd., Gillander House, Netaji Subhas Road, Calcutta.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, (3RD FLOOR), SAHIB SINGH BLDG. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/706A/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One flat No. 2 on G.F. of building on Plot No. 11 & 12 in Block No. 48, situated at Sardar Patel Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The flat No. 2 on the ground floor of the building situate at Plot Nos. 11 and 12 in Block No. 48, Sardar Patel Marg, New Delhi, including one-half part in depth of the joists between the floors of the said flat and the ceilings of the flat above the same, the Internal & External walls appurtenant to the said flat together with one garrage and four outhouses (three outhouses on the ground floor and one outhouse on the first floor) and also with the easements rights and privileges set out in the second schedule to the Sale-deed dated 30/12/74 between M/s. Malcha Properties Ltd., Calcutta and M/s. Gillanders Arbuthnot & Co. Ltd., Calcutta.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date : 27-12-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Malcha Properties Ltd., 19, Netaji Subhas Road, Calcutta,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. I.C.I. (India) Pvt. Ltd., 34, Chowringhee Road, Calcutta.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, (3RD FLOOR), SAHIB SINGH BLDG. ASAFAF  
ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. JAC/Acq.-I/SRIII/692A/1953)/75-76.—Whereas  
I, C. V. GUPTA,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961  
(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have  
reason to believe that the immovable property having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Flat No. 3 on F.F. of building on Plot Nos. 11 and 12 in  
Block No. 48, situated at Sardar Patel Road, New Delhi,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto) has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at New Delhi on 21/5/1975,  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
by more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The flat No. 3 on the first floor of the building situate at Plot Nos. 11 and 12 in Block No. 48, Sardar Patel Marg, New Delhi, including one-half part in depth of the joists between the floors of the said flat and the ceilings of the flat below the same, the internal and external walls appurtenant to the said flat together with one garage and four outhouses (three-outhouses on the first floor and one on the ground floor) and also with the easements rights and privileges set out in the second schedule to the sale-deed dated 30-12-74 between M/s. Malcha Properties Ltd., Calcutta and M/s. I.C.I. (India) Private Limited, Calcutta.

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 27-12-75

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt Jameelunnisa Begum, W/o Major Mohd Asim  
Muza, H No 8 2-401/1, Road No 5 Banjara Hills,  
Hyderabad

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Narayanlal Yadav, S/o Munnalal Yadav, H No  
15 7-553 at Begum Bazar, Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 27th December 1975

Ref No RAC No 216/75 76 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 15 7-553 situated at Begum Bazar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

**THE SCHEDULE**

Property Mulgi No 15 7-553 in ground floor, situated at Begum Bazar, Hyderabad

K S VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assit Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date 27 12 1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chhotubhai Naranji Patel & Shri Thakorbhai Iallubhai Patel, Directors of 'Girraj Exhibitors Pvt Ltd, Navsari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 19th December 1975

Ref No PR No 271 Acq 23 612/7 4/75 76 —Whereas, I, P N MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S No 623/2, admeasuring 9801 Sq ft situated at Station Road near Girraj Theatre, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 12-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(2) M/s Girraj Apartments Co op Housing Society, through its President, Shri Jagubhai Dahyabhai Patel & Secretary Dahyabhai Rambhai Patel, behind Girraj Thcatre, Navsari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land bearing S No 623 2 and admeasuring Acre 0 09 Guntha i.e. 9801 Sq ft situated behind Girraj Theatre, Navsari, and as fully described in sale-deed bearing Registration No 421 of May 1975 of Registering authority, Navsari

P N MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range II Ahmedabad

Date 19 12-1975  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sumanben Vrajilal Mehta, Bombay, (2) Smt. Prabhavati Dalpatlal Mehta, Bombay. Power of Attorney : Dr. Anandlal Bapalal Kothari; 2, Samapatrao Colony, Baroda.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Vijay Chandrakant Vyas; (2) Dr. Darshana Vijay Vyas; C/o Shri Bhaskerbhai P. Vin, 7-Vijay Society, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 19th December 1975

Ref. No. P.R. No. 272, Acq. 23-613/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 432/62 admeasuring 5500 Sq. ft. situated at Baroda Kasba, Sayaji Ganj, On Jetalpur Road, Behind Viswas Colony, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Baroda on 16-5-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land at Vadodara Kasba, Sayaji Ganj area, on Jetalpur Road, behind Viswas Colony, Baroda bearing R.S. No. 532/62 and admeasuring 5500 Sq. ft. as fully described in sale deed bearing registration No. 3103 of May 1975 of the Registering authority, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 19-12-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Anumita Dasgupta (2) Madhuri Dasgupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta the 29th December 1975

Ref. No. TR-23/C-20/Cal-1/75-76 —Whereas, I, S K CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 38 (Southern Portion) situated at Creek Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

18—416GI/75

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

33 1/3 share in premises No 38 Creek Row (Southern portion) now 37A, Mohendra Sarker St, Calcutta partly two & partly three storied building built on land containing 3 Cottahs 5 chittacks & 28 sq ft

S K CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 16

Date 29-12-1975

Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Anima Dasgupta & (2) Madhuri Dasgupta,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Mayarani Sen  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. TR-22/C-19/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 38 (Southern Portion) situated at Creek Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

33 1/3 share in premises No. 38 Creek Row, (Southern Portion) now numbered as 37A, Mahendra Sarker St, partly two & partly three storied building built on land containing 3 cotahs 5 chittacks & 28 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date : 29-12-1975  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. TR-19/C-26/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 situated at Little Russel St., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 23-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Rampeary Tejpal. (Transferor)
- (2) Shri Nirmal Kumar Jhunjhunwala. (Transferee)
- (3) M/s Damani Engineering Co. and Brijmohan Damani. (Person in occupation of the property)
- (4) M/s N. K. Investment Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15 Kt. 33 Ch. and 20 sft. land with dwelling house erected thereon being premises No. 5, Little Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anima Dasgupta & (2) Madhuri Dasgupta.  
(Transferor)

(2) (i) Shri Anjan Dasgupta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. TR-21/C-18/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 (Southern portion) situated at Creek Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

33 ½ share in premises No. 38, Creek Row (Southern portion) now numbered as 37A, Mahendra Sarkar St., partly two and partly three storied building built on land containing 3 cottahs 5 chittacks and 28 sq ft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 29-12-1975

Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JYOTHI  
BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM,  
COCHIN-11

Cochin-11, the 24th December 1975

Ref : L.C. No. 52/75-76.—Whereas, I. M. M. KURUP, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

sy. nos as per schedule situated at Shoranur Panchayat in Palghat Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ottappalam on 10-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Lonappan, S/o. Povulose, Contractor, Thaliyath House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk (ii) Poly S/o Lonappan, Thaliyath House, Iringalkuda, Mukundapuram Taluk. (iii) Devasy, S/o Povulose, Contractor, Alukkal House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (iv) Joseph, S/o. Devasy, Contractor, Alukkal House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (v) Joseph, S/o. Ouseph, Contractor, Uruvath House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (vi) Thomas, S/o. Variyath, Payandath House, Karukkutty, Kothakulangara North Village, Alwaye Taluk. (vii) Rosakutty, W/o. Thomas, Payanadath House, Karukkutty, Kothakulangara North Village, Alwaye Taluk. (viii) Grogiya, W/o Roll, Kannayi House, Iringalakuda, Manavalasseri, Mukundapuram Taluk. (ix) poll S/o. Late Antony, Porathukkaran House, Manavalasseri Village Mukundapuram Taluk. (x) Devassykutty S/o Late Antony, Porathukkarm House, Manavalasseri village, Mukundapuram Taluk. (Transferor)

- (2) (i) P. K. Rajan, Proprietor, The Lakshmi Picture Palace, Ottappalam, (ii) Santha Kumari Amma, Partner, The Soranur Tile Works, Shoranur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

11 acres of land with buildings in Sy. Nos. 27A/7, 27A/8, 27A/9, 29/12, 29/13, 27A/11, 27A/12, 27A/6, 27A/2, 27A/3, 27A/5, 28/3, 27A/10, 27A/4, 28/1, 28/2, 27B/2, 34/2, 27B/1, 27B/3, 27/3, 27B/7, 27/7, 27B/5, 27/5, 27B/9, 27B/4, 27/4, 48B/16, 48/16, 48/B17, 48/17, 48B/18, 48/18 in Shoranur Panchayat in Ottappalam taluk in Palghat District.

M. M. KURUP,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date 24-12-1975

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Jameelunnisa Begum, W/o Major Mohad Asim Mirza, H.No.8-2-401/1 at Banjara Hills, Road, No. 5, Hyderabad-34.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 27th December 1975

Ref. No. RAC. No. 217/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-7-554 situated at Begum Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, Hyderabad on 30-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : Mulgi, No. 15-7-554 at Bagum Bazar, Hyderabad, Area. 60 Sq. Yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411004, the 30th December 1975

No. C.A.5/May 75/Haveli-II(Poona)/259/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 260/4, New 1154A, Sadashiv peth, Poona-30 situated as Sadashiv peth, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 12-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely :—

(1) (1) Shri Jagannath Gopal Ranade,  
(2) Smt. Nirmala Jagannath Ranade,  
(3) Shri Prakash Jagannath Ranade,  
(4) Shri Pradeep Jagannath Ranade,  
new 1154 Sadashiv peth, Near Perugate, Poona 30.  
(Transferor)

(2) Ranade Wada Sahakari Griharachana Sanstha Marayadit, Chairman : Mrs. Pratibha N. Soman New 1154A Sadashiv peth, Poona 30.  
(Transferee)

Bldg. No. 1

(3) Shri Rajaram Mahadev Rishi  
2. Shri Narayan Subbarao Kanetkar  
3. Mrs. Kaumudi Chandrakant Karandikar  
4. Smt. Sulabha Ramchandra Kale  
5. Shri Krishnaji Keshav Puranik  
6. Smt. Kamalabai Mahadeo Gogte  
7. Shri Nagesh Sadashiv Limaye  
8. Mrs. Pratibha Narayan Soman  
9. Shri Narayan Ganpat Bastimane  
10. Mrs. Neeta Madan Dahanukar  
11. Shri Gajanan Subbarao Kumthekar  
12. Smt. Indirabai Ramchandra Katti

Bldg. No. 2

13. Shri Narayan Gopal Patwardhan  
14. Shri Padmakar Gangadhar Kale  
15. Jagannath Gopal Ranade  
16. Smt. Nirmala Shivram Sane  
17. Mrs. Vasundhara Anant Kulkarni  
18. Dr. Yeshwant Bhaskar Paranjape  
19. Shri Amrutrao Trimbak Joshi  
20. Shri Madhav Anant Pendse,  
21. Shri Yeshwant Mahadeo Dole,  
all residing at 1154 A. Sadashiv peth, Poona-30.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold piece of land measuring 602.94 sq. metres from city S. No. 260/4 New 1154A Sadashiv Peth, Poona-30 with two four storeyed bldgs., thereon [Opp. M.E.S. (Boys) High School, Poona].

Bldg. no. 1 built up plinth area each floor 2530 sq. ft.

Bldg. no. 2 built up plinth area each floor 1705 sq. ft.

Constructed in 1971, 1972, 1973.

(property as mentioned in the Registered deed No. 973 of May, 75 of the Registering authority Haveli II, Poona).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date 30-12-75.

Seal .

## FORM ITNS—

(1) Shri Jagdarshan Singh, s/o Shri Jaswant Singh,  
Village Baring Khera, District Faridkot,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joginder Singh, s/o Shri Narayan Singh,  
House No. 622, Sector 11-B, Chandigarh.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE 156, Sector 9-B  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 29th December 1975

Ref. No. CHD/40/75.—Whereas, I, V. P. MINOCHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential plot measuring two Kanal No. 5-K new No. 2170 Sector 15-C, situated at Chandigarh,  
(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
Chandigarh in  
June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot measuring two kanals No. 5-K, new No. 2170, Sector 15-C, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 271 of June, 1975 of the Registering Authority, Chandigarh).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 29th December 1975  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Krishan Dev Singh, s/o Shri Raghunath Singh,  
H. No. 1908, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 29th December 1975

Ref. No. CHD/224/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of House No. 1125, Sector 21-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in July, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-Tax Act, 1957) (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19-416G/75

(2) (i) Shri Sat Pal Singh s/o Shri Gian Singh, R/o 1220 Sector 22-B, Chandigarh.

(ii) Shri Randhir Singh, s/o Shri Ragunath Singh, 1908, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/3rd share of House No. 1125, Sector 21-B Chandigarh.

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 29th December 1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 156, Sector 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 29th December 1975

Ref No. CHD/331/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF No. 3, Sector 27-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) i. Shri Sarbjit Singh s/o Shri Parshan Singh,  
ii. Shri Darshan Singh, s/o Shri Kartar Singh,  
iii. Shri Jasvir Singh, s/o Shri Jagat Singh through  
their attorney Shri Balraj Singh, s/o Shri Darshan  
Singh, 116, Sector 9-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Shiam Singh, s/o Shri Sohan Singh, R/o H. No.  
6, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 3 Sector 27-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 29th December 1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Amal Singh s/o Shri Harnam Singh, Alias Ghona Singh, Village Kini, Tehsil Jagraon.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, Sector 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

Ref. No. JGR/1/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 100 kanals and 6 marlas, 6/7 share from 117 kanals, situated at Village Kini, Tehsil Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (i) Shri Iqbal Singh, s/o Shri Niranjan Singh, Village Takhtu Pura, Tehsil Moga.  
(ii) Shrimati Kartar Kaur, d/o Shri Anokh Singh Village Sidhwani Kalan  
(iii) Shri Tarlochan Singh, s/o Shri Indeep Singh, Village Sidhwani Kalan, Teh. Jagraon.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 100 kanals and 6 marlas (6/7 share from 117 kanals) Khata 54/73, Rect. 4, Kilas, 9, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 22—Rect. 3, Kila 6, 15, 16, 25—Rect. 5, Kila 1, 2—Rect. 6, Kila 5, Jamabandi 1970-71, Village Kini, Tehsil Jagraon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 448 of May, 1975 of the Registering Authority, Jagraon.)

V. P. MJNOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 1st January 1976

Seal :

## FORM IINS

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Ram Singh Village Galib Kalan Tehsil Jagraon

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE CHANDIGARHChandigarh the 1<sup>st</sup> January 1976

Ref No JGR/6/75/76—Whereas, I V P MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No Land 38 kanals and 14½ marlas, situated at Galib Kalan, Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) i) Shri Sarwan Singh  
ii) Shri Daishan Singh,  
iii) Shri Charanjit Singh, } sons of Shri Mukhtiar Singh, Residents of Village Galib Kalan, Tehsil Jagraon (Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 38 kanals and 14½ marlas situated in Village Galib Kalan Tehsil Jagraon Jambandi 1956/57 Rect 18 Kilas 13 18 19 22 2 Min Rect 109 Kilas 22/1 Min & 23/2 Min—Khata 48/61-46/58-471/610

(Property a, mentioned in the Registered Deed No 711 of May 1975 of the Registering Authority, Jagraon)

V P MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date 1<sup>st</sup> January 1976

Seal

## FORM ITNS

(1) i. Shri Dharam Singh s/o Shri Nihal Singh,  
ii. Smt. Pritam Kaur, w/o Shri Dharam Singh,  
Residents of Village Jahangir, Tehsil Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

Ref. No. PTA/627/75-76.—Whereas I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 56 kanal 12 marlas situated in Village Charason, situated at Village Charason, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (ii) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) i. Shri Ajit Singh,  
ii. Shri Gurdeep Singh, } s/o Shri Hazara Singh,  
iii. Shri Pargan Singh, s/o Shri Dharam Singh,  
Bhagtan Wala Gate, Amritsar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 56 kanals and 12 marlas situated in Village Charason, Tehsil Patiala.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1587 of June, 1975 of the Registering Authority, Patiala).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dalba Singh, s/o Shri Khiwa Singh Resident  
of Village Chakkari, Tehsil Jagraon  
(Transferor)

(2) Smt Bachan Kaur, w/o Shri Dalba Singh, Resi-  
dent of Village Chakkari, Tehsil Jagraon  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh the 1st January 1976

Ref No JC.R/577/75 76—Whereas, I, V P MINOCHA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,00/- and being No 1 land measuring 62 kanals and 3½ marlas, (1/2 share of 124 kanals and 7 marlas) situated at Village Chakkari, Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 land measuring 62 kanals and 3½ marlas (1/2 share of 124 kanals and 7 marlas) situated in Village Chakkari, Tehsil Jagraon  
Khata No 534/600, 535/601 536/602, 1097/1229, 1098/1230,  
Rect. No. 49, Killa No. 16/2, 17/2, 24/1, 24/2, 25,  
Rect. No. 48 Killa 21-22/1,  
Rect. No. 67, Killa No. 4/1, 4/2, 4/5, 4/3, 4/4,  
Rect. No. 68, Killa No. 1-2 9/1-10/1 Khasia No. 362-855,  
Rect. No. 199 Killa No. 4/2, 7, 14/2 15, 5/2, 6  
Rect. No. 200, Killa No. 1/2 10 110 1 and 1/2 M 1/4  
share of land 2 M, Khata No. 537/603, Khasia No. 955/1  
(Gurmukh Grah, Jamabandi for the year 1973-74,  
(Property as mentioned in the registered deed No. 1797 of June, 1975 of the Registering Authority, Jagraon).

V P MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Dalbara Singh, s/o Shri Khiwa Singh, Resident of Village Chakkar, Tehsil Jagraon.  
(Transferor)

NOTICE UNDFR SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jaywant Kaur, w/o Gurdev Singh, Resident of Chakkar, Tehsil Jagraon.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

Ref No. JGR/578/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 62 kanals and 4 marlas, situated at Village Chakkar, Tehsil Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 62 kanals and 3½ malas, (1/2 share of land 124 kanals and 7 marlas) Khata No. 534/600, 535/601, 536/602, 1097/1229, 1098/1230, Rect. No. 49, Killa No. 16/2, 17/2 24/1, 24/2, 25, Rect. No 48 Killa No. 21, 22/1 Rect. No. 67, Killa No. 4/1, 4/2, 4/5, 4/3, 4/4 Rect. No. 68, Killa No. 1-2-9/1-10/1 Khasra No. 362-855, Rect. No. 199, Killa No. 4/2-7-14/2-15-5/2-6, Rect. No. 200, Killa No. 1/2-10-110, land 1/2 M, 1/4 share of land 2 M, Khata No. 537/603 Khasra No. 955/1, Jamabandi for the year 1973-74 of Village Chakkar, Tehsil Jagraon.  
(Property as mentioned in the registered deed No. 1799 of June, 1975 of the Registering Authority, Jagraon).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shivdev Singh, s/o Shri Sardara Singh, Resident of Raikot, Tehsil Jagraon.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Balwant Singh,  
(ii) Shri Shamsher Singh, } sons of Shri Ajjun Singh,  
Residents of Burj Hakim  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. RKT/205/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 42 kanal 17 marlas, situated at Raikot, District Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raikot in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 42 kanals and 17 marlas, situated at Raikot, Tehsil Jagraon.

Jamabandi 1973-74.

Khata No. 2199/2360, 2197/1/2360/1.

Khasia No. 239/7/2, 14, 16, 17, 25/2, 242//5/2, 240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1, 241/1/1, 2/1, 239/26.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 706 of June, 1975 of the Registering Authority, Raikot).

**V. P. MINOCHA,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Shivdev Singh, s/o Shri Sardara Singh, Resident of Raikot, Tehsil Jagraon.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. RKT/206/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 42 kanals and 16 marlas situated at Raikot, District Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raikot in June, 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—  
20—416GI/75

(2) (i) Shri Balwant Singh, } Sons of Shri Arjun Singh,  
(ii) Shri Shamsher Singh, } Residents of Burj Hakim.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 42 kanals and 16 marlas, 1/2 share out of land measuring 85 kanals and 12 marlas, situated in Raikot, District Ludhiana.

Jamabandi 1973-74.  
Khata No 2197/2310, 2197/1/2360/1.  
Khasra No. 239/7/2, 14, 15, 16, 17, 25/2, 242/5/2, 240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1, 241/1/1, 2/1, 239/26.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 673 of June, 1975 of the Registering Officer, Raikot).

**V. P. MINOCHA,**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Parshad, s/o Shri Mohan Lal, Resident of Phagwara, through Shri Jagan Nath, s/o Shri Mohan Lal, Resident of Phagwara.  
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Mohinder Kaur, w/o Shri Mohan Singh, Resident of Tagore Nagar, Ludhiana.  
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. LDH/C/108/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant plot of land No. 47, at Taraf Hassan Rora, Tagore Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot of land No. 47 at Taraf Hassan Rora, Tagore Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 2305 of June, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M/s Rajiv India Industries, 366, Industrial Area 'A', Ludhiana through Shri Vinod Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sanjeev Woolen Mills, Ludhiana through Shri Hira Lal Goyal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. LDH/C/109/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Factory building No. 366, Industrial Area 'A', situated at Ludhiana ..

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory Building No. 366, Industrial Area 'A', Ludhiana.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2338 of June, 1975 of the Registering Authority, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 1st January 1976

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Shri Kirpal Singh, s/o Shri Pritam Singh, G.T. Road, Miller Ganj, Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Indra Motors, G.T. Road, Ludhiana.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. LDH/C/116/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 12 biswas and 2 biswansis i.e. 1815 sq. yds. Dholewal alongside the Railway line situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 12 biswas and 2 biswansis i.e. 1815 sq. yds. situated in Dholewal alongside the railway line about 100 feet away from the G.T. Road, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2738 of June, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sunder Singh, s/o Shri Prabh Dayal Singh,  
1158, Sector 18-C, Chandigarh.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. CHD/223/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory No. 331, Industrial Area, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) (i) Shri Naginder Singh Schmi, J sons of Shri Hari Singh  
(ii) Shri Mohinder Singh Schmi, J Sehmi  
Residents of Village & Post office Tajpur, District Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory No. 331, Industrial Area, Chandigarh.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 475 of July, 1975 of the Registering Authority, Chandigarh)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Santosh Rani w/o Sh. Hukam Chand Talwar r/o 59/20, Parbhat Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) K. Ravindran s/o Sh. C. Kashavan Nair, r/o J-70, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

(3) Shri K. G. Sreedharan s/o Sh. K. Govinda Menon r/o H.No. 22, Block No. 60., WEA, Karol Bagh, New Delhi  
(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1975

No. IAC.ACQ.III/SR-III/May/285(17)/75-76.—Whereas,  
I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22, Block No. 60 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16.5.1975

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share of double storey building bearing property No. 22, Block No. 60, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq. yds. and bounded as under :—

North : Road  
East : Plot No. 21

South : Service Road  
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 26th December 1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Santosh Rani w/o Sh. Hukam Chand Talwar  
1/o 59/20, Parbhav Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1975

No. IAC.Acq.III/SR.III/May/284(16)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, Block No. 60 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Smt. K. G. Janaki Nair w/o Sh. C. Kashavan Nair  
r/o J-70, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

(3) Shri K. G. Sreedharan s/o Sh. K. Govinda Menon  
r/o H. No. 22, Block No. 60, WEA, Karol Bagh,  
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1.4th undivided share of double storey building bearing property No. 22, Block No. 60, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq. yds. and bounded as under :—

North : Road  
East : Plot No. 21

South : Service Road  
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 26th December 1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1975

No. IAC.Acq.III/Sr.III/May/298(14)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, Block No. 60 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Smt. Santosh Rani w/o Sh. Hukam Chand Talwar, r/o 58/20, Parbhat Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. C. Janaki Menon w/o Sh. K. C. Menon, r/o J-70, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

(3) Shri K. G. Sreedharan s/o Sh. K. Govinda Menon r/o H.No. 22, Block No. 60, WEA, Karol Bagh, New Delhi  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share of double storey building bearing property No. 22, Block No. 60, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq. yds. and bounded as under:—

North : Road  
East : Plot No. 21

South : Service Road  
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 26th December 1975  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Santosh Rani w/o Sh. Hukam Chand Talwar,  
r/o 59/20, Parbhav Road, Karol Bagh New Delhi.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI**

New Delhi, the 26th December 1975

No. I:AC.Acq.III/SR.III/May/297(13)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, Block No. 60, WEA situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—416 GI/75

(2) Smt. M. Sree Devi w/o Shri K. G. S. Menon r/o 62109 Gali No. 1, Block No. 1 Deva Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri K. G. Sreedharan s/o Sh. K. Govinda Menon r/o H. No. 22, Block No. 60 WEA, Karol Bagh, New Delhi  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/4th undivided share of double storey building bearing property No. 22, Block No. 60, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq. yds. and bounded as under :—

North : Road  
East : Plot No. 21

South : Service Road  
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 26th December 1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1 Shri Mahadeo Prasad Bagla s/o Late Rai Bahadur Seth Kunhya Lal r/o 5-H, New Road, Alipore, Calcutta

2 Shri Shree Krishna Bagla 3 Sh. Shri Ram Bagla both sons of Late Hanuman Prasad r/o 2 B, Rolandsay Road, Calcutta and 5-K, New Road, Alipore, Calcutta

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4A/14, ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR  
NEW DELHI

(2) 1 Ved Parkash

2 Shri Subhash Chandra

3 Shri Satya Narain Gupta  
sons of Shri Suraj Mal

r/o 1711, Queens Road, Nahar Sadat Khan, Delhi-6.  
(Transferee)

(3) 1 Sv/Shr; Pt Bhola Nath

2 Shri Bhagwan

3 Pt Brij Mohan

4 Raghunath Dass

[Person(s) in occupation of the property]

New Delhi, the 27th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

10 rooms on the basement ground and first floor having an area of 2380 sq. ft. in the property No 1711, Queens Road, Nahar Sadat Khan, Delhi-6, 1/72 imparable share in the land and ground

S N L AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 27th December 1975  
Scal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

No IAC/Acq II/999/1941/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No. Portion of property No 1711 situated at Queens Road, Nahar Sadat Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Shri Mahadeo Prasad Bagla s/o Late Rai Bahadur Seth Kanhya Lal 1/o 5 H, New Road, Alipore, Calcutta

2 Shri Krishna Bagla, 3 Sh. Shree Ram Bagla, both sons of Late Hanuman Prasad r/o 2-B, Rolandsay Road, Calcutta and 5-K, New Road, Alipore, Calcutta

(Transferor)

(2) 1 Sh Krishan  
2 Satish Kumar  
3 Shri Satya Narain Gupta  
All sons of Shri Suraj Mal r/o 1711, Nahar Sadat Khan, Queens Road Delhi-6

(Transferee)

(3) Sv/Shri Amir Bahadur  
2 Krishan Chand  
3 Mool Chand  
4 Tarlok Chand

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

11 rooms in the basement ground floor and first floor having an area of 2380.50 sq ft in the property No 1711, Queens Road, Nahar Sadat Khan, Delhi-7/72 imparable share in the land and ground

S N L AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 27th December 1975  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.H/1891(998)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-5 situated at Tandon Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chiranjit Lal s/o Shri Mool Chand r/o Village Kiltodh, Teh. Jajjar, Distt. Rohtak (Haryana) through his General Attorney Smt. Bhupinder Kaur w/o Shri Manjit Singh r/o D-5, Tandon Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferor)

(2) Shri Manjit Singh and  
Shri Satpal Singh sons of  
Shri Tarlok Singh,  
1/o D-5, Tandon Road Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-hold built house bearing No. D-5 at Tandon Road, Adarsh Nagar, Delhi constructed on a plot of land measuring 120 sq. yds, and bounded as under :—

North : Passage 10 ft.  
South : Tandon Road 25'  
West : House on plot No. D-3  
East : House on plot No. D-7.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 27th December, 1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.II/July/973(31)/75-76.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19 Biswas of land bearing Plot No. 238, Khasra No. 238, Village Nangli Sakrawati, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagan Nath s/o Shri Sadhu Ram r/o WZ-423, Shiv Nagar, New Delhi and Smt. Uttam Devi w/o Shri Ram Chand r/o WZ-434, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh s/o Dr. Mehtab Singh r/o F-135, Rajouri Garden, New Delhi and Shri Ravi Sharma s/o Shri S. R. Sharma, r/o 3, Kotla Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 biswas of land bearing plot No. 238, and Khasra No. 238, situated in 'Lal Dora' Abadi Deh of Village Nangli Sakrawati, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Others property  
West : Gali  
North : Others plot  
South : Others plot

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.II/July/963(20)/75-76.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agricultural land 8 bighas 15 biswas situated at village  
Nangli, Sakrawati, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-7-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Lakhmi Chand s/o Shri Subh Ram self and G. A. of S/Shri Daya Chand, Balbir, Raghbir ss/o Shri Subh Ram and Smt. Barpho w/o Shri Attar Singh d/o Shri Subh Ram all 1/o Village Nangli, Sakrawati, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Yash Rani w/o Shri Jagan Nath and Shri Jagan Nath s/o Shri Sadhu Ram both r/o WZ-423, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bighas 15 biswas bearing  
mustatil No. 23, Killa No. 2/1, (3-0), Killa No. 9/2 (3-0),  
Killa No. 12/1 (2-15) situated in the area of village  
Nangli Sakrawati, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-III, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR./II/July/864(21)/75-76.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agricultural land mg. 13 bigha 3 biswas situated at village Nangli Sakrawati, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-6-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Gopal Singh Kohli s/o Shri Hari Singh r/o 20-B/78, Tilak Nagar, New Delhi, as G.A. of Shri Sis Ram s/o Shri Ramji Lal of village Nangli Sakrawati, Delhi.

(2) Smt. Saran Kaur w/o Shri Gopal Singh Kohli r/o 20-B/78, Tilak Nagar, New Delhi as G.A. of Shri Rampat s/o Shri Ramji Lal of Village Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh s/o Shri Gopal Singh Kohli r/o No 20-B/78, Tilak Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 13 bigha 7 biswas entered in Rect. No. 15, Killa No. 13/1, 14/1 8 7/2 17/2 and 27 situated in the area of Abadi and Khasra No. 74, 1-0-3 Biswa) village Nangli Sakrawati Delhi State Delhi.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC, ACQ.III/SR.II/July/964(21)/75-76.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 9 Bigha 12 biswas of land situated at  
village Nagli Sakrawati, Delhi,  
(and more fully described in  
the schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at New Delhi on 29-7-1975,  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Lakhmi Chand s/o Shri Subh Ram self and G.A. of Smt. Barpho w/o Shri Attar Singh d/o Shri Subh Ram all r/o village Nangli, Sakrawati, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Yash Rani w/o Shri Jagan Nath and Shri Jagan Nath s/o Shri Sadhu Ram both r/o WZ-423, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bigha 12 biswas bearing Mustatil No. 23, Killa No. 1, (4-16), Killa No. 10 (4-16) situated in the area of village Nangli Sakrawati, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. G. B. Pai s/o Late Gunna Pai r/o  
13, Nizamuddin East, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Paxma Axle and Springs (P) Ltd., 8, DLF Industrial Area, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1976

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/May-I(26)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Banglow No. 13, situated at East Nizamuddin, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 7/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 13 Nizamuddin (East) measuring 1120 sq. yds. and located in Nizamuddin along with 2 storey-ed building and Servants Quarters attached thereto and all other structures, situated thereon and bounded as under :—

East : Road  
West : Lane.  
North Plot No. 14  
South : Land

C. V. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—416GI/75

Date : 2-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Jafarnisa d/o Jalaluddin Saiyadchhaga Kadari,  
Opp. Bahai Centre, Ahmedabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Nayankumar Hakamchand Shah, Patidar  
Society, Panchvati, Ahmedabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD

(3) (1) Laxmandas Arjandas;  
(2) Dr. L. H. Shah;  
(3) Rafikbhai Shankerbhai.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property bearing Sur. No. 4524/A/3; Subplot No. 2 & 9 of Survey No. 4524, Mun. Census No. 2839-A; 2839-A-1; 2839-A-2; 2839-A-3; 2839-A-4, standing on land admeasuring 624.2 sq. yds. situated at Shahpur, Ward-2, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed Regr. No. 5708 of May, 1975 by S. R. Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

Date : 30-12-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. Acq 23 I-626(248)/1-1/75 76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S No 283 situated at Godasar, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- 1 (1) Hariben Wd/o Naranji Lallaji, Near Mahakali Mandir, Dudheswar, Shahibag, Ahmedabad
- (2) Shri Amritlal Naranji for self and as Karta of HUF Pensionpura Nr Dariakhan Ghumat, Ahmedabad
- (3) Ajiben Wd/o Ambalal Naranji, Pensionpura, Nr. Dariakhan Ghumat, Ahmedabad
- (4) Shri Babulal Ambalal for self and as guardian of minor Dashrathilal Ambalal, Pensionpura, Nr Dariakhan Ghumat, Ahmedabad
- (5) Shri Bhikhaji Maghaji, Shahibag, Ahmedabad (Transferor)

- 2 Navrachna Co-operative Housing Society Ltd Desai niwas, Jethabhaiji Pole, Khadia Ahmedabad. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

An open plot of land bearing S No 283 admeasuring 2 Acres 21 gunthas, situated at village Ghodasar, Taluka, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered at No 5892 of May, 1975 by the Sub Registrar, Ahmedabad

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 30.12.1975.  
Seal

## FORM ITNS

(1) Smt. Chandramani Prabhudas, Near Sharda Nagar,  
Vrindavan Society, Bungalow No. 31, Ahmedabad-7.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrudulaben Suresh Kumar Shah, C/o. Chimanlal Jasrajbhai Shah, Ghanchini Pole, Manekchawk,  
Ahmedabad-1.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. Asq.23-I-636(249)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 66, 1/2 share of Sub-plot No. 31 of T.P. S.No. 26 situated at Vasana, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half share of the building standing on land admeasuring 460.9358 yards bearing S.No. 66, Sub-plot No. 31, Bungalow No. 31, of T.P. S.No. 26 and situated at Vasana, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Chandramani Prabhudas Patel, Near Sharada Nagar, Vrindavan Society, Bungalow No. 31, Ahmedabad-7.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. Acq. 23-I-637(250)1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 66, 1/2 share of Sub-plot No. 31 of TPS No. 26 situated at Vasana, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Suresh Kumar Chimantal Shah, C/o. Chimantal Jasrajbhai Shah, Near Manekchawk, Ganchini Pole, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half share of the building standing on land admeasuring 460.9358 yards, bearing S.No. 66, Sub-plot No. 31, bungalow No. 31 of TPS 26 and situated at Vasana, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1975.

Seal .

## FORM ITNS—

(1) Shri Khimji Rajabhai Sojitra, Upleta.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Champaben Mohanlal,  
 (2) Maganlal Nathabhai Patel,  
 (3) Ratilal Nathabhai Patel,  
 (4) Vallabhbabhai Nathabhai Patel,  
 All residing at Bombay.

(Transferee)

(3) (1) Shri Pratap Mansukhlal Shah,  
 (2) Shri Vipin Dhirajlal Makwana,  
 (3) Shri Hasmukh N. Manek,  
 (4) Shri Bharwat Mansukhlal Shah,  
 (5) Shri Keshavlal Dhanjibhai Soni,  
 (6) Shri Nursai Rama Vasan,  
 (7) Shri Vrajlal Jagabhai Mawani,  
 (8) Shri Batukbhai Raoji Sojitra,  
 Jawahar Co-op. Housing Society, Upleta.  
 (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-620(251)/16-7/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8, situated at Jawahar Cooperative Housing Society, Upleta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Upleta on 1-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on open land admeasuring 719-7 sq. yards bearing Plot No. 8 and situated at Jawahar Co-operative Housing Society, Upleta, Distt. Rajkot.

J. KATHURIA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date . 1-1-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-623(252)/1-1/75-76.—Whereas, I,

J. KATHURIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 1166/1 and 1169 situated at Naroda, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1975.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shashikant Somnath Vyas, Power of Attorney Holder of Smt Jadavben wd/o Somnath Karuna-shankar, Naroda Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Divya Kiran Co operative Housing Society Ltd., Mahesh Saw Mill, Munshi Compound, Naroda Road, Ahmedabad—

Through—

(1) Shri Abjibhai Ramjibhai Patel, Chairman, Mohannagar Society, Naroda, Ahmedabad.

(2) Shri Vithalbhai Ramjibhai Patel, Secretary, Mohannagar Society Naroda, Ahmedabad.

(3) Shri Dhanjibhai Ramjibhai Patel, Member, Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land bearing S. Nos. 1166-1 and 1169 and situated at Naroda, Ahmedabad and transferred vide documents as per details given below :—

S.No.	Document No.	Date of Registration	Apparent consideration	Area
1.	6644	27-5-75	Rs. 48,800	4664 sq. yds.
2.	6645	27-5-75	Rs. 48,800	4663 sq. yds.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-1-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-722(253)/1-1/75-76.—Whereas, I,

**J. KATHURIA,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 578, Sub-Plot No. 2 of T.P. S. No. 3 situated at Madalpur alias Chhadavad, Ellisbridge, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-5-1975, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Kantilal Kanaiyalal, for self and as Karta or Manager of Kantilal Kanaiyalal H.U.F., 'Kantam' C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (2) Minor Lavkumar Kantilal, his natural guardian, Shri Kantilal Kanaiyalal 'Kantam', C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

- (3) Shri Padmakant Kanaiyalal, for self and as Karta or Manager of Padmakant Kanaiyalal H.U.F., Silver Arch, 4th Floor, Dr. Jagmohandas Road, Bombay.
- (4) Shri Mahendra Kanaiyalal for self and as Karta or Manager of Mahendralal Kanaiyalal H.U.F., 'Mainak', C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (5) Shri Rajiv Mahendralal 'Mainak', C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (6) Minor Sanjiv Mahendralal by his natural guardian, Shri Mahendralal Kanaiyalal, 'Mainak' C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (7) Shri Biharilal Kanaiyalal, for self and as Karta or Manager of Biharilal Kanaiyalal H.U.F., 'Mainak', Near Polytechnic, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Orient Club, Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad through its—
  - (1) President, Shri Hariprasad Vadilal Vasa, 18, Vasundhara Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
  - (2) Vice-President, Shri Giriraj Navinchandra Desai, Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad.
  - (3) Secretary, Shri Bhaktiprasad Tarachand Nagori 2, Vijaya Park, Navrangpura, Ahmedabad.
  - (4) Committee Member, Shri Narendrabhai Lalbhai Sheth, Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A building known as "Kanaiyalal Motilal Bungalow", standing on open plot admeasuring 4498 sq. yards bearing F.P. No. 578, Sub-Plot No. 2, situated at Madalpur alias Chhadavad, Ellisbridge, Ahmedabad.

**J. KATHURIA,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (i) Shri Chimanlal Hansjibhai Patel,  
(ii) Smt. Savitaben Chimanlal Patel.  
(iii) Shri Mahendrabhai Chimanlal Patel.  
(iv) Minor Shri Jayendra Chimanlal Patel, Guardian Shri Chimanlal Hansjibhai Patel, Behind H. L. Commerce College, Near Bank of Baroda, Navrangpura, Ahmedabad,  
(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-723(254)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 96-2, T.P.S. No. 20, Final Plot No. 234 New Sub-Plot No. 5 situated at Behind H. L. Commerce College, Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) (i) Dr. Ramesh Chandulal Shah.  
(ii) Smt. Purnima Ramesh Shah,  
"Ojas", Behind Liberty Hotel, Near H. L. Commerce College, Navrangpura, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 455 sq. yds. bearing Kochrab, Survey No. 96-2, T.P.S. No. 20, Final Plot No. 234 and new Sub-Plot No. 5 and situated behind H. L. Commerce College and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

23—416GI/75

Date : 1-1-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) (i) Balvantrai Maganlal self and as guardian of minor Susma Balvantrai and Barbik Balvantrai.  
(ii) Smt. Manjiben Balvantrai,  
Adajan, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. P.R. No. 273 Acq. 23-434/19-8/74-75.—  
Whereas, I, P. N. MITTAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
S. No. 468/3 paiki open land situated at Adajan Village Taluka Choryasi Distt. Surat,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 5-6-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or  
(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Gitanagar Co-operative Housing Society Ltd.  
Through :

Narsinhbhai Manchhubhai Patel,  
Vanmalibhai Haribhai Patel,  
Ishwarbhai Jerambhai Patel,  
Master Colony, Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE .

Open land bearing Sur. No. 468/3 admeasuring 30 gunthas i.e. 3630 sq. yds. situated at Adajan Taluka Choryasi Dist. Surat as fully described in sale-deeds registered under No. 983 and 984 of June, 1975 in Registering Office, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 30-12-1975,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Savitaben d/o. Jekisandas Ichharam, Adajan, Tal.  
Choryasi Dist. Surat.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. P.R. ; No. 274 Acq. 23-434/19-8/74-75.—  
Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 468/2 paiki open land situated at Village Adajan Taluka Choryasi of Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Gitanagar Co-operative Housing Society Ltd.  
through :

Narsinhbhai Manchhubhai Patel;  
Vanmalibhai Haribhai Patel;  
Ishwarbhai Jerambhai Patel;  
Master Colony, Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land bearing S. No. 468/2 paiki 0-13 gunthas i.e. 1573 sq. yds. situated at village Adajan, Taluka Choryasi of District Surat as fully described in sale deed registered under No. 982 of June, 1975 in Registering Office, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 30-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dahyabhai Becharbhai Patel  
 & others, at Vav, Tal. Kamerj, Dist. Surat,  
 (Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
 MISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. P.R. No. 275 Acq. 23-614/19-7/75-76.—  
 Whereas, I, P. N. MITTAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B  
 of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason  
 to believe that the immovable property, having a fair market  
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 Ward No. 7, Nondh No. 279 Plot No. 20/5 situated at  
 Unapani Road, Lal Darwaja, Surat  
 (and more fully described in the  
 Schedule annexed hereto), has been transferred  
 under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Surat on 25-6-1975.  
 for an apparent consideration which  
 is less than the fair market value of the aforesaid  
 property and I have reason to believe that the fair market  
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
 consideration therefor by more than fifteen percent of such  
 apparent consideration and that the consideration for such  
 transfer as agreed to between the parties has not been truly  
 stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dahyabhai Becharbhai Patel  
 & others, at Vav, Tal. Kamerj, Dist. Surat,  
 (Transferor)
- (2) (1) Vasantrai Dahyabhai Patel,  
 (2) Champaklal Dahyabhai Patel,  
 (3) Hasumati Ben Vasantrai self and guardian of minor Bharatkumar Vasantrai,  
 (4) Kamuben Champaklal,  
 Vav, Tal. Kamerj, Dist. Surat,  
 (Transferee)
- (3) Amritsar Transport Co. Pvt. Ltd.  
 through : Chairman; Krishan Mohan Bijla, Unapani  
 Road, Surat.  
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property comprising of land admeasuring 115.39 sq. mt. alongwith godown constructed thereon and bearing Nondh No. 279 Plot No. 20/5 in Ward No. 7 situated on Unapani Road, Lal Darwaja, Surat as fully described in sale deed registered under No. 1174 of June, 1975 in registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) The Principal Officer,  
Cyto Pvt Ltd, Vallabh Vidyanagar, Tal, Anand,  
Dist Kaira  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt Dhuuben C Amin,  
Partner Eastern Engineering Co  
Vallabh Vidyanagar, Tal Anand, Dist Kaira.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1976

Ref No PR No 275 Acq 23-614/19-7/75-76—  
Whereas, I, P N MITTAL,  
being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs 25,000/- and bearing No  
S No 395 Sub plot No H situated at Cyto compd, Near  
Karamsad Rly. Crossing, Tal Anand, Dist Kaira,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Anand on 31-5-1975,  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece or part of land or ground situate lying and  
being at Vithal Udyognagar in the Registration Sub-District  
of Anand, Dist Kaira being Sub plot No H, admeasuring  
18349.65 sq metres of land out of the land bearing Survey  
No 395 of Karamsad sim

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub section  
(1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 2-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Brij Narain Sharma,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandra Bhushan Sharma.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th December 1975

Ref. No. 20—C/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Bhamraula Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 6-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring twenty four Bigha two Biswa situated in Village Bhamraula Tehsil Haldwani Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Brij Narain Pandey.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1975

Ref. No. 22—D/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Bhamaula Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 6-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Dalip Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 19 Bigha 13 Biswa situated in Village Bhamaula Tehsil Haldwani Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-12-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Dev and others,

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Nath Prasad and others.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1975

Ref. No. 24—V/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mohalla Durga Devi Distt. Mirzapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mirzapur on 19-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house situated in Mohalla Durga Devi Distt. Mirzapur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-12-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Arvind Basudeo Lagu and others.

(Transferor)

(2) Smt. Girja Devi Mardha.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th December 1975

Ref. No. 26—G/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-58/142 situated at Shiv-purwa Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 14-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

24—416GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. D-58/142 situated in Shivpurwa Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-12-1975.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Bhabani Prasad Chatterjee and others  
(Transferor)**NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Gaurn Shanker Prasad Chaurasia and others  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE LUCKNOW**

Lucknow the 27th December 1975

Ref No. 27-G/ACQUISITION—Whereas I BISHAM BHAR NATH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No C-13/9 situated at Aurangabad District Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storeyed house alongwith lands being premises No C/13/9, situated in Aurangabad District Varanasi

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act'. to the following persons, namely.—

Date 27-12-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Suresh Chandra Sabharwal and others.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th December 1975

Ref. No. 31—J/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Civil Lines District Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 18-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Shri Jamuna Prasad Kaushik.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house property situated in Civil Lines District Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date . 28-12-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Suresh Chandra Sabharwal and others.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kishore Devi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th December 1975

Ref. No. 46—K/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-  
BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Civil Lines District Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 18-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house property situated in Civil Lines District Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 28-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hanif Akhtar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baldco Prasad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th December 1975

Ref. No. 56-B/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Bazar Gopi Ganj Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gyanpur (Varanasi) on 16-6-1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storeyed house situated in Bazar Gopi Ganj Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Lal Kukreti son of Sri Gendant Lal Kukreti R/o 5, Rameshwar Mohalla, Dehradun, (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Dhanpati W/o Kashmeri Lal, R/o 23, Maliyan Mohalla, Dehradun.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th December 1975

Ref. No. 80/Acq./Dehradun/75-76/2319.—Whereas, I,

VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 19-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 5 old and No. 7, situated at Rameshwar Mohalla, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mahendra Kumar Jain S/o Shri Jeewa Nand  
Gupta R/o Thapar Nagar, Meerut.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Ramesh Chand Jain s/o Shri Jagjot Singh  
R/o Police Street, Meerut Cantt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Kanpur, the 29th December 1975

Ref. No. 264/Acq./Meerut/E/75-76/2319.—Whereas, I

VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 17-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property consisting of half portion of double storeyed house No. 207, Street No. 5, situated at Thapar Nagar, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date . 29-12-1975,

Seal .

## FORM ITNS

(1) Shri Narendra Kumar Jain S/o Sri Jeewa Nand  
Gupta, R/o Thapar Nagar, Meerut.  
(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chand Jain s/o Shri Jagjot Singh  
R/o Police Street, Meerut Cantt.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th December 1975

Ref. No. 263/Acq./Meerut/75-76/2319.—Whereas I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of half portion of double storeyed house No. 207, Street No. 5, situated at Thapar Nagar, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb,  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subir Sarkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

Ref. No. TR-171/C-172/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11 Kathas being a portion of 39, Tangra Road, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
25—416GI/75

Date : 1-1-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mihir Sarkar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

Ref. No. TR-172/C-171/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 7 Kathas 4 Chittacks being a portion of 39 Tangra Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunil Kumar Sarkar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. TR-173/C-170/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 Cattahs 11 Chittacks being portion of 39, Tangra Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 1-1-1976.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Raja Narasinha Malla Ugal Sande Deb  
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Susanta Sarkar  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 1st January 1976

Ref No TR 174/C 169/Cal-2/75 76—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land measuring 12 kathas 12 chittacks being a portion of 39, Tangra Road, Calcutta

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

**S K CHAKRAVARTY**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons namely —

Date 11 1976

Seal

**FORM ITNS—**(1) Shri Raja Natasingh Malla Ugal Sanda Deb  
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Singasan Piasad  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA**

Calcutta, the 1st January 1976

Ref No TR 175/C-168/Cal-2/75-76—Whereas, I, S. K CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 39, situated at Tangia Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Vacant land measuring 8 Kathas, 9 Chittacks being a portion of 39, Tangia Road, Calcutta 15

S K CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 11-1-1976.

Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb,  
(Transferor)

(2) Shri Shankar Chandra Das.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

Ref. No. TR-177/C-166/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land measuring 7 cottah 12 chittack and 39 sq. ft. being a portion of 39 Tangra Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-1-1976.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) (1) Sri Dilip Kr. Sinha.  
 (2) Sri Sandip Kr. Sinha.  
 (3) Sri Pradip Kr. Sinha.  
 (4) Mrs. Niharika Sen.  
 (5) Mrs. Manjulika Sen.  
 All of 5 Anil Maitra Road, Calcutta.  
 (Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. 305/Acq./R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Anil Maitra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) (1) Sri Sachinandan Mitra.  
 (2) Sri Debakinandan Mitra.  
 (3) Sri Jushodanandan Mitra.  
 All of Raicharan Deb Road, Bolepur, District, Birbhum.  
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land of 18 coittahs 9 chittacks 4 sq. ft. at premises No. 5, Anil Maitra Road, Calcutta with a two storied main building, portch, verandah, garages, stair case compound wall with gates, two storied kitchen blocks and servant's quarters, sheds and also with all other structures and fittings as per deed No. I-3160 of 1975 registered before Registrar of Assurance, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-12-1975.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Pratima Mitra 40A, Jadavpur Central Road,  
Calcutta.  
(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Reena Ghosh 124/2 Prince Golam Hassain  
Road, Calcutta.  
(Transeree)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ‘said Act’, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied building with garages and box room over the garage and other fittings standing on a land of about 5 cottahs being premises No. 40A Jadavpur Central Road, Calcutta as per deed No. I-3137 of 1975 registered before the Registrar of Assurance, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the ‘said Act’, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the ‘said Act’, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the ‘said Act’, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the ‘said Act’ to the following persons, namely :—

Date : 30-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

1. Smt. Kumudamma, W/o K. Rangachar,  
Power of Attorney Holder Sri K. Sheshachar, Sabha-  
Pati Road, Bruce Pet, Bellary.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. (1) Shri G. Thimmappa S/o Pedda Narasappa.  
(2) Shri Shankarappa S/o P. Bhimappa.  
Kolagallu Village, Bellary District.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 2nd January 1975

Ref. No. 96/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 591 situated at Kolagallu Village, Bellary Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bellary under Document No. 786 on 14-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

26—416GI/75

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at Kolagallu village, Bellary District.

S. No. 591.  
A—C 22—91.

P. SATYANARAYANA RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 2-1-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

I. Shri Devasi Ramaji Patel,  
Building Contractor, Hosur, Hubli.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

Dharwar, the 2nd January 1975

Ref. No. 97/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ext'n. C.S. No. 3226/13, 3226/22 and S. No. 60 situated at Unkal Village, within H.D.M.C. Limits, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 587 on 12-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- 2 (1) Shri Hajarastab Adamsab Pantoji.
- (2) Shri Rajesab Adamsab Pantoji.
- (3) Shri Ismailsab Adamsab Pantoji.
- (4) Shri Abdulrehaman Mehaboobsab Pantoji, M/G. Sri Ismailsab Pantoji, Partners in Hubli Saw Mills, Dharwar Road, Hubli.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Non-Agricultural land bearing Plot Nos. 12 and 21 in S. No. 60 Extension C.S. No. 3226/13, 3226/22 situated at Unkal Village, within Hublidharwar Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Dharwar.

Date 2-1-1976.  
Seal .

## FORM ITNS

1. Shri Kamali Nath Bhalla

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Jugraj Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 32-J/B-ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —— situated at Village Garhi Inder Jeet Singh Distt. Nainital, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 26th June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Half portion of Plot No. 112 measuring 0.30 Acres with one house measuring 40'×50' situated in Village Garhi Inder Jeet Tehsil Kashipur Distt Nainital.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date 1st January 1976  
Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Kailash Nath Bhalla.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jugraj Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. J/A-ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhal Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —situated at Village Garhi Inder Jeet Singh, Distt. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 19th June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Halt portion of Plot No. 112 measuring 0.30 Acres with one house measuring 40'×50' situated in Village Garhi Inder Jeet Tehsil Kashipur Distt. Nainital.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-tax,  
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1st January 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Krishna Chandra Mazumdar

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajmul Nessa

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No 58-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 281/2, situated at Civil Lines Chhauni District Sultanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on 18th August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storeyed house No 281/2 situated in Civil Lines Chhauni District Sultanpur

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date 1st January, 1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Krishna Chandra Majumdar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Abdul Latif Khan.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 59-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 281/1 situated at Civil Lines Chhauni Sadar Distt. Sultanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on 18th August 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storied house No. 281/1 situated in Civil Lines Chhauni Sadar District Sultanpur.

BISHAMBHAR NATH.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act of the following persons, namely :—

Date : 1st January, 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Amiya Bhowmik,  
Vivekananda Road, Jadavpore,  
24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Susanku Bhowmik  
Vivekananda Road, Jadavpore  
24-Parganas.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 2nd January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 310/Acq.R-III/75-76/Cul.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian,, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No....., situated at Jadavpore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 24th May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

All the piece and parcel of land measuring 7 cottahs in Kh. No. 4, Dag No. 417 and 1/3rd undivided share in a building standing on 5 cottahs of land on Vivekananda Road, Jadavpore, 24-Parganas as per deed No. 4553 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Alipore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

I. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed  
Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 2nd January 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Amiya Bhowmik  
Vivekananda Road, Jadavpore.  
24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January 1976

Ref. No. 311/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ...., situated at Mouza-Jadavpore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 24th May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Sasanka Bhowmik  
Vivekananda Road, Jadavpore,  
24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and / or

All the piece and parcel of land measuring 11 cottahs and 2/3rd undivided share of godowns and other structures standing on another five cottahs of land situated in kh. No. 4, Dag No. 417, Mouza-Jadavpore, 24-Parganas, as per deed No. 2724 of 1975 registered before the Sub-Registrar of Alipore Sadar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta 34, Aafi Ahmed  
Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 2nd January 1976.  
Seal .

**FORM ITNS**

(1) Shri Hem Raj Puri S/o Shri Dewan Chand Puri  
R/o F 80 Green Park, New Delhi,  
(Transferer)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 7th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/May-I/760(35)/75-76.—  
Whereas, I, C. V. GUPTE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. S-370 situated at Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on 12/5/1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of each apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

27—416G1/75

(2) Smt Savitri Devi Malik w/o Shri H. I. Malik  
r/o K-47, Naveen Shahdara, Delhi-32.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A free-hold plot of land bearing No. 370 in Block No. 'S'  
situated in the residential colony known as Greater Kailash-II,  
New Delhi-19 having an area of 303 sq. yds., and in the  
Revenue records of Village Bahapur in the Union Territory  
of Delhi State and within the limits of Delhi Municipal Corporation,  
South Zone, Green Park, New Delhi-16 and bounded as under :—

North : Plot No. S/368  
South : Road  
East : S Lane  
West : Road.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date 7-1-1976

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR  
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th January 1976

Ref. No. P.R. No. 277 Acq. 23-616/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 97 palki Plot No. 22, Final Plot No. 49 situated at Umervada, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Dhangaubiben Chimantal self and as guardian of minor Kiritkumar Chimantal; Harishchandra Chimantal;  
(2) Hashmatiben Chimantal;  
(3) Yashwantiben Chimantal; Soni Falia, Main Rond, Surat.

(Transferor)

(2) (1) Bharatkumar Punamchand;  
(2) Nareshkumar Punamchand;  
(3) Rajendrakumar Punamchand; Salabatpura, Momnavad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULL**

An open plot of land bearing S. No. 97 Palki Final Plot No. 49, admeasuring 1060 sq. yds. i.e. 890.40 sq. metres situated at Umervada, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deed registered under No. 2367 of May, 1975 in registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 5th January 1976,  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January 1976

Ref. No. P.R. No. 278 Acq. 23-455/4-5/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey Sheet No. 29 & City Sur. No. 3(Sur. No. 29/3) and Ward No. H. No. 399 situated at Rajpipla Taluka Nandon Dist. Broach.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandon on 27-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Miniben Adi Contractor for herself and as natural guardian of her two minor children Rasna Adi Contractor and, Zarir Adi Contractor, Lilva Dhol Adi Nasarvanji Marg, Rajpipla.

(Transferor)

(2) M/s. Chitra Bharti Theatres through its partners :—

- (1) Dhirubhai R. Desai
- (2) Harishbhai M. Patel
- (3) Babubhai Maganbhai Desai
- (4) Nageshkumar Babubhai Desai
- (5) Udaikumar Harishbhai Patel
- (6) Arunaben Balkrishna Patel
- (7) Pannaben Rameshchand Patel
- (8) Navinchandra Mohanlal Patel
- (9) Babubhai Jamnadas Mistry
- (10) Narottambhai Kalidas Shah
- (11) Layalaxmi Maneklal Mehta
- (12) Muktalaxmi Pratapray Seth
- (13) Shantiben Jagdishbhai Desai
- (14) Niravkumar Jagdishbhai Desai,  
4-D, Nanz Building, Lamington Road, Bombay-4.

(Transferee)

(3) Pandya Mahendrabhai Harivadanbhai Navapura, Rajpipla.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece of land and premises together with the Cinema Theatre known as Raj Roxy Talkies with fixed assets and fittings and other structures, Hotel Building thereon, situated on Station Road, Rajpipla Taluka Nandon Dist. Broach and bearing City Survey Sheet No. 29 and City Survey No. 3 (Survey No. 29/3) Municipal Ward No. 8 and House No. 399 and total land admeasuring at 46551 sq. ft. equivalent to 5172.30 sq. yds. as fully described in sale deed registered under No. 404 of May, 1975 in registering Office, Nandon.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 6th January 1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th December 1975

C. R. No. 62/4222/75-76/ACQ./B.—Whereas, 1, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. Old 7, and New No. 1, situated at Rose Lane, Richmond Town, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 556/75-76 on 8-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bibi Zahan Sultana, W/o late Mirza Mohammed Hussain, No. 48, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Manay, W/o Sri N. V. Manay, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Registered document No. 556/75-76 dated 8-5-1975.  
House No. Old 7 and New No. 1, Rose Lane, Richmond Town, Bangalore-560025.

site Area :

North to South : 107'

East to West : 62' = 6634 Sq. ft.

Built up area as per form No. 37 G=1792 sq. ft.

Boundaries :—

East : Mrs. G. R. Da Costa (M/s. Andrews Bakery old).

West : Rose Lane.

North : Ameegoscr (Mrs. Edmonds House old) and

South : M/s. Rondo (Mr. Clarkes House Old).

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-12-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri B Ramakrishnappa S/o late Byrappa  
 (2) Shri Sriam, S/o Shri B Ramakrishnappa,  
 Both residing at —No 3, I Cross, Hosahalli,  
 Bangalore-40

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1975

C.R. No. 62/4227, 75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R.

KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Dry land measuring 4 acres in S. No 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkadakatte, Yeshwantapura Hobli, situated at Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office;

at Bangalore North Taluk, Doc No 729/75-76 on 15-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(2) Shri Masti Gowda alias Chikkanna,  
 S/o Chickka Boranna alias Baleshettyappa, No. 59,  
 Agrahara Dasaraballi, Magadi Road, Bangalore city.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

**THE SCHEDULE**

Registered document No 729/75-76 dated 15-5-1975  
 Dry land measuring 4 acres in S No. 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkada Katte, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk

**Boundaries** —

East Land belonging to the P.W.D. Tank Bund in the same S No

West Land belonging to Sri Balanganna,

North Land sold by Sri Kariyanna; and

South Land belonging to Sri Ramakrishnappa

R KRISHNAMOORTHY,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-tax,  
 Acquisition Range, Bangalore.

Date 24-12-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1975

C.R. No. 62/4228/75-76/ACQ./B.— Whereas, I, R.

KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dry land measuring 5 acres in S. No. 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkadakatte, Yeshwantapura Hobli, situated at Bangalore North Taluk,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bangalore North Taluk Doc. No. 731/75-76 on 15-5-1975, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) (1) Shri B. Ramakrishnappa S/o lat<sub>o</sub> Byrappe,  
 (2) Sri Sriram, S/o Sri B. Ramakrishnappa,  
 Both residing at :—No. 3, I Cross, Hosahalli,  
 Bangalore-40.

(Transferor)

(2) Shri Ramakrishnappa S/o Chikka Boranna alias  
 Baleshetyappa, No. 59, Agrahara Dasarahalli, Magadi  
 Road, Bangalore-City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 731/75-76 dated 15-5-1975]

Dry land measuring 5 acres in S. No. 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkada Katte, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk.

Boundaries :—

East : Land belonging to the P.W.D. Tank-bund in the same S. No. and beggar's colony.

West : Land belonging to Sri Iralingappa and Smt. Channa Suramma.

North : Land belonging to Sri Masti Gowda alias Chikkanna,

South : Beggar's colony.

R. KRISHNAMOORTHY,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-tax,  
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-12-1975.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 270 J. Nos. KR. 8 & 10/75-76.—  
 Whereas, I, B. V. Subbarao,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 Door No. 29-19-33 situated at Dornakal Mission Road, Suryaraopetta, Vijayawada  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 Vijayawada on 15-4-1975  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Rayaprolu Dhanalaxmi, W/o late Siva Subramanyam  
 2. Sri R. Chandrasekhar.  
 3. Sri R. S. Subramanyam being minor represented by legal heir father Sri R. Chandrasekhar.  
 4. Sri R. Siva Subramanyam being minor represented by legal heir mother Smt. R. Dhanalaxmi.  
 5. Smt. B. R. Visala, W/o Satyanarayana, Bangalore.  
 6. Y. Vijayalaxmi, W/o Y. K. Sastry, Rourkela.  
 7. Y. Padmaja W/o Y. Malleswara Rao.

(Transferor)

- (2) Shri Kotamasu Harigopal,  
 S/o Satyanarayana,  
 Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule property as per document Nos. 1094/75 and 1099/75 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 15th April, 1975.

B. V. SUBBARAO,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-12-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Yellamraju Kalyana Sundaram,  
Rajagopalachari St.,  
Governorpetta,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Mandaya Rattaiah.  
Managing Partner Sri Padmanabha Printing works,  
Vijayawada.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. Acq. File No. 271K.R. No. 17/VZA/75-76.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-1-28 situated at Sambamurthy Road, Behind Fswara Mahal, Ramnagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1396/75 registered before the S.R.O., Vijayawada during the fortnight ended 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-12-1975  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Kuldeep Singh S/o Savan Singh,  
Gokkela Road, Maharanipeta,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(h) Shri Raja Sagivenkata Narasimha Raju,  
S/o Raja Sagi Seetharamaraju,  
Tangedu Village,  
Visakhapatnam Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 272 VSP No. 3/75-76.—Whereas,  
I, B. V. Subbarao,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo-  
vable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 15-6-5 situated at Saleswarasena Road, Maharanipeta.  
Visakhapatnam-2  
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering officer at  
Visakhapatnam on 15-4-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration and that the consider-  
ation for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961  
(43 of 1961) to the following persons, namely :—  
28—416GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule property as per document No. 1598/75  
registered before the S.R.O., Visakhapatnam during the fort-  
night ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-12-1975

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Sri M. Sri Ramemurthy,  
Late Sri Mocherla Ramachandra Rao. District and  
Sessions Judge (Retd.) 41-III Main Road, Gandhinagar, Madras.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 273 VSP. No. 13/75-76.—  
Whereas, I, B. V. Subbarao,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the  
'said Act'), have reason to believe that the immovable property  
having a fair market

value exceeding 25,000/- and bearing No.  
Door No. 14-1-38 Gokhale Road situated at Maharanipeta,  
Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Visakhapatnam on 30-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the 'said Act', in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961  
(43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Smt. Datla Satyavatahamma and D. V. Suryanarayana Raju, Thangedu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per documents no. 1782/75 of  
the SRO, Visakhapatnam registered during the fortnight ended  
30-4-75.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-12-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. S/Shri Yerrapragada Suryanarayana,
2. Y. Brahmanandam,
3. Komaragiri Venkatarama,
4. Chilukuri Surya Prakasa Sastry.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Manthena Venkatarama raju,  
Partner Sri Ramanhaneya Fruit Co.,  
Main Road.  
Tanuku.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 274 J. No. 12/WG/75-76—  
 Whereas, I, B. V. Subbarao,  
 being the Competent Authority under Section  
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
 the immovable property having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 Door No. 19/29, 30 & 31, 7th ward, Kondurivari Street,  
 Tanuku  
 (and more fully described  
 in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of  
 the Registering Officer at  
 Tanuku on 31-5-75  
 for an apparent consideration which is  
 less than the fair market value of the aforesaid property and  
 I have reason to believe that the fair market value of the  
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent consider-  
 ation and that the consideration for such transfer as  
 agreed to between the parties has  
 not been truly stated in the said instrument of transfer with  
 the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of  
 30 days from the service of notice on the respective  
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
 immovable property, within 45 days from the date  
 of the publication of this notice in the Official  
 Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the 'said Act,'  
 in respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per document No. 1095/75 of  
 the S.R.O., Tanuku registered during the fortnight 31-5-1975.

B. V. SUBBARAO,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-12-1975  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961  
 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Chekuri Venkatakrishnamraju and  
SatyanarayanaRaju, S/o Late RamalingaRaju,  
KATRENIKONA VILLAGE  
Amalapuram Taluk, E.G. Dt.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No 277 J. No. I(VSP)/12/75-76.—  
Whereas, I, B. V. Subbarao,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 47-14-2 situated at Dwarakanagar Visakhapatnam-2  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at  
Visakhapatnam on 30-4-1975  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(2) Smt. Gogineni Kamalamba,  
W/o Reddyea, Mopairu, Tenali Taluk.  
2. Kota Tataiah,  
Gudavilli,  
Repalli Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per document No. 1805/75 registered before the S.R.O., Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-12-1975

Seal-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—